चैत्र मास, शुक्ल पक्ष 5, वर्ष 11, अंक 333, पृष्ठ 12, मूल्य: 5.00

प्रयागराज, रविवार, 26 मार्च, 2023

# जनसंदेश टाइम्स


परख सच की

प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर एवं गोरखपुर से प्रकाशित

नगर संस्करण

E-paper : www.jansandeshtimes.net | Portal : www.jansandeshtimes.news



अन्दर : नीतू ने विश्व चैंपियनशिप में किया कमाल, पहली बार स्वर्ण पदक जीतीं

अन्दर : ...लेकिन दस्तावेज तो कुछ और कह रहे हैं


### योगी सरकार के छह साल: एक साल, रिकॉर्ड अनेक, चुनौतियां भी कम नहीं, कुछ पार, कई बरकरार

# यूपी की पहचान अब उपद्रवी नहीं उत्सव

## मुख्यमंत्री योगी ने अपने दूसरे कार्यकाल का एक वर्ष पूरा होने पर भाजपा सरकार की छह साल की उपलब्धियों का जनता के सामने रखा ब्यौरा, बोले-कभी माफियाओं के लिए जाना जाने वाला प्रदेश अब महोत्सवों के लिए जाना जाता है, यहां किसान-नौजवान सभी खुशहाल, आज पूरा प्रदेश विकास की दौड़ में पहले स्थान पर

**लखनऊ।** यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को प्रदेश की जनता के सामने भाजपा सरकार की छह साल की उपलब्धियों का ब्यौरा पेश किया।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि हमने छह साल में प्रदेश को लेकर लोगों की धारणा बदलने का काम किया है। अब यूपी की पहचान उपद्रवियों से नहीं उत्सवों से है। अब प्रदेश माफियाओं के कारण नहीं बल्कि महोत्सव के कारण जाना जाता है। उन्होंने कहा कि हमने नया यूपी बनाया है। छह वर्ष पहले लोग कहते थे कि यूपी में कभी विकास नहीं हो सकता है पर आज पूरा प्रदेश विकास की दौड़ में पहले स्थान पर जगह बना रहा है।

उन्होंने कहा कि ये वही उत्तर प्रदेश है जो छह साल पहले हर दूसरे तीसरे दिन दंगा होने और परिवारवाद के कारण जाना जाता था पर अब यूपी की नई छवि देश और दुनिया के सामने है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हमने यूपी में पुलिस सुधार किए। प्रदेश में सात पुलिस कमिश्नरेट बने। तहसील के स्तर पर फायर ब्रिगेड बने। हर जिले में पुलिस के लिए बैरक बनाए जा रहे हैं और साइबर थानों की स्थापना हो रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते छह वर्षों में प्रदेश में रोजगार और निवेश के लिए माहौल बना है। सरकारी नौकरियों में जातिवाद, भ्रष्टाचार और परिवारवाद को खत्म किया गया है। सरकारी योजनाओं का लाभ देने में न तो जातिवाद होता है और न ही भ्रष्टाचार। हर किसी को

योजनाओं का लाभ मिल रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार होने से प्रदेश में स्थिरता है जिसका लाभ प्रशासन को मिल रहा है। जिलों में पुलिस अधीक्षक व जिलाधिकारी अपना कार्यकाल पूरा कर रहे हैं। शासन प्रशासन में स्थिरता होने का लाभ जनता को मिल रहा है। जनता को सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ मिल रहा है।

***इंफ्रास्ट्रक्चर में प्रदेश पहले स्थान पर है***

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रदेश के विकास को गति देने के लिए एक्सप्रेस वे का निर्माण कराया जा रहा है। गंगा एक्सप्रेस वे का निर्माण 2025 तक पूरा हो जाएगा। अगले दो वर्षों में पांच अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डों वाला यूपी देश का पहला प्रदेश होगा जिसमें तीन अभी से क्रियाशील हैं। प्रदेश में गांव-गांव में सड़कों को बेहतर करने का काम हुआ है। प्रदेश में पांच शहरों में मेट्रो चल रही है। नवंबर-दिसंबर से आगरा में भी मेट्रो सेवा शुरू कर दी जाएगी।

***यूपी को लेकर धारणा बदली है***

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि छह साल में यूपी को लेकर देश में धारणा बदली है। अब यूपी का नाम सुनकर लोगों के चेहरे पर चमक आ जाती है। पहले संदेह की नजरों से देखा जाता था। अब प्रदेश के युवाओं के सामने पहचान का संकट नहीं है।

***ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट में 35 लाख करोड़ रुपये के निवेश के एमओयू साइन हुए***

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में बीते दिनों आयोजित हुई ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट 2023 में प्रदेश में निवेश के लिए 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू साइन हुए। ईज आफ डूइंग बिजनेस में प्रदेश दूसरे स्थान पर है। हमने प्रदेश के लोगों की आय को दोगुना किया है। मुख्यमंत्री ने एक पुस्तिका का भी विमोचन किया जिसमें प्रदेश सरकार के विकास कार्यों का उल्लेख किया गया है। अलग-अलग जिलों में मंत्रियों द्वारा भी पुस्तिका का विमोचन किया जाएगा।

***पूर्वी बंदरगाह से भी जुड़ गया यूपी***

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 में जब हम आए थे, तब दो एयरपोर्ट क्रियाशील और दो आंशिक थे, आज हमारे पास नौ एयरपोर्ट पूरी तरह से क्रियाशील हैं। 12 एयरपोर्ट पर हम वर्तमान में काम कर रहे हैं। इनमें से पांच को एयरपोर्ट अथॉरिटी ने एयर कनेक्टिवटी के साथ जोड़ने के लिए सहमति दे दी है। अगले दो वर्ष के अंदर यूपी पांच इंटरनेशनल एयरपोर्ट वाला पहला राज्य होगा। तीन इंटरनेशनल एयरपोर्ट वर्तमान में क्रियाशील हैं। अयोध्या और जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट को अगले साल तक क्रियाशील कर दिया जाएगा। देश का पहला वाटर वे वाराणसी से हल्दिया के लिए शुरू कर दिया गया है। यूपी को हमेशा ये मलाल रहता था कि हम बंदरगाह से नहीं जुड़े हैं, मगर आज वाराणसी से हल्दिया को यानी पूर्वी बंदरगाह को यूपी को जोड़ दिया गया है। किसानों के उत्पाद को वैश्विक बाजार तक पहुंचाने के लिए हम लगातार प्रयास कर रहे हैं।

***विद्युत आपूर्ति में वीआईपी कल्चर समाप्त***

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूववर्ती सरकार के पहले ढाई साल में मात्र ढाई लाख शौचालय बने थे। उसके बाद (वर्ष 2017) के डेढ़ वर्ष के कार्यकाल में 2.61 करोड़ शौचालयों का निर्माण हुआ। पीएम आवास योजना (शहरी) में 18 हजार स्वीकृत हुए थे पर बने नहीं थे जबकि 6 साल में शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में 5,27,7000 आवास स्वीकृत किये गये हैं। इसके अलावा मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत 1 लाख से अधिक गरीबों को आवास उपलब्ध कराए गये। इनमें मुसहर, वनटांगिया, थारू, कोल और सहरिया जैसी जातियां शामिल हैं, जिनकी आजादी के 70 साल तक आवाज नहीं सुनी जाती थी। वीआईपी कल्चर को समाप्त करते हुए समान रूप से सभी ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की गयी। यूपी के बजट को दोगुना बढ़ाया गया। पहले निराश्रित पेंशन के अंतर्गत 17 लाख महिलाओं को 500 रुपये प्राप्त होता था, आज 31 लाख महिलाओं को 1000 रुपये पेंशन दिए जा रहे हैं। पहले 37 लाख लाभार्थियों को 500 रुपये मासिक वृद्धावस्था पेंशन की सुविधा प्राप्त होती थी पर आज 56 लाख महिलाओं को इसका लाभ मिल रहा है, मासिक राशि भी दोगुनी की गई है।

***किसान-नौजवान सभी खुशहाल***

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2016 में बेरोजगारी दर 18 प्रतिशत थी, आज ये घटकर 3-4 प्रतिशत है। यूपी में 2007 से 2017 के बीच जितना गन्ना मूल्य का भुगतान हुआ, आज हमने उससे दोगुना गन्ना मूल्य का भुगतान किया है। मुझे प्रसन्नता है हमने अब तक 2लाख 2 हजार करोड़ से अधिक का गन्ना मूल्य कर दिया है। धान और गेहूं में दलाल और एजेंट के माध्यम से खरीद होती थी। 2012 से 17 के बीच में मात्र 123 लाख मीट्रिक टन का धान क्रय बिचौलियों के माध्यम से हुआ था, जिसमें 17190 करोड़ का भुगतान किया गया था। मगर 17 से लेकर अब तक 345 लाख मीट्रिक टन धान क्रय हुआ और 64 हजार करोड़ का भुगतान डीबीटी के माध्यम से सीधे अन्नदाताओं के पास गया। इसी प्रकार गेहूं के मामले में बिचौलियों के माध्यम से 12 से 17 के बीच 94 लाख मीट्रिक टन गेहूं क्रय हुआ और 12800 करोड़ का भुगतान बिचौलियों के माध्यम से हुआ। 2017-23 के बीच 219 लाख मीट्रिक टन खरीद किया और 40159 करोड़ का भुगतान अन्नदाता के खाते में किया गया।

***यूपी में बन रहे सर्वाधिक मोबाइल***

मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी न्यू एज हाईटेक मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में सबसे बड़ा केंद्र बना है। देश में सबसे ज्यादा मोबाइल फोन यूपी में बन रहे हैं। सबसे ज्यादा ई व्हीकल रजिस्टर्ड वाला प्रदेश यूपी है। सबसे ज्यादा रोबॉटिक्स का निर्माण यूपी में होने जा रहा है। यूपी देश का सबसे बड़ा डेटा सेंटर बनने जा रहा है। शासन की कार्यप्रणाली में ईमानदारी के साथ पारदर्शिता के परिणाम सबके सामने है।

***शिक्षा-स्वास्थ्य में यूपी समृद्धि की राह पर***

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आज यूपी इथेनॉल उत्पादन में देश में पहले नंबर पर है। यूपी आज 118 करोड़ लीटर उत्पादन कर रहा है। हम वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज की ओर हम बढ़ रहे हैं। बहुत शीघ्र हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज होगा। हर कमिश्नरी स्तर पर एक विवि देने जा रहे हैं। मां शाकुंभरी के नाम से सहारनपुर, राजा महेंद्र प्रताप सिंह के नाम पर अलीगढ़, महाराज सुहेलदेव के नाम पर आजमगढ़ में चल रहा है।

## श्रीकृष्ण जन्मस्थान-शाही ईदगाह मामले में हिंदू पक्ष को झटका

### कोर्ट कमिश्नर नियुक्त किए जाने की मांग निरस्त, सर्वे होगा या नहीं, यह लोअर कोर्ट तय करेगा

**आगरा।** मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद मामले में एडीजे 6वीं की कोर्ट में शनिवार को सुनवाई हुई। अदालत ने कोर्ट कमिश्नर को नियुक्त करने से इनकार कर दिया। वहीं, शाही ईदगाह परिसर के सर्वे मामले की सुनवाई लोअर कोर्ट में चलती रहेगी। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह ने कोर्ट कमिश्नर नियुक्ति की मांग को लेकर वाद दाखिल किया था। महेंद्र प्रताप सिंह ने शाही ईदगाह का सर्वे कराए जाने को लेकर सिविल जज सीनियर डिवीजन की कोर्ट में वाद दाखिल किया था। निचली अदालत द्वारा यह वाद खारिज कर दिया गया। इसके बाद वादी ने जिला जज की कोर्ट में रिवीजन वाद दाखिल किया। जिला जज की अदालत ने इस केस को सुनने के लिए एडीजे 6वीं की कोर्ट में भेज

दिया था। अब एडीजे 6वीं की कोर्ट ने भी इस वाद को खारिज कर दिया है। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह द्वारा जिला जज की अदालत में रिवीजन वाद दाखिल किया गया था। रिवीजन वाद पर 15 मार्च को कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों की बहस पूरी हो गई थी। इसके बाद कोर्ट ने इस मामले में 20 मार्च को फैसला सुनाने के लिए मुकर्रर की थी। लेकिन, 20 मार्च को कोर्ट के व्यस्त होने के चलते इस मामले में 25 मार्च की तारीख दी गई थी।

## मिशन कर्नाटक पर पीएम मोदी

### कर्नाटक के दावणगेरे में पीएम मोदी का रोड शो: संकल्प यात्रा के समापन पर बोले-आज सुखद संयोग, कांग्रेस अध्यक्ष के घर में भाजपा ने मेयर का चुनाव जीता और आज ही विजय रैली

### बेंगलुरु में मेट्रो फेस-2 का उद्घाटन, मोदी ने मेट्रो की सवारी भी की

**बेंगलुरु।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को एक बार फिर कर्नाटक पहुंचे। राज्य में उनका इस साल का ये 7वां दौरा है। प्रधानमंत्री ने दावणगेरे में भाजपा के विजय संकल्प यात्रा के समापन समारोह में रोड शो किया फिर जनसभा को संबोधित किया।

मोदी ने कहा- आज सुखद संयोग है। आज विजय संकल्प रैली हो रही है और उसी समय कांग्रेस अध्यक्ष मल्लकार्जुन खड़गे की कर्मभूमि कलबुर्गी में हमारे पार्टी ने मेयर और डिप्टी मेयर का चुनाव जीत लिया। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के घर में भाजपा का विजय डंका बज गया। यह एक प्रकार से विजय संकल्प रैली का शुभ संकेत है कि विजय यात्रा आरंभ हो चुकी है।

प्रधानमंत्री ने कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता सिद्धारमैया पर भी निशाना साधा। मोदी ने कहा- सोशल मीडिया पर कल मैंने कर्नाटक का एक वीडियो देखा। एक पार्टी के बड़े नेता कर्नाटक के पूर्व सीएम अपनी ही पार्टी के एक कार्यकर्ता को सार्वजनिक रूप से थप्पड़ मारने का आनंद ले रहे थे। जो अपने कार्यकताओं का सम्मान नहीं कर सकते, वो जनता जनार्दन का सम्मान क्या करेंगे?

इससे पहले बेंगलुरु मेट्रो के फेस-2 की 13.71 किमी लंबी लाइन का उद्घाटन किया। उन्होंने व्हाइटफील्ड (काडुगोडी) से कृष्णराजपुरा (केआर पुरम) तक की मेट्रो में सफर भी किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कई लोगों से बातचीत भी की। इस मेट्रो लाइन को 4,250 करोड़ रुपए की लागत से बनाया गया है। इसमें 12 मेट्रो स्टेशन बनाए गए हैं।

***मेडिकल साइंस एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट का उद्घाटन किया***

पीएम मोदी ने कर्नाटक के चिक्कबल्लापुर में श्री मधुसूदन साईं इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च का उद्घाटन किया। इस इंस्टीट्यूट में इलाज और मेडिकल की पढ़ाई फ्री में होगी। इस दौरान पीएम मोदी ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि मैं आपका अतिथि या मेहमान नहीं हूं, मैं तो इसी धरती की संतान हूं।

**पीएम की सुरक्षा में चूक: सुरक्षा घेरा तोड़कर पास तक पहुंचा शख्स**

कर्नाटक दौरे पर गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में चूक का मामला सामने आया है। पीएम मोदी बेंगलुरु में भाजपा के विजय संकल्प यात्रा के समापन समारोह में रोड शो कर रहे थे। इस दौरान एक शख्स उनकी सुरक्षा घेरा तोड़कर पीएम की तरफ बढ़ने लगा। फिलहाल उसे हिरासत में ले लिया गया है। सुरक्षा एजेंसियां आरोपी से पूछताछ कर रही हैं। दो महीने में प्रधानमंत्री की सुरक्षा में चूक का यह दूसरा मामला है। इससे पहले कर्नाटक में ही हुबली इलाके में उनकी सुरक्षा में चूक हुई थी। पीएम वहां युवा महोत्सव का उद्घाटन करने पहुंचे थे।

## राहुल की सदस्यता रद्द होने का मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

### जन प्रतिनिधित्व कानून के जिस प्रावधान से छिनी राहुल की सांसदी, सुप्रीम कोर्ट में उसे दी गई चुनौती

**नई दिल्ली।** मानहानि केस में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की संसद सदस्यता खत्म होने के बाद रिप्रेजेंटेटिव्स ऑफ द पीपुल एक्ट, 1951 के सेक्शन 8 (3) को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। इस सेक्शन के तहत किसी जनप्रतिनिधि के किसी मामले में दोषी करार होने और कम से कम दो साल की सजा मिलने पर उसकी संसद सदस्यता अपने आप खत्म हो जाती है। इस याचिका में कहा गया है कि अपराध किस प्रकार का है और कितना गंभीर है, ये देखे बिना जनप्रतिनिधि की सदस्यता खत्म कर देना प्राकृतिक न्याय के खिलाफ है। इस जनहित याचिका को पीएचडी स्कॉलर और सोशल एक्टिविस्ट आभा मुरलीधरन ने दाखिल किया है।

***सेक्शन 8 (3) इसी एक्ट के बाकी सेक्शन से एकदम उलट है***

याचिका में कहा गया है कि

जनप्रतिनिधित्व एक्ट, 1951 का सेक्शन 8 (3) भारतीय संविधान की शक्ति के दायरे से ही बाहर है क्योंकि यह इसी एक्ट के सेक्शन 8 (1), 8ए, 9, 9ए, 10, 10अ और 11 से एकदम उलट है। याचिका के मुताबिक, सेक्शन 8 (3) किसी सांसद को अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने से रोकता है, जिन्हें पूरा करने के लिए संबंधित निर्वाचन क्षेत्र की जनता ने उन्हें चुना है। यह लोकतंत्र के सिद्धांत के खिलाफ है। याचिका में कहा गया है कि किसी सांसद की सदस्यता भंग करने के लिए इस एक्ट के सेक्शन 8(1) में अलग-अलग तरह के अपराधों को अलग-अलग कैटेगरी में रखा गया है। लेकिन, सेक्शन 8(3) सिर्फ सांसद को दोषी ठहराए जाने और सजा मिलने के आधार पर ही उसकी संसद सदस्यता को खत्म कर देता है। यह दोनों प्रावधान परस्पर विरोधी हैं और सेक्शन 8(3) यह साफ नहीं कर पाता है कि सांसद को डिस्क्वालिफाई करने के पीछे कौन सी प्रकिया निभाई गई है। याचिका में कहा गया कि इस कानून को बनाते समय विधायकी की मंशा यह थी कि उन सांसदों की सदस्यता भंग की जा सके जिन्होंने गंभीर और घृणित अपराध किए हैं और इनके लिए उन्हें सजा हुई है।

### करोड़ों परिवारों को मिली राहत

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के तहत 200/एलपीजी सिलेंडर (12 सिलिंडर तक) की सब्सिडी योजना को एक साल के लिए बढ़ा दिया। सरकार ने बताया कि इससे वित्त वर्ष 2022-23 में राजकोष पर 6,100 करोड़ और 2023-24 में 7,680 करोड़ का भार पड़ेगा। गौरतलब है कि इस फैसले से 9.59 करोड़ परिवार लाभान्वित होंगे।

प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई)के लाभार्थियों को प्रति वर्ष 12 रिफिल तक 14.2 किलोग्राम के एक सिलेंडर पर 200 रुपये की सब्सिडी को मंजूरी दे दी है। पीएमयूवाई के 1 मार्च 2023 तक 9.59 करोड़ लाभार्थी हैं। इस पर वित्त वर्ष 2022-23 के लिए कुल व्यय 6,100 करोड़ रुपये और 2023-24 के लिए 7,680 करोड़ रुपये होगा। सब्सिडी सीधे पात्र लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा की जाती है।

## कोविड और इंफ्लुएंजा पर नजर रखें राज्य

### स्वास्थ्य मंत्रालय ने वायरस की जांच बढ़ाने को लेकर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पत्र लिखा

**नई दिल्ली।** भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सचिव राजेश भूषण ने कोरोना वायरस की जांच को लेकर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पत्र लिखा है। कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच लिखी गई इस चिट्ठी में सभी राज्यों कोरोना की जांच की रफ्तार बढ़ाने और हालात पर बारीकी से नजर रखने को कहा गया है। दरअसल, पिछले 24 घंटे में 1590 लोगों में संक्रमण की पुष्टि की गई है। इस दौरान छह संक्रमितों की मौत भी हुई है। 146 दिनों में यह कोरोना के एक दिन का सबसे अधिक केस है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के मुताबिक, पिछले पांच हफ्तों में देश में संक्रमण के मामलों में नौ गुना तक बढ़ोतरी आई है। संक्रमण के बढ़ते जोखिम को देखते हुए मंत्रालय ने सभी

राज्यों को सलाह दी कि वे कोविड से मुकाबले के लिए 'चार टी' (टेस्ट-ट्रैक-ट्रीट-टीकाकरण) और कोविड उपयुक्त व्यवहार के पालन पर विशेष ध्यान दें। देश में ओमिक्रॉन के एक्सबीबी.1.16 सब-वैरिएंट को बढ़ते मामलों के लिए जिम्मेदार माना जा रहा है, इसकी संक्रामकता दर अन्य वैरिएंट्स की तुलना में अधिक है। इस नए वैरिएंट की इम्यून स्केप यानी की शरीर में बनी प्रतिरक्षा को चकमा देने की क्षमता इसे कई मामलों में चिंताकारक बनाती है। अलग-अलग राज्यों से भी संक्रमण के मामले में अचानक वृद्धि की खबरें हैं।

# मैं सावरकर नहीं गांधी हूं माफी नहीं मांगूंगा

### प्रेसवार्ता में राहुल गांधी का प्रधानमंत्री पर हमला-बोले-सावरकर नहीं गांधी हूं, और गांधी माफी नहीं मांगता: मोदी और अडाणी पर सवाल पूछता रहूंगा, 20 हजार करोड़ किसके हैं बता दो, सांसदी छीनकर डरा नहीं सकते, पत्रकार से बोले-सीने पे बीजेपी का सिंबल लगाकर आइए

**नई दिल्ली।** 'सभी चोरों का सरनेम मोदी क्यों होता है...', राहुल के इस बयान से जुड़े मानहानि केस में सूरत की कोर्ट ने गुरुवार दोपहर 12.30 बजे राहुल को 2 साल की सजा सुनाई थी। लेकिन 27 मिनट बाद जमानत दे दी। सजा के 26 घंटे बाद शुक्रवार को उनकी सदस्यता खत्म कर दी गई। 23 घंटे बाद शनिवार को राहुल, प्रियंका के साथ कांग्रेस ऑफिस पहुंचे और 28 मिनट मीडिया से बातचीत की।

हिन्दुस्तान का लोकतंत्र खतरे में है... राहुल ने इसी लाइन के साथ अपनी बात की शुरूआत की। इसके बाद उन्होंने सवाल किया- अडाणी और मोदी का रिश्ता क्या है? उन्होंने केंब्रिज यूनिवर्सिटी में लोकतंत्र पर कही अपनी बात और सभी चोरों का सरनेम मोदी

क्यों होता है... वाले बयान पर सफाई भी दी। राहुल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में 16 बार मोदी जी, 9 बार प्रधानमंत्री और 38 बार अडाणी का नाम लिया। उन्होंने आगे का प्लान भी बताया।

राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा में साढ़े चार महीने जनता के बीच रहे। ये मेरा काम है और करता जाऊंगा। आज के हिंदुस्तान में जो पहले राजनीतिक पार्टियों को सपोर्ट मिलती थी। मीडिया और बाकी संस्थानों से मिलती थी। अब नहीं मिलती है। तो विपक्षी पार्टियों के पास एक ही रास्ता है। जनता के बीच में जाने का।

राहुल ने आप मेरी भारत जोड़ो यात्रा में मेरी कोई भी स्पीच देख लीजिए। मैं वहां कह रहा हूं कि सब समाज एक है। सबको एकसाथ चलना चाहिए। भाई चारा होना चाहिए। नफरत, हिंसा नहीं होनी चाहिए। ये ओबीसी का मामला नहीं है, ये नरेंद्र मोदीजी और अडाणीजी के रिश्ते का मामला है। 20 हजार करोड़ रुपए, जो अडाणीजी को पता नहीं कहां से मिले। उसके बारे में मैं सवाल पूछ रहा हूं। उसका जवाब चाहिए। भाजपा ध्यान को भटकाने की कोशिश करती है। कभी ओबीसी की बात करेगी, कभी विदेश में दिए बयान की बात करेगी। चाहे स्टेट हो कुछ भी हो। मैं सच्चाई को देखता हूं। मुझे और किसी चीज में रुचि नहीं है। मैं सच्चाई बोलता हूं।

राजनीति में यह फैशनेबल बात नहीं है। मगर ये बात मेरे खून में है। मैं और कोई रास्ता निकाल ही नहीं सकता हूं। तो ये मेरा काम है। यही मेरी तपस्या है। जीवन की तपस्या है। इसे मैं करता जाऊंगा। चाहे मुझे डिस्क्वालिफाई करें। मारें-पीटें। चाहे जेल में डालें। मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। इस देश ने मुझे सबकुछ दिया है।

राहुल ने कहा मैं सब विपक्षी दलों का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने इस मामले में हमारा सपोर्ट किया। हम सब मिलकर काम करेंगे। वहीं राहुल ने पत्रकारों से कहा आप डिस्ट्रैक्ट करने की कोशिश मत कीजिए। 20 हजार करोड़ रुपए अडाणी जी की शैल कंपनियों में कहां से आए। आप जांच कीजिए, अगर बात निकली कि ये हमारे सीएम का पैसा है तो उन्हें जेल में डाल दीजिए। अगर बात निकली कि किसी और का पैसा है तो उसको जेल में डालिए। ये मोदी जी पैनिक में आ गए कि बात निकल जाएगी कि ये 20 हजार करोड़ रुपए किसके हैं। वो डर गए, घबरा गए। ये पूरा सीक्वेंस इन्होंने शुरू कर दिया। हमने अडाणी जी की कंपनी में 20 हजार करोड़ रुपए आते हुए देखे हैं। कोई नहीं जानता कि वो पैसा किसका है। वो अडाणी जी का पैसा नहीं हो सकता। वो ऐसा पैसा जेनरेट नहीं करते। वो पैसा किसी से तो आया है। ये ओबीसी, डिस्क्वालिफिकेशन, एंटी नेशनल ये सब पीएम की घबराहट से ध्यान हटाने के लिए है। हम मोदी जी के साथ अडाणी जी के रिश्ते को एक्सपोज करके रहेंगे।

भैया देखिए, पहला आपने पहली कोशिश वहां से की, दूसरी कोशिश यहां से की और तीसरी कोशिश यहां से की। आप इतना डायरेक्टली भाजपा के लिए क्यों काम कर रहे हो। कभी विवेक से काम करो यार। थोड़ा घुमाके पूछो। आपको ऑर्डर दिया है क्या? अगर आप भाजपा के लिए काम करना चाहते हैं तो सीने पर भाजपा का सिंबल लगाकर आइए। एक पत्रकार होने की एक्टिंग मत करिए। हवा निकल गई।

## सरकारी कर्मचारियों को तोहफा

### कर्मचारियों के महंगाई भत्ते और पेंशनरों के लिए महंगाई राहत की दरों में वृद्धि, 38 से 42 फीसदी हुई दर

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने अपने कर्मचारियों के महंगाई भत्ते और पेंशनरों के लिए महंगाई राहत की दरों में वृद्धि कर दी है। पहले यह भत्ता 38 फीसदी के हिसाब से मिलता था, अब इसे 42 फीसदी कर दिया गया है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा, डीए बढ़ोतरी पर सरकार के 12815 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इस घोषणा के बाद केंद्रीय कर्मियों का वेतन बढ़ जाएगा। ऐसे में अगर किसी कर्मचारी का वेतन 18 हजार रुपये है और डीए में चार फीसदी की वृद्धि हुई है तो 42 फीसदी महंगाई भत्ते के हिसाब से उसके वेतन में प्रति माह लगभग 720 रुपये बढ़ जाएंगे। एक लाख रुपये मूल वेतन पाने वाले कर्मियों को हर माह 4000 रुपये से ज्यादा का फायदा होगा। केंद्र सरकार के कर्मियों और पेंशनरों को गत वर्ष दीवाली से पहले महंगाई भत्ता एवं

महंगाई राहत का तोहफा मिला था। तब भी केंद्रीय कर्मियों के महंगाई भत्ते में चार फीसदी की बढ़ोतरी की गई थी। महंगाई राहत में भी इतनी ही वृद्धि हुई थी। वह भत्ता पहली जुलाई 2022 से प्रदान किया गया था। पहले इस महंगाई भत्ते एवं महंगाई राहत में हर वर्ष पहली जनवरी और पहली जुलाई से बढ़ोतरी होती थी। पिछले कुछ वर्षों से इस ट्रेंड में बदलाव देखा गया है। अब इन भत्तों को जारी करने की तिथि में दो-तीन माह की देरी हो रही है। गत वर्ष जुलाई से डीए में जो बढ़ोतरी होनी थी, वह सितंबर के अंत में हुई थी। ***एजेंसी***

# कार्यालय ग्राम पंचायत परवा उपरहार, वि0खं0 उरूवा-प्रयागराज

## निविदा सूचना

कार्यालय ग्राम पंचायत **परवा उपरहार** वि0खं0 उरूवा प्रयागराज के स्वच्छ भारत मिशन फेज-2 के अन्तर्गत ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन योजना के अन्तर्गत ई-रिक्शा क्रय, प्लास्टिक बैंक, क्रय आर.आर.सी. सेन्टर निर्माण हेतु आवश्यक सामग्री तथा सीमेंट, मोरंग, बालू, सरिया, ईंट, गिट्टी बालू आदि कार्य एस.बी.एम. फेज-2 के वित्त की धनराशि से कार्य प्रस्तावित है, निविदा दिनांक 29-3-2023 तक किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय पंचायत भवन **परवा उपरहार** में जमा की जा सकती है। व दिनांक 30-3-2023 को अपराह्न 2 बजे अधोहस्ताक्षरी के पंचायत भवन **परवा उपरहार** में समिति के समक्ष खोली जायेगी।

| क्र. सं0 | कार्य का नाम | नग | सामाग्री अनुमानित लाग | निविदा का मूल्य | धरोहर धनराशि | कार्य की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | व्यक्तिगत खाद गड्ढा (कम्पोस्ट पिट) | 10 | 11000 | 500 | 2% | 3 |
| 2. | व्यक्तिगत नाडेफ (कम्पोस्ट पिट) | - | - | 500 | 2% | 3 |
| 3. | व्यक्तिगत वर्मी कम्पोस्ट पिट | - | - | 500 | 2% | 3 |
| 4. | सामुदायिक एवं संस्थागत खाद गड्ढा/कम्पोस्ट पिट | 3 | 6675 | 500 | 2% | 3 |
| 5. | सामुदायिक नाडेफ (कम्पोस्ट पिट) | 1 | 25000 | 500 | 2% | 3 |
| 6. | सामुदायिक वर्मी कम्पोस्ट पिट | 2 | 58600.00 | 500 | 2% | 3 |
| 7. | सामुदायिक एवं संस्थागत कचरा पात्र | 5 | 45000 | 500 | 2% | 3 |
| 8. | सामुदायिक एवं संस्थागत प्लास्टिक बैंक | 4 | 48000 | 500 | 2% | 3 |
| 9. | कचरा वाहन (साइकिल रिक्शा/ई-रिक्शा) | 1 | 170000 | 500 | 2% | 3 |
| 10. | स्वच्छता किट | 2 | 6000 | 500 | 2% | 3 |
| 11. | एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र | 1 | 550000 | 500 | 2% | 3 |
| 12. | सामुदायिक एवं संस्थागत इन्सीनेटर | 2 | 31200 | 500 | 2% | 3 |
| 13. | व्यक्तिगत सोकपिट | 1 | 4050 | 500 | 2% | 3 |
| 14. | सामुदायिक एवं संस्थागत हेतु शोकपिट | 2 | 29900 | 500 | 2% | 3 |
| 15. | शिल्ट केचर नालियों पर | 6 | 36000 | 500 | 2% | 3 |
| 16. | फिल्टर चेम्बर, तालाबों/जलाशयों पर निर्माण | - | - | 500 | 2% | 3 |
| 17. | तालाबों का सौन्दर्यीकरण | - | - | 500 | 2% | 3 |
| 18. | यूट टाईप नाली निर्माण मरम्मत | 150 | 210,000 | 500 | 2% | 3 |
| 19. | भूमिगत नाली निर्माण/मरम्मत कार्य | - | - | 500 | 2% | 3 |
| 20. | हैण्डपम्प प्लेटफार्म रेट्रो फिटिंग मरम्मत/निर्माण कार्य | 19 | 95000 | 500 | 2% | 3 |
| 21. | हैण्डपम्प पर शोक पिट | 16 | 239200 | 500 | 2% | 3 |
| 22. | स्ट्राम वाटर प्रबंधन | - | - | 500 | 2% | 3 |
| 23. | व्यक्तिगत शोक पिट | - | - | 500 | 2% | 3 |
| 24. | सेप्टिक टैंकों की सफाई व............ | - | - | 500 | 2% | 3 |

**नियम व अन्य शर्तें**-01- उक्त कार्य कराये जाने हेतु अनुभवी संस्था के चयन हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जा रही है। 2. निविदा कार्यालय ग्राम पंचायत से प्राप्त की जा सकती है। 3. निविदादाताओं की जी.एस.टी. पैन कार्ड का रजिस्ट्रेशन की प्रमाणित छायाप्रति संलग्न कर देना होगा। 4. निविदा की स्वीकृति/अस्वीकृति करने का अधिकार गठित समिति का होगा। 5. सामग्री घट बढ़ सकती है। प्राक्कलन के अनुसार व भुगतान वास्तविक एम.वी. के अनुसार ही होगा। 6. दो प्रतिशत धरोहर धनराशि नगद/एफ.डी.आर. के रूप में बंधक होगी व सिक्योरिटी धनराशि भी।

**हेमेन्द्र मिश्रा**
**ग्राम प्रधान-परवा उपरहार**
**वि.खं. उरूवा, प्रयागराज**

**राकेश सिंह**
**ग्राम पंचायत अधिकारी**
**वि.खं. उरूवा, प्रयागराज**

पत्रांक-मेमो/स्वच्छ भारत मिशन/फेज-2/2022-23 दिनांक-25/03/2023

# कार्यालय ग्राम पंचायत मदरामुकुंदपुर, वि0खं0 उरूवा-प्रयागराज

## निविदा सूचना

कार्यालय ग्राम पंचायत **मदरामुकुंदपुर** वि0खं0 उरूवा प्रयागराज के स्वच्छ भारत मिशन फेज-2 के अन्तर्गत ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन योजना के अन्तर्गत ई-रिक्शा क्रय, प्लास्टिक बैंक, क्रय आर.आर.सी. सेन्टर निर्माण हेतु आवश्यक सामग्री तथा सीमेंट, मोरंग, बालू, सरिया, ईंट, गिट्टी बालू आदि कार्य एस.बी.एम. फेज-2 के वित्त की धनराशि से कार्य प्रस्तावित है, निविदा दिनांक 29-3-2023 तक किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय पंचायत भवन **मदरामुकुंदपुर** में जमा की जा सकती है। व दिनांक 30-3-2023 को अपराह्न 2 बजे अधोहस्ताक्षरी के पंचायत भवन **मदरामुकुंदपुर** में समिति के समक्ष खोली जायेगी।

| क्र. सं0 | कार्य का नाम | नग | सामाग्री अनुमानित लाग | निविदा का मूल्य | धरोहर धनराशि | कार्य की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | व्यक्तिगत खाद गड्ढा (कम्पोस्ट पिट) | 30 | 33000 | 500 | 2% | 3 |
| 2. | व्यक्तिगत नाडेफ (कम्पोस्ट पिट) | 18 | 95400 | 500 | 2% | 3 |
| 3. | व्यक्तिगत वर्मी कम्पोस्ट पिट | - | - | 500 | 2% | 3 |
| 4. | सामुदायिक एवं संस्थागत खाद गड्ढा/कम्पोस्ट पिट | 5 | 11125 | 500 | 2% | 3 |
| 5. | सामुदायिक नाडेफ (कम्पोस्ट पिट) | 5 | 125000 | 500 | 2% | 3 |
| 6. | सामुदायिक वर्मी कम्पोस्ट पिट | 5 | 146500 | 500 | 2% | 3 |
| 7. | सामुदायिक एवं संस्थागत कचरा पात्र | 10 | 9000 | 500 | 2% | 3 |
| 8. | सामुदायिक एवं संस्थागत प्लास्टिक बैंक | 6 | 72000 | 500 | 2% | 3 |
| 9. | कचरा वाहन (साइकिल रिक्शा/ई-रिक्शा) | 1 | 170000 | 500 | 2% | 3 |
| 10. | स्वच्छता किट | 6 | 18090 | 500 | 2% | 3 |
| 11. | एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र | 1 | 800000 | 500 | 2% | 3 |
| 12. | सामुदायिक एवं संस्थागत इन्सीनेटर | 3 | 45000 | 500 | 2% | 3 |
| 13. | व्यक्तिगत सोकपिट | 15 | 94125 | 500 | 2% | 3 |
| 14. | सामुदायिक एवं संस्थागत हेतु शोकपिट | 6 | 135900 | 500 | 2% | 3 |
| 15. | शिल्ट केचर नालियों पर | 42 | 252000 | 500 | 2% | 3 |
| 16. | फिल्टर चेम्बर, तालाबों/जलाशयों पर निर्माण | 03 | 75000 | 500 | 2% | 3 |
| 17. | तालाबों का सौन्दर्यीकरण | 2 | 100,000 | 500 | 2% | 3 |
| 18. | यूट टाईप नाली निर्माण मरम्मत | 1100मी0 | 165,0000 | 500 | 2% | 3 |
| 19. | भूमिगत नाली निर्माण/मरम्मत कार्य | - | - | 500 | 2% | 3 |
| 20. | हैण्डपम्प प्लेटफार्म रेट्रो फिटिंग मरम्मत/निर्माण कार्य | 91 | 546000 | 500 | 2% | 3 |
| 21. | हैण्डपम्प पर शोक पिट | 83 | 1240850 | 500 | 2% | 3 |
| 22. | स्ट्राम वाटर प्रबंधन | 3 | 390000 | 500 | 2% | 3 |
| 23. | व्यक्तिगत शोक पिट | 10 | 50,000 | 500 | 2% | 3 |
| 24. | सेप्टिक टैंकों की सफाई व............ | 8 | 40,000 | 500 | 2% | 3 |

**नियम व अन्य शर्तें**-01- उक्त कार्य कराये जाने हेतु अनुभवी संस्था के चयन हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जा रही है। 2. निविदा कार्यालय ग्राम पंचायत से प्राप्त की जा सकती है। 3. निविदादाताओं की जी.एस.टी. पैन कार्ड का रजिस्ट्रेशन की प्रमाणित छायाप्रति संलग्न कर देना होगा। 4. निविदा की स्वीकृति/अस्वीकृति करने का अधिकार गठित समिति का होगा। 5. सामग्री घट बढ़ सकती है। प्राक्कलन के अनुसार व भुगतान वास्तविक एम.वी. के अनुसार ही होगा। 6. दो प्रतिशत धरोहर धनराशि नगद/एफ.डी.आर. के रूप में बंधक होगी व सिक्योरिटी धनराशि भी।

**राम सागर**
**ग्राम प्रधान-मदरामुकुंदपुर**
**वि.खं. उरूवा, प्रयागराज**

**राकेश सिंह**
**ग्राम पंचायत अधिकारी**
**वि.खं. उरूवा, प्रयागराज**

पत्रांक-मेमो/स्वच्छ भारत मिशन/फेज-2/2022-23 दिनांक-25/03/2023

# कार्यालय ग्राम पंचायत भंभौरा, वि0खं0 उरूवा-प्रयागराज

## निविदा सूचना

कार्यालय ग्राम पंचायत **भंभौरा** वि0खं0 उरूवा प्रयागराज के स्वच्छ भारत मिशन फेज-2 के अन्तर्गत ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन योजना के अन्तर्गत ई-रिक्शा क्रय, प्लास्टिक बैंक, क्रय आर.आर.सी. सेन्टर निर्माण हेतु आवश्यक सामग्री तथा सीमेंट, मोरंग, बालू, सरिया, ईंट, गिट्टी बालू आदि कार्य एस.बी.एम. फेज-2 के वित्त की धनराशि से कार्य प्रस्तावित है, निविदा दिनांक 29-3-2023 तक किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय पंचायत भवन **भंभौरा** में जमा की जा सकती है। व दिनांक 30-3-2023 को अपराह्न 2 बजे अधोहस्ताक्षरी के पंचायत भवन **भंभौरा** में समिति के समक्ष खोली जायेगी।

| क्र. सं0 | कार्य का नाम | नग | सामाग्री अनुमानित लाग | निविदा का मूल्य | धरोहर धनराशि | कार्य की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | व्यक्तिगत खाद गड्ढा (कम्पोस्ट पिट) | 5- | 5000 | 500 | 2% | 3 |
| 2. | व्यक्तिगत नाडेफ (कम्पोस्ट पिट) | 2 | 10600 | 500 | 2% | 3 |
| 3. | व्यक्तिगत वर्मी कम्पोस्ट पिट | - | - | 500 | 2% | 3 |
| 4. | सामुदायिक एवं संस्थागत खाद गड्ढा/कम्पोस्ट पिट | 3 | 6675 | 500 | 2% | 3 |
| 5. | सामुदायिक नाडेफ (कम्पोस्ट पिट) | 2 | 48000 | 500 | 2% | 3 |
| 6. | सामुदायिक वर्मी कम्पोस्ट पिट | 1 | 29300 | 500 | 2% | 3 |
| 7. | सामुदायिक एवं संस्थागत कचरा पात्र | 4 | 32000 | 500 | 2% | 3 |
| 8. | सामुदायिक एवं संस्थागत प्लास्टिक बैंक | 2 | 24000 | 500 | 2% | 3 |
| 9. | कचरा वाहन (साइकिल रिक्शा/ई-रिक्शा) | 1 | 170,000 | 500 | 2% | 3 |
| 10. | स्वच्छता किट | 2 | 5600 | 500 | 2% | 3 |
| 11. | एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र | 1 | 550000 | 500 | 2% | 3 |
| 12. | सामुदायिक एवं संस्थागत इन्सीनेटर | 1 | 15000 | 500 | 2% | 3 |
| 13. | व्यक्तिगत सोकपिट | - | - | 500 | 2% | 3 |
| 14. | सामुदायिक एवं संस्थागत हेतु शोकपिट | - | - | 500 | 2% | 3 |
| 15. | शिल्ट केचर नालियों पर | 7 | 42000 | 500 | 2% | 3 |
| 16. | फिल्टर चेम्बर, तालाबों/जलाशयों पर निर्माण | - | - | 500 | 2% | 3 |
| 17. | तालाबों का सौन्दर्यीकरण | - | - | 500 | 2% | 3 |
| 18. | यूट टाईप नाली निर्माण मरम्मत | 200 | 280000 | 500 | 2% | 3 |
| 19. | भूमिगत नाली निर्माण/मरम्मत कार्य | - | - | 500 | 2% | 3 |
| 20. | हैण्डपम्प प्लेटफार्म रेट्रो फिटिंग मरम्मत/निर्माण कार्य | 20 | 10,000 | 500 | 2% | 3 |
| 21. | हैण्डपम्प पर शोक पिट | 15 | 224250 | 500 | 2% | 3 |
| 22. | ................................... | - | - | 500 | 2% | 3 |
| 23. | व्यक्तिगत शोक पिट | - | - | 500 | 2% | 3 |
| 24. | सेप्टिक टैंकों की सफाई व............ | - | - | 500 | 2% | 3 |

**नियम व अन्य शर्तें**-01- उक्त कार्य कराये जाने हेतु अनुभवी संस्था के चयन हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जा रही है। 2. निविदा कार्यालय ग्राम पंचायत से प्राप्त की जा सकती है। 3. निविदादाताओं की जी.एस.टी. पैन कार्ड का रजिस्ट्रेशन की प्रमाणित छायाप्रति संलग्न कर देना होगा। 4. निविदा की स्वीकृति/अस्वीकृति करने का अधिकार गठित समिति का होगा। 5. सामग्री घट बढ़ सकती है। प्राक्कलन के अनुसार व भुगतान वास्तविक एम.वी. के अनुसार ही होगा। 6. दो प्रतिशत धरोहर धनराशि नगद/एफ.डी.आर. के रूप में बंधक होगी व सिक्योरिटी धनराशि भी।

**नीता मिश्रा**
**ग्राम प्रधान-भंभौरा**
**वि.खं. उरूवा, प्रयागराज**

**राकेश सिंह**
**ग्राम पंचायत अधिकारी**
**वि.खं. उरूवा, प्रयागराज**

पत्रांक-मेमो/स्वच्छ भारत मिशन/फेज-2/2022-23 दिनांक-25/03/2023

# कार्यालय ग्राम पंचायत कंजौली, वि0खं0 उरूवा-प्रयागराज

## निविदा सूचना

कार्यालय ग्राम पंचायत **कंजौली** वि0खं0 उरूवा प्रयागराज के स्वच्छ भारत मिशन फेज-2 के अन्तर्गत ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन योजना के अन्तर्गत ई-रिक्शा क्रय, प्लास्टिक बैंक, क्रय आर.आर.सी. सेन्टर निर्माण हेतु आवश्यक सामग्री तथा सीमेंट, मोरंग, बालू, सरिया, ईंट, गिट्टी बालू आदि कार्य एस.बी.एम. फेज-2 के वित्त की धनराशि से कार्य प्रस्तावित है, निविदा दिनांक 29-3-2023 तक किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय पंचायत भवन **कंजौली** में जमा की जा सकती है। व दिनांक 30-3-2023 को अपराह्न 2 बजे अधोहस्ताक्षरी के पंचायत भवन **कंजौली** में समिति के समक्ष खोली जायेगी।

| क्र. सं0 | कार्य का नाम | नग | सामाग्री अनुमानित लाग | निविदा का मूल्य | धरोहर धनराशि | कार्य की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | व्यक्तिगत खाद गड्ढा (कम्पोस्ट पिट) | 10 | 110,000 | 500 | 2% | 3 |
| 2. | व्यक्तिगत नाडेफ (कम्पोस्ट पिट) | - | - | 500 | 2% | 3 |
| 3. | व्यक्तिगत वर्मी कम्पोस्ट पिट | - | - | 500 | 2% | 3 |
| 4. | सामुदायिक एवं संस्थागत खाद गड्ढा/कम्पोस्ट पिट | 3 | 6675 | 500 | 2% | 3 |
| 5. | सामुदायिक नाडेफ (कम्पोस्ट पिट) | 1 | 20,000 | 500 | 2% | 3 |
| 6. | सामुदायिक वर्मी कम्पोस्ट पिट | 1 | 29300 | 500 | 2% | 3 |
| 7. | सामुदायिक एवं संस्थागत कचरा पात्र | 5 | 30,000 | 500 | 2% | 3 |
| 8. | सामुदायिक एवं संस्थागत प्लास्टिक बैंक | 3 | 37200 | 500 | 2% | 3 |
| 9. | कचरा वाहन (साइकिल रिक्शा/ई-रिक्शा) | 1 | 170,000 | 500 | 2% | 3 |
| 10. | स्वच्छता किट | 1 | 3000 | 500 | 2% | 3 |
| 11. | एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र | 1 | 550000 | 500 | 2% | 3 |
| 12. | सामुदायिक एवं संस्थागत इन्सीनेटर | 1 | 16000 | 500 | 2% | 3 |
| 13. | व्यक्तिगत सोकपिट | 1 | 4050 | 500 | 2% | 3 |
| 14. | सामुदायिक एवं संस्थागत हेतु शोकपिट | 2 | 29200 | 500 | 2% | 3 |
| 15. | शिल्ट केचर नालियों पर | 2 | 12000 | 500 | 2% | 3 |
| 16. | फिल्टर चेम्बर, तालाबों/जलाशयों पर निर्माण | - | - | 500 | 2% | 3 |
| 17. | तालाबों का सौन्दर्यीकरण | - | - | 500 | 2% | 3 |
| 18. | यूट टाईप नाली निर्माण मरम्मत | 150मी0 | 210000 | 500 | 2% | 3 |
| 19. | भूमिगत नाली निर्माण/मरम्मत कार्य | - | - | 500 | 2% | 3 |
| 20. | हैण्डपम्प प्लेटफार्म रेट्रो फिटिंग मरम्मत/निर्माण कार्य | 20 | 108000 | 500 | 2% | 3 |
| 21. | हैण्डपम्प पर शोक पिट | 16 | 239200 | 500 | 2% | 3 |
| 22. | ................................... | - | - | 500 | 2% | 3 |
| 23. | व्यक्तिगत शोक पिट | - | - | 500 | 2% | 3 |
| 24. | सेप्टिक टैंकों की सफाई व............ | - | - | 500 | 2% | 3 |

**नियम व अन्य शर्तें**-01- उक्त कार्य कराये जाने हेतु अनुभवी संस्था के चयन हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जा रही है। 2. निविदा कार्यालय ग्राम पंचायत से प्राप्त की जा सकती है। 3. निविदादाताओं की जी.एस.टी. पैन कार्ड का रजिस्ट्रेशन की प्रमाणित छायाप्रति संलग्न कर देना होगा। 4. निविदा की स्वीकृति/अस्वीकृति करने का अधिकार गठित समिति का होगा। 5. सामग्री घट बढ़ सकती है। प्राक्कलन के अनुसार व भुगतान वास्तविक एम.वी. के अनुसार ही होगा। 6. दो प्रतिशत धरोहर धनराशि नगद/एफ.डी.आर. के रूप में बंधक होगी व सिक्योरिटी धनराशि भी।

**शान्ति देवी**
**ग्राम प्रधान-कंजौली**
**वि.खं. उरूवा, प्रयागराज**

**राकेश सिंह**
**ग्राम पंचायत अधिकारी**
**वि.खं. उरूवा, प्रयागराज**

पत्रांक-मेमो/स्वच्छ भारत मिशन/फेज-2/2022-23 दिनांक-25/03/2023

# प्रयागराज

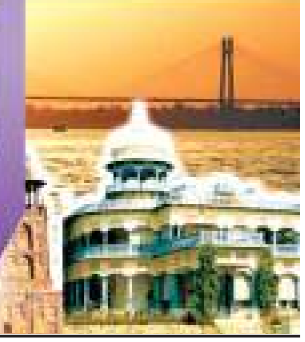

### मौसम

| | |
|---|---|
| अधिकतम : | 33.00 |
| न्यूनतम : | 20.00 |
| सूर्योदय : | 06.03 |
| सूर्यास्त : | 06.15 |

## मऊ आइमा में विश्वकर्मा आर्मी के तत्वावधान में किया गमा होली मिलन समारोह

**मऊ आइमा।** विश्वकर्मा समाज द्वारा आर्मी के तत्वावधान में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद थे। मऊ आइमा के सुल्तान खास गांव स्थित छपाही बाग वृंदावन गेस्ट हाउस में अखिल भारतीय विश्वकर्मा महासभा द्वारा संचालित विश्वकर्मा आर्मी के बैनर तले होली मिलन समारोह का आयोजन राष्ट्रीय अध्यक्ष चंदन विश्वकर्मा व प्रदेश अध्यक्ष सौरभ विश्वकर्मा के निर्देश व जितेंद्र विश्वकर्मा के नेतृत्व मे आयोजन किया गया। बताया कि एक साथ रहने से ही समाज का विकास होगा और उनकी समस्याओं का निस्तारण होगा। इस मौके पर लाल जी विश्वकर्मा, मनीष विश्वकर्मा, अशोक विश्वकर्मा, ऋषि प्रजापति, हर्ष मिश्रा, अभिषेक विश्वकर्मा, अखिलेश विश्वकर्मा अनिल विश्वकर्मा, अशोक विश्वकर्मा, जय शिव विश्वकर्मा, संतोष विश्वकर्मा अरुण विश्वकर्मा आदि बडी संख्या में समाज के लोग मौजूद थे।

# सड़क पार कर रहे अधेड़ को अज्ञात वाहन ने कुचला, मौत

**नवाबगंज।** सड़क पार करते समय एक अधेड़ को अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दिया। गंभीर रुप से घायल को सीएचसी ले जाया गया जहां पर चिकित्सकों द्वारा मृत्यु घोषित कर दिया गया। घटना की खबर जब गांव पहुंची तो परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल रहा । वही सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

नवाबगंज इलाके के मलाक बलऊ मजरा शिव लाल का पूरा गांव निवासी मुंशी पटेल 55 वर्ष पुत्र स्वर्गीय दयाराम शनिवार सायंकाल अपने घर लौट रहा था बताया जाता है कि जैसे ही वह हाईवे मार्ग को पार कर रहा था। अज्ञात वाहन तेज गति से जोरदार टक्कर मारते हुए निकल गया। वाहन की टक्कर सेवा गंभीर उसे जख्मी हो गया। आनन-फानन उपचार के लिए सीएचसी कौड़िहार ले जाया गया। जहां चिकित्सकों द्वारा मृत्यु घोषित कर दिया गया। उधर मौत की खबर जब गांव पहुंची तो परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर नवाबगंज की पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेते हुए अंत परीक्षण के लिए चीर घर भेज दिया है।

घटना के बाद सीएचसी कौड़िहार में पहुंचे ग्रामीण व पुलिस

# निरंकारी सद्गुरू माता सुदीक्षा जी महाराज ने दिया मानवता के नाम संदेश

**प्रयागराज।** संसार में इंसानियत और रूहानियत के संगम की नितान्त आवश्यकता है जब आत्मा, परमात्मा को जानकर अर्थात रूहान से जुड़कर रूहानी हो जाती है तो इंसानियत भी स्वाभाविक रूप से जीवन में आ जाती है। उक्त उद्गार सद्गुरू माता सुदीक्षा जी महाराज ने परेड ग्राउण्ड, प्रयागराज में आयोजित 44वें प्रादेशिक निरंकारी संत समागम के प्रथम दिन लाखों की संख्या में उपस्थित श्रद्धालु-भक्तों के मध्य मानवता के नाम संदेश देते हुये व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि युगों-युगों से भक्तों ने यही संदेश दिया है कि इंसानी तन में ही यह आत्मा अपने मूल स्वरूप को जान सकती है जिससे कि यह जन्मों-जन्मों से बिछड़ी हुई है।

उन्होंने फरमाया कि संतों ने हमेशा आध्यात्मिकता को ही प्राथमिकता दी है। हमें अपनी भौतिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुये ही अपने सारे कर्तव्यों को निभाना है क्योंकि भक्ति गृहस्थ जीवन में ही की जा सकती है। अपने सांसारिक दायित्वों को पूरा करते हुये हर पल की भक्ति करनी है। भक्तों ने हमेशा यही सिखाया है कि हमें अपने आचरण में प्रेम, नम्रता, विशालता आदि दिव्य गुणों को समाहित करना है और अहंकार को स्वयं से दूर रखना है। जीवन जीने का सार भक्ति है और भक्ति से जीवन जीना बहुत ही सहज हो जाता है।

निरंकारी मिशन का यही संदेश है कि जब परमात्मा से एकत्व हो जाता है तो सारे संसार में भिन्नता होने पर भी सभी से एकत्व हो जाता है। परमात्मा एक ही है ऐसा जान लिया तो इसकी बनाई रचना से स्वतः ही प्रेम हो जाता है और सभी के अंदर परमात्मा के दर्शन होने लगते है। इस प्रकार का जीवन जो व्यक्ति जीता है उसका जीवन श्रेष्ठ जीवन होता है और दूसरों के लिये भी प्रेरणा का स्रोत बन जाता है। निरंकारी संत समागम के द्वितीय दिन का शुभारम्भ समागम स्थल पर सद्गुरू माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता जी के स्वागत द्वारा हुआ। उनके आगमन पर समागम समिति के सदस्यों द्वारा फूलों का गुलदस्ता भेंट किया गया। फूलों से सजी हुई पालकी में विराजमान दिव्य जोड़ी की मुख्य मंच तक अगुवाई की गई। पालकी के दोनों ओर श्रद्धालु भक्तों ने भावविभोर होकर जयघोष करके अपने सद्गुरू का अभिनंदन किया।

सेवादल रैली में सम्मिलित हुये स्वयं सेवकों को पावन आशीर्वाद देते हुये सद्गुरू माता जी ने फरमाया कि निःस्वार्थ भाव से की गई सेवा ही वास्तविक सेवा कहलाती है। सेवा का कोई दायरा नहीं होता है। सेवादार जहां अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियां निभाते हैं वहीं मानव सेवा के प्रत्येक अवसर पर सदैव तत्पर रहते हैं।

संबोधित करतीं निरंकारी सद्गुरू माता सुदीक्षा जी महाराज व उपस्थित भक्तों की भारी भीड़

वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकगण व बच्चे

## प्राथमिक विद्यालय चिल्ला में वार्षिकोत्सव कार्यक्रम संपन्न

**लालापुर।** क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय चिल्ला गांव में शनिवार को वार्षिकोत्सव के साथ कक्षा 5 के बच्चों की विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत सदस्य बृजेश यादव द्वारा की गई। वही विशिष्ट अतिथि के रूप में गांव के सरकारी सस्ते गल्ले के दुकानदार 'कोटेदार'सरस्वती प्रसाद मिश्रा उपस्थित रहे।साथ ही पूर्व नामित प्रधान राकेश कुमार पटेल की गरिमामयी उपस्थिति बनी रही। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के माल्यार्पण पूजन द्वारा किया गया। तत्पश्चात विद्यालय की इंचार्ज प्रधानाध्यापिका पूनम तिवारी ने आगंतुक अतिथियों का स्वागत अभिनंदन किया। बच्चों द्वारा मनमोहक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। विद्यालय की वरिष्ठ अध्यापिका नीरू सिंह ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना तथा शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षा एक सतत प्रक्रिया है। ततपश्चात विद्यालय के होनहार, अनुशासित,निपुण लक्ष्य प्राप्त बच्चों को वर्ष भर के प्रदर्शन के आधार पर पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का कुशल संचालन बबीता वर्मा द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में एस एम सी अध्यक्ष कविता, विद्यालय के समस्त स्टॉफ सुनीता, शिव कुमारी, जगमोहन यादव,पवित्र कुमार के साथ साथ अभिवावक उपस्थित रहे ।

# हनुमान सम नहिं बड़भागी। नहिं कोउ राम चरन अनुरागी॥

**कथा का समापन**

**कथा के अंतिम दिन श्रीराम हनुमान मिलन और सुग्रीव मित्रता की कथा को सुन भाव विभोर हुए श्रोता**

**कथा के अंतिम दीन उमड़ी भक्तों भीड़**

**मेजा।** दिव्यांगोत्थान श्रीराम सेवा न्यास प्रयागराज के तत्वावधान में मेजा के जेवनिया में पांच दिवसीय राम कथा के अंतिम दिन कथा व्यास डॉक्टर अशोक हरिवंश भैया जी ने श्रीराम भक्ति के बारे में विस्तार से बताया। कथा सुन श्रोता भाव विभोर हुए। कथा व्यास ने शबरी को नवधा भक्ति के आगे से संगीत मय कथा की शुरूआत की। भैया जी ने कहा कि श्रीराम ने शबरी को नौ भक्ति के बारे में बताया तो शबरी ने कहा प्रभु मेरे पास कौन सी भक्ति है और कौन भक्ति दे रहे है। प्रभु राम ने कहा कि मेरा और आपका मां बेटे का संबंध है। बेटा कभी मां को भक्ति दे सकता है। मां तुम्हारे पास नौ भक्ति पहले से है। भैया जी ने कहा कि केवल शबरी जी ऐसी भक्त है,जिसने राम की भक्ति न मांगी और न ही प्रभु ने दिया,लेकिन अन्य को भक्ति मांगनी पड़ी। अहिल्या को भक्ति मांगनी पड़ी। जटायु को चार प्रकार की भक्ति दी। विभीषण को भक्ति मांगनी पड़ी। वशिष्ठ को भी मांगना पड़ा।शंकर भगवान को मांगना पड़ा। हनुमान जी को श्री राम से भक्ति मांगनी पड़ी। श्रीराम ने अंत में नवधा भक्ति शबरी से सीता का पता बताने को कहा।शबरी ने श्री राम को पंपापुर जाने को कहा। यहां तक कहा कि वहां सुग्रीव से मित्रता कर आगे का रास्ता साफ हो जाएगा। भैया जी ने श्रीराम - सुग्रीव मित्रता की कथा को विस्तार से श्रवण कराया।हनुमान को भरत से भी अधिक उपमा दी और कहा कि हनुमान मैं तुम्हारा ऋणी हूं।प्रभु द्वारा कुछ मांगने के लिए कहा तो राम भक्त हनुमान ने कहा कि अपने चरणों की भक्ति देने की बात कही।कथा में उत्तर प्रदेश किन्नर वेलफेयर एसोसिएशन की सदस्य महामंडेश्वर किन्नर अखाड़ा पूज्य श्री कौशल्या नंद गिरी (टीना मां) ने भी श्री राम कथा में भाग लिया।कथा में राधा कृष्ण की झांकी के माध्यम से भक्तों को सराबोर कर दिया । कथा शुरू होने के पूर्व कार्यक्रम के आयोजक अधिवक्ता अभिषेक तिवारी टिंकू पत्नी पूर्व प्रधान रुचि तिवारी ने मंडली समेत कथा व्यास का माल्यार्पण कर स्वागत किया। कथा समापन के बाद प्रसाद वितरण कार्यक्रम में आयोजक मंडल के अभिषेक तिवारी, राजू पाण्डेय, गौरव पाण्डेय, विकास तिवारी, पुष्कर तिवारी ने प्रसाद वितरण किया । इस मौके पर पगलानन्द आश्रम के महंत समर्थ गुरु रामदास जी, टीना माँ के मीडिया प्रभारी योगी सत्यम जी महाराज, महंत श्री संजना नंद गिरी, श्री दुर्गा नंद गिरी, पूर्व ब्लाक प्रमुख मुन्नन शुक्ल, दयाशंकर शुक्ल, दिनकर मिश्र, अजीत सिंह, कमला शंकर उपाध्याय, लवकुश द्विवेदी, बालकृष्ण तिवारी, ओमप्रकाश दुबे, राहुल तिवारी, रिंकू ओझा, प्रदीप पांडेय, राकेश शुक्ल, कुशल कांत मिश्र, पंकज पांडेय, पवन कांत मिश्र सहित भारी संख्या में लोगों ने कथा का श्रवण किया।

कथा व्यास की आरती करते सपरिवार अभिषेक व पूर्व प्रधान रुचि तिवारी

कथा व्यास को सम्मानित करते अजीत सिंह व अभिषेक तिवारी

कथा में राधा कृष्ण की झाँकी प्रस्तुत करते कलाकार

कथा में जुटी भक्तों की भारी भीड़

कथा समापन के बाद प्रसाद वितरित करते अभिषेक तिवारी आयोजक मंडल के साथ

## फतेहपुर धर्मान्तरण के सभी मामलों में शुआट्स कुलपति, निदेशक प्रशासन एव अन्य याचिकाकर्ता को सुप्रीम कोर्ट से मिली राहत

**नैनी, प्रयागराज।** शुआट्स के मीडिया प्रभारी एस बी सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया की फतेहपुर कोतवाली में धर्मांतरण प्रकरण में दर्ज सभी मामलों में शुआट्स कुलपति एवं अन्य याचिकाकताओं के खिलाफ कठोर कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी। एस बी सिंह ने बताया कि फतेहपुर में दर्ज धर्मांतरण प्रकरण से शुआट्स के कुलपति या अन्य किसी अधिकारी का कोई संबंध नहीं है। सर्वोच्च न्यायालय में शुआट्स कुलपति सहित अन्य याचिकाकताओं ने अग्रिम जमानत हेतु याचिका दाखिल की थी। उच्चतम न्यायालय द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी करते हुए अतरिक्त 2 हफ्ते का समय प्रदान किया एवं फतेहपुर कोतवाली में दर्ज एफआईआर सं0 224/2022, 47/2023, 54/2023, 55/2023, 60/2023, में शुआट्स कुलपति प्रो0 राजेन्द्र बिहारी लाल, निदेशक प्रशासन विनोद बिहारी लाल सहित सभी याचिकाकताओं को राहत प्रदान की और 17 अप्रैल तक किसी भी कठोर कार्यवाही पर रोक लगा दी है।

## सी एच सी में मनाया गया क्षय रोग दिवस

**सोरांव।** सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सोरांव मे डॉ . एस.के.सिंह के अध्यक्षतामें विश्व क्षयरोग दिवस के अवसर पर संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें टीबी के लक्षण एवं टीबी से बचाव, उपचार आदि के विषय मे लोगों को जागरूक किया गया। जागरूकता के लिए सीएचसी से बाजार, प्राथमिक विद्यालय, बीआरसी से होते हुए रैली निकाली गई। इस मौके पर स्वास्थ्य शिक्षाअधिकारी विजय कुमार मौर्या, चीफ फार्मासिस्ट संजय शुक्ला, टीबी सुपरवाइजर विशेष गुप्ता, प्रदीप कुमार सिंह, अशोक कुमार, ओम सिंह, अमित चन्द्रा, उदय सिंह, नफीस, महेन्द्र शर्मा, स्टाफ नर्स सहित स्कूल के बच्चे उपस्थित रहे।

# पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की योजना से लाखों किसान लाभान्वित : डा. प्रवीण चरन

**नैनी, प्रयागराज।** पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा ग्रामीण कृषि मौसम सेवा परियोजना वानिकी महाविद्यालय सैम हिगिनबॉटम यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर, टेक्नोलॉजी एण्ड सांइसेज, प्रयागराज के तहत एकदिवसीय किसान जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन 25 मार्च 2023 को ग्राम- अतरैला ब्लाक- करछना, जिला-प्रयागराज, में किया गया।

कार्यक्रम कि अध्यक्षता तकनीकी अधिकारी डा0 प्रवीन चरन ने की एवं प्रसार निदेशालय के समन्वयक डॉ0 अरुण यादव, डॉ0 सर्वेन्द्र कुमार, डॉ0 सुबोध यादव, कृषि विज्ञान केन्द्र का स्वागत किया। डा0 प्रवीन चरन ने बताया कि इस परियोजना की स्थापना वर्ष 2001 में डा0 एस0 बी0 लाल ने की। आज इससे लाखो कृषक लाभान्वित हो रहे है। उन्होने बताया कि सह नोडल अधिकारी डा0 बी0 मेहरा द्वारा समय- समय पर कृषको कों तकनीकी जानकारी दी जाती रही है। उन्होने बताया कि मौसम विज्ञान के द्वारा अगर मौसम आधारित खेती करते हैं तो हमे निश्चित लाभ प्राप्त होगा क्योंकि मौसम पुवार्नुमान के द्वारा पता लगाकर खेती की सिंचाई गुड़ाई, बुवाई दवा का छिडकाव आदि किया जाय तों होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है। डा0 प्रवीन चरन ने बताया कि शुआट्स के द्वारा सप्ताह में मौसम पूवार्नुमान दो बार घोषित किया जाता है तथा किसान पोर्ट्रल पर तथा अखबारों के माध्यम से एवं सोसल मीडिया द्वारा निरंतर मौसम पूवार्नुमान भेजा जाता है और किसान को ख्ती की नई नई तकनीकी जानकारी भी दी जाती है तथा जैसा कि अनुमानित किया गया है कि मौसम लगभग पिछले कई वर्षो से मौसम मे परिवर्तन हो रहा है जिससे अधिक कार्बन का उत्सन हो रहा है मौसम में बदलाव आया है पिछले दिनों में वर्षा होने से फसलों को भारी नुकसान हुआ।प्रसार निदेशालय के समनवयक डॉ0 अरुण यादव ने बताया कि कृषि के साथ-साथ पशुपालन कम लागत में अधिक उत्पादन के विषय पर किसानों को जानकारी दी। उन्होने बताया कि कृषि के साथ हमें फसल चक्र को कृषि में उपयोग करना चाहिये। जिससे खेत की दशा उसमें उर्वरवता की गुणवता के बारे में बताया। साथ ही सह फसली खेती को प्राथमिकता देनी चाहिए जिससे मौसम की अनिश्चितता में सह फसल के द्वारा किसानों को कोई नुकसान न हो जिसमें किसान अपने उत्पादन का उचित मुल्य प्राप्त कर सकें। उन्होने बताया कि खेती के साथ-साथ एक पशु अवश्य पालना चाहिए जिसका चारा दाना किसान अपने खेत में स्वयं निकाल सकता है और उसमें दुग्ध उत्पादन से पारिवारिक उपयोग के बाद बचा हुआ दुग्ध बेचकर आय प्राप्त कर सकता है तथा उसके गोबर से खाद बनाकर उसका उपयोग खेत में अवश्य करें। जिससे मृदा स्वास्थ्य अच्छा बना रहे । डॉ0 सुबोध यादव ने स्माल डेरी फार्मिग के तहत पशुओं के आहार में पेड़.-पौधे के महत्व के बारे में बताया सहजन, पीपल, बरगद, गुलर, बबुल में महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी। डॉ0सर्वेन्द्र कुमार ने बताया कि जायद मौसम में बोये जाने वाली मुख्य फसलों में मूंग, उर्द, लोबिया, सूरजमुखी, मक्का इत्यादि है। किसान जागरुकता के परिक्षण डा0 प्रवीन चरन ने आये हुए किसानो और महिला कृषक एवं वैज्ञानिको संचालन एवमं धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यक्रम में डा0 क्लीन्ट, संजय कुमार, नीरज, रोहित, भास्कर, त्रीतु सम्भूपाल, मुकेश अकेला,दयालाल, रमाशंकर पटेल, जंगबहादुर, कामेश्वर, अरविन्द पटेल, भाई लाल पटेल, कलावती, रामलली ने सहभागिता कि।

किसानों को जागरूक करते हुए

## कम्पोजिट विद्यालय पड़िला में 8वीं कक्षा के बच्चों की हुई विदाई

**थरवई।** गुरु शिष्य की कथा सदियों से चली आ रही है इस प्रथा में शिष्य को अध्ययन के उपरांत गुरु से विदा होना पड़ता है इसी श्रृंखला में सोरांव ब्लाक अंतर्गत कंम्पोजिट विद्यालय पड़िला में कक्षा आठ के छात्र एवं छात्राओ की विदाई समारोह संपन्न हुआ। जहां बच्चों ने अपने अध्यापक से बिछड़ते हुए नम आंखें कि वहीं प्रधानाध्यापिका प्रमिला खरे ने बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए अन्यत्र पाठशाला में शिक्षा ग्रहण हेतु विदा किया। अपने वक्तव्य में जीवन में शिक्षा के अभिन्न गुणों की चर्चा करते हुए सुंदर भारत के निर्माण हेतु शिक्षित एवं सुसज्जित राष्ट्र के निर्माण हेतु युवा पीढ़ी को उच्च शिक्षा पर बल हेतु प्रोत्साहित करते हुए सदी के कई महानायक की महापुरुषों की वीर गाथा की कहानियां सुनाई। वहीं विद्यालय की अल्का पाण्डेय ने भी उपस्थित बच्चो को अपनी शिक्षा को और व्यापक व उज्जवल भविष्य को अग्रसित करने के लिए प्रेरित किया व शिक्षा के महत्व को बतलाते हुए जीवन की उपयोगिता बतलाई गई की शिक्षा वह माध्यम है जो हर क्षेत्रों में बढ़ने के अवसर प्रदान करता है। इस मौके पर विद्यालय के सभी अध्यापिकाएं सुषमा उपासना शकीला बानो साधना उपस्थित रही।

आंखो के आपरेशन के लिए रवाना होते मरीज

## बरेठी में निशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन,15 मरीजों को ऑपरेशन के लिए भेजा

**उतरांव ।** श्री सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट चित्रकूट की ओर से विशाल नेत्र शिविर परीक्षण का आयोजन बरेठी स्थित बजरंग मार्केट नागेन्द्र सिंह कालोनी में निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन25 मार्च दिन शनिवार को किया गया। शिविर का शुभारम्भ गौरव सिंह ने फीता काट कर किया। शिविर में पहुंच कर ग्रामीणों ने अपनी आँखों की जाँच करा कर आवश्यक परामर्श लिया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे समाज सेवी गौरव सिंह ने कहा कि अधिक मोबाइल का प्रयोग आंखों के लिए नुकसान देह साबित हो रहा है। बच्चों में छोटी उम्र से चश्मा लगाने की जरूरत पड़ने लगी है। लगातार मोबाइल का प्रयोग ना करें जरूरी होने पर बींच बींच में मोबाइल को बन्द करके आंखों को आराम देते रहें। क्षेत्र के टिकरी, बरेठी, मंडौर, गोपालपुर, बलरामपुर, धन केसरा, बिरगार्पुर दादूपुर बरौना बस गीत उतराव, पुरुषोत्तमपुर, हनुमानगंज, सैदाबाद, कोटवा आदि दर्जनों से ज्यादा गांव के शिविर में क्षेत्र के लगभग 100 महिला पुरुष व बच्चों ने जांच कराई। डॉक्टरों द्वारा चिन्हित मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिये 15लोगों को संस्था की एंबुलेंस बस के माध्यम से चित्रकूट स्थित सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट में भेजा गया। टीम में मुख्य रूप से डॉक्टर शिवाकांत त्रिपाठी,डॉ अमित मिश्रा, डॉ पंकज गुप्ता, जागेश्वर,डॉ राजेश, नवरोत्तम दास, डॉ बृजेश यादव, छोटे यादव व अन्य स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा उपस्थित मरीजों का पूर्ण रूप से जांच करते हुए देख रेख व उन्हें आंख में डालने के लिए ड्रॉप दिया गया। कार्यक्रम आयोजक नागेंद्र सिंह उर्फ चच्चू ने आए हुए सभी मरीजों व अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

## संक्षेप

### श्री कृष्ण जन्मोत्सव की कथा सुनकर श्रोता हुए भाव विभोर

**सहसों।** भोपतपुर गांव में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन कथा व्यास आचार्य परशु राम शास्त्री ने कहा कि जब जब भी धरती पर पाप अत्याचार बढ़ा है।भगवान अवतार लेकर उनका संघार करते हुए भक्तों को मुक्ति दिलाई। भागवत कथा के श्रवण से मनुष्य के सभी पाप व कष्ट दूर हो जाते हैं तथा उनका जीवन सफल हो जाता है। उन्होंने कहा जब रावण के अत्याचार से पृथ्वी वासी त्रस्त थे तब भगवान श्रीराम अवतरित हुए और उनका संघार किया। उसी प्रकार कंस के अत्याचार एवं अहंकार से मथुरा वासी परेशान थे तब भगवान श्रीकृष्ण अवतरित होकर संघार किया। उन्होंने भगवान श्री कृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन करते हुए कहा कि भगवान स्वयं में परमात्मा रहे इसके बावजूद उन्होंने संपूर्ण मानव जाति को संस्कार की शिक्षा देने के लिए विभिन्न प्रकार की लीलाएं करते हुए गुरु तथा माता पिता की आज्ञा मानकर लीलाएं प्रस्तुत की। भगवान का अनुसरण करते हुए हर मनुष्य को गुरु तथा माता-पिता का सादर चरण वंदन करते हुए संस्कार युक्त जीवन व्यतीत करना चाहिए। कथा के विश्राम पर मुख्य यजमान ने व्यासपीठ एवं भगवान की आरती उतारी तत्पश्चात प्रसाद का वितरण हुआ। इस मौके पर क्षेत्र के भारी संख्या में भक्तों ने नारियों ने कथा का रसपान किया।

### भाजपा सरकार में बिना भेदभाव के विकास कार्य सम्भव : दिवाकर प्रताप सिंह

**कोरांव।** प्रदेश की भाजपा सरकार के छः वर्ष विकास व सुशासन को समर्पित रहे है। उक्त बाते भाजपा नेता व पूर्व प्रधान मंत्री स्वर्गीय विश्वनाथ प्रताप सिंह के पौत्र दिवाकर प्रताप सिंह ने एक भेंट वार्ता में कही। दिवाकर प्रताप सिंह ने कहा की वर्ष 2017 से पूर्व गुंडाराज व माफियाओं को झेल रहे उत्तर प्रदेश में विकास व सुशासन की नई इबारत लिखी गई है। सड़क बिजली पानी समेत मानवीय मूलभूत सुविधाओं के लिए सरकार का कार्य सराहनीय रहा है। प्रदेश अपराधो का प्रदेश कहा जाता था वह आज उत्सवों का प्रदेश है। पर्यटन की दृष्टि से आगरा तक सीमित प्रदेश में वर्तमान में काशी मथुरा प्रयागराज अयोध्या गोरखपुर समेत कई जिले वैश्विक पर्यटन के नक्शे में आ चुके है। इन छ वर्षो में गरीब कल्याण के लिए मुख्यमंत्री आवास योजना, हर घरबिजली शौचालय, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, समेत कई योजनाएं सिर्फ संचालित ही नही की गई वरन उनको संपादित भी कराया गया। अपराध के प्रति जीरो टॉरलेंस की वजह से उत्तर प्रदेश में निवेशकों की संख्या बढ़ी है।सपा बसपा के कार्यकाल में विकास कुछ जिलों तक ही सीमित था जबकि भाजपा सरकार में बिना भेदभाव के विकास कार्य हो रहे है ।

# ऑनर किलिंग : हैवान बने पिता ने बड़ी बेटी की हत्या कर कब्रिस्तान में दफनाया

## दूसरी बेटी को भी मारने के पहले पुलिस को लगी भनक

**शव को पुलिस ने कब्र से निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया, परिजन पुलिस की हिरासत में**

सूचना के बाद पहुंची पुलिस

शव को बाहर निकालने के लिए कब्र को खोदते हुए

**करछना।** प्रयागराज इलाके में सनसनीखेज मामला सामने आया है। घर से भागी दो लड़कियों के वापस आने पर हैवान बने पिता ने बड़ी लड़की को मारकर कब्रिस्तान में दफना दिया। दूसरी को बंधक बनाकर रखा था। उसको भी मारने के फिराक में था, लेकिन इसकी भनक पुलिस को लग गई और पूरा मामला खुल गया। जिससे दूसरी लड़की की जान बच गई। पुलिस ने हत्यारोपी पिता के साथ उसके दो बेटे और पत्नी को भी हिरासत में ले लिया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। उनकी निशानदेही पर कब्रिस्तान में दफनाए गई बड़ी बेटी की लाश को एसीपी करछना अजीत सिंह चौहान व थाना प्रभारी विश्वजीत सिंह की मौजूदगी में खुदवा कर बाहर निकाला गया और पंचनामा करके पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया गया है।

करछना थाने से चंद फर्लांग की दूरी पर स्थित हिंदूपुर गांव निवासी लल्लन मियां की पहली पत्नी की मौत हो चुकी है उससे लल्लन के दो बेटे रहीम और मुन्ना हैं पहली पत्नी की मौत के बाद उसने दूसरी शादी कर ली दूसरी पत्नी से दो बेटियां चांदनी (19) और आशिया (16) थी। चांदनी इंटरमीडिएट में और आशिया नौवीं कक्षा की छात्रा है। गत 25 फरवरी को दोनों बहने लापता हो गई थी। बहुत खोजबीन के बाद 02 मार्च को दोनों लड़कियां वापस आ गई। पूछताछ में बताया कि वह मुंबई चली गई थी।

04 मार्च को दोनों लड़कियां अचानक से फिर से गायब हो गई। इस बीच लल्लन और उसके परिवार वालों ने खोजबीन की तो पता चला कि बड़ी लड़की औद्योगिक क्षेत्र के रामपुर निवासी एक लड़के के साथ गई है और दूसरी लड़की विंध्याचल, मिजार्पुर के रहने वाले लड़के के साथ गई है। तब से माता-पिता दोनों बहनों की खोजबीन कर रहे थे। इस संबंध में करछना थाने में पिता ने दोनों बेटियों की गुमशुदगी भी दर्ज कराई थी। लेकिन उनका कुछ पता नहीं चल रहा था। 20 मार्च को दोनों बहने फिर वापस आ गई। लल्लन ने पहले ही बेटियों को मारने का प्लान बना लिया था इसलिए जब दोनों बेटियां इस बार वापस लौटी तो उसने करछना थाने में सूचना नहीं दी।

बेटियों की भागने की हरकत से नाराज पिता लल्लन ने खतरनाक प्लान बना डाला था। पिता और भाइयों के खतरनाक मंसूबों के बारे में तो लड़कियों ने सपने में भी नहीं सोचा था रहा होगा। उसने पहले अपने बेटों के साथ दोनों बेटियों की जमकर पिटाई की फिर 23 मार्च को भोर में 3:00 बजे बड़ी बेटी चांदनी कि सिर्फ वजनदार हथियार से प्रहार करके मौत के घाट उतार दिया। छोटी बेटी को घर में ही बंधक बना दिया गया ताकि वह इस घटना को बाहर ना बता सके। एक दिन पूरा उसकी लाश को घर में रखा था

पूरी प्लानिंग के साथ बड़ी बेटी को मौत के घाट उतारने के बाद लल्लन मियां और उसके परिवार के लोगों ने अगले दिन 24 मार्च को दोपहर में 3:00 बजे के आसपास क्षेत्र के चनैनी गांव में स्थित कब्रिस्तान में चांदनी के शव को दफना दिया। नात रिश्तेदारों और गांव के लोगों को बताया कि वह घर में फर्श पर फिसल कर गिर गई थी। जिससे उसके सिर में चोट लगी और उसकी मौत हो गई। गांववालों को शक हुआ तो पुलिस को खबर दे दी गई। पुलिस ने छानबीन की और लल्लन मियां को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की।

पुलिस गिरफ्त में आने के बाद लल्लन मियां ने अपना जुर्म कबूला और छोटी बेटी को बंधक बनाए जाने की बात बताई। पुलिस ने घर जाकर कमरे में बंधक बनाकर रखी गई छोटी बेटी को छुड़ाया। उसके बाद पिता दोनों भाई को लेकर पुलिस चनैनी कब्रिस्तान पहुंची। वहां मजदूरों को बुलाकर उसकी कब्र खुदवाई गई और उसमें से चांदनी की लाश बाहर निकाली गई। एसीपी करछना अजीत सिंह चौहान की मौजूदगी में कब्र खुदवाई गई। लाश को जब बाहर निकाला गया तो कफन के अंदर से सिर से खून का रिसाव हो रहा था।

# प्रधानमंत्री आवास योजना सूची से गरीबों का काटा गया नाम, गरीब परेशान

**अंधेरगर्दी**

**एडीओ पंचायत,सिकेट्री ने पात्र को हटाकर,अपात्र को कर दिया सूची में पास**

**आज तक नही हुई बैठक, न ही बनाया कार्ययोजना, ग्राम प्रधान हलाकान**

**लालापुर।** सरकार को जमकर बदनाम करने में तुले है शंकरगढ़ ब्लाक के आवास सम्बंधित अधिकारी।जहाँ सरकार ने गरीबी स्तर से जीवन यापन करने वाले लोगों को सरकारी आवास देने के लिए बचन बद्ध है,वही शंकरगढ़ ब्लाक के सम्बंधित अधिकारी गरीबों का नाम सूची से काटकर सरकारी आवास के सपनों को कोसो दूर कर दिया।इसकी शिकायत ग्राम प्रधान ने जिलाधिकारी प्रयागराज से लेकर खण्ड विकास अधिकारी शंकरगढ़ से की है। नतीजा आज भी जस का तस बना रहा।

लालापुर क्षेत्र के नौडिहा तरहार गांव में प्रधानमंत्री आवास सूची में 37 नाम अंकित था,जिस पर शंकरगढ़ ब्लाक से आए एडीओ पंचायत संग ग्राम पंचायत विकास अधिकारी ने काटकर सिर्फ 09 आवास की सूची जारी की।

नौडिहा तरहार गांव में अपने चहेतों संग कागज पर पात्र और अपात्र की सूची बनाकर आवास आवंटित कर दिया। इस सूची को लेकर ग्राम प्रधान को भनक तक नही लगी।जो इन जैसे कर्मचारी के ऊपर गांव के गरीबों का गुस्सा सातवें आसमान पर है।

ग्रामीणों ने गांवदारी के चलते नाम न छापने की शर्त पर बताया कि गांव में बने पक्का मकान व खेतिहर को आवास आवंटित कर दिया है। हम जैसे गरीब कभी इस अधिकारी के कभी उस अधिकारी का दरवाजा खटखटाते घूम रहे है।वही ग्राम प्रधान प्रतिनिधि सूरज शुक्ला का कहना है इन अधिकारियों ने आज तक किसी प्रकार की बैठक नही की है। आवास सूची दिखाना तो बहुत दूर की बात है,मुझे सर्वे करते समय भी नही बुलाया गया इसकी शिकायत जिला अधिकारी प्रयागराज से कर दी गई है।

खण्ड विकास अधिकारी शंकरगढ़ राम विलास राय का कहना है जांच कमेटी गठित कर दी गई है जल्द जांच की जाएगी। अब सवाल अब ये उठता है कि जब अपात्र को आवास देकर,पात्र को वंचित कर दिया गया तो अब आवास कहा से मिलेगा....।

### खेत से घर लौट रहे युवक की पिटाई, चार पर मुकदमा दर्ज

**नवाबगंज।** खेत से घर लौट रहे युवक को घात लगाए हमलावरों ने लाठी-डंडे से पीटकर घायल कर दिया। पुलिस घटना मामले में 4 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई की है। नवाबगंज के बुदौना गांव निवासी सेनापति पाल पुत्र शंकरलाल शुक्रवार देर सायं काल अपने खेत से घर लौट रहा था। जैसे ही वह खेत से निकला। पहले से घात लगाए हमलावरों ने लाठी-डंडे से पीटकर सिर फोड़ दिया। शोर मचा तो आसपास के लोग दौड़े जिसके बाद हमलावर धमकी देते हुए भाग निकले। घटना मामले की तहरीर पर नवाबगंज थाने में सुभाष पाल रामफेर पाल शास्त्री पाल एवं संजय के खिलाफ मारपीट समेत धाराओं में केस दर्ज कर कार्रवाई की गई है।

## जमुनापार के पहाड़ी इलाकों को सिंचित करने की लगाई गुहार

**करछना।** लगभग चार दशक पहले बारा क्षेत्र में यमुना नदी पर सिंचाई की सुविधा को देखते हुए स्थित कमला पंप प्रखंड़ नहर का निर्माण कराया गया था। जहां से बाघला नहर प्रखंड और भोड़ी पम्प हाउस से जुड़ी लगभग दो दर्जन माइनरों से कई गांवों में सिंचाई की सुविधा की गई है।किंतु अभी भी शंकरगढ़ शिवराजपुर के आस-पास लगभग 40% क्षेत्र के गांव सिंचाई की सुविधा से वंचित है। इस गंभीर समस्या को लेकर जमुनापार जागृति मिशन के संयोजक डॉ. भगवत पांडेय की अगुवाई में मिशन के प्रतिनिधि मंडल ने प्रदेश के सिंचाई मंत्री और प्रयागराज प्रभारी स्वतंत्र देव से मिलकर समस्या की गुहार लगाई। लोगों का कहना था कि अभी भी क्षेत्र के जोरवट, गढ़वा, गाढ़ा, कटरा, लेदर, मउहरिया, आमगोदर, बिहरिया, गोल्हैया, भैंसहाई, शिवराजपुर शंकरगढ़, अभयपुर, बड़गडी. समेत कई गांव के किसान सिंचाई की त्रासदी झेल रहे हैं। मिशन के लोगों ने नहर का विस्तार कर उक्त गांव के सर्वे कराने और पीडीआर बनवाने की गुहार लगाते हुए कहा कि यदि ऐसा कार्य किया जाए तो निश्चित रूप से पहाड़ी इलाके के आसपास रहने वाले कई गांव के लोग सिंचाई की सुविधा होने पर अच्छी खेती कर अपनी आय बढ़ा सकेंगे। मंत्री ने इसपर सहमति जताते हुए लोगों को आश्वासन दिया कि शीघ्र ही इस संदर्भ में विभागीय लोगों से विचार-विमर्श कर हर संभव पहल की जाएगी। इस मौके पर मीडिया प्रभारी दिनेश तिवारी,राजेश शुक्ला, आनंद शुक्ला,पृथ्वी पाल सिंह,राघवेंद्र मिश्रा, राजू पटेल समेत कई भाजपाई और मिशन के लोग मौजूद रहे।

### प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि होंगे सुरेंद्र चौधरी

**मेजा।** क्षेत्र के दुर्गावती इंटरनेशनल स्कूल एंड कालेज गोशौरा कला में आज दिन में 11 बजे से दुर्गावती एजूकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा जिला स्तरीय प्रतिभा खोज आयोजित किया जाएगा जिसके मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश विधान परिषद सदस्य सुरेन्द्र चौधरी होंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में ब्लाक प्रमुख मेजा प्रतिनिधि गंगा प्रसाद मिश्र होंगे। गौरतलब हो कि दुर्गावती इन्टरनेशनल स्कूल एवं कालेज गोसौरा कला में आगामी आज जिला स्तरीय प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। जिसमें नृत्य, गायन, सामान्य ज्ञान, निबंध और कला की प्रतियोगिता होगी। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र के साथ प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले छात्र-छात्राओं को मेडल प्रदान किया जायेगा।


**उत्तर मध्य रेलवे** G20

**ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या. 23/28 दिनांक: 24.03.2023**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उ०म०रे०, प्रयागराज (आई.एस.ओ. 9001:2015 प्रमाणित इकाई) निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

| क्र. सं. | निविदा संख्या | संक्षिप्त विवरण | मात्रा | निविदा खुलने की तिथि |
|---|---|---|---|---|
| 1. | 20233143 | [illegible] | 170 नग | 12.04.2023 |
| 2. | 30233028 | फ्रेश वाटर टैंक 450 लिटर | 08 नग | 17.04.2023 |
| 3. | 30232870 | पी यू लाइनिंग (टॉप एंड बॉटम) | 16848 सेट | 18.04.2023 |
| 4. | 30232872 | [illegible] | 31380 नग | 18.04.2023 |
| 5. | 30232871E | [illegible] | 5550 नग | 18.04.2023 |
| 6. | 50225561E | [illegible] | 1260.50 कि.मी. | 24.04.2023 |
| 7. | 60235002 | [illegible] 50 किग्रा० | 6072 नग | 09.05.2023 |
| 8. | 6323RGC07 | रनिंग कॉन्ट्रेक्ट फॉर मैनुफैक्चर एण्ड सप्लाई ऑफ [illegible] टी-5856 | 19354 सेट | 01.06.2023 |

नोट: उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। 458/23 (ADM)

North central railways @CPRONCR @northcentralrailway www.ncr.indianrailways.gov.in


# कैश पार माइक्रो क्रेडिट से महिला लाभान्वित : कुसुम

कार्यक्रम में उपस्थित लोग

**समूह की महिलाओं को वित्तीय जानकारी, स्वास्थ सेवा,शिक्षा सेवा कि दी गई जानकारी**

**खीरी।** शनिवार को महिला को जागरूक करने हेतु आरबीआई द्वारा पोषित संस्था कैश पार माइक्रो क्रेडिट के सेंटर जागरूकता कार्यक्रम में कोराव छेत्र से जिला पंचायत सदस्य कुसुम केसरवानी ने महिलाओं को जागरुक करते हुए कहीं कि कैश पार माइक्रो से जुड़कर महिला अपने घर परिवार का विकास का पहिया तेज कर रही हैं। क्षेत्र की गरीब अनपढ़ महिला को आरबीआई से जुड़ी जानकारी जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, वार्षिक वित्तीय प्रोत्साहन सहायता (रिबेट)को देकर कैश पार माइक्रो क्रेडिट आगे बढ़ा रहा है। वही संस्था के सीएचआईबी वीनोद कुमार भारती ने बताया कि कैश पार माइक्रो अन्य वित्तीय संस्था जैसे जन्मलक्ष्मी, एसकेएस, बंधन, मार्गदर्शक, एचडीएफसी, फ्यूजन, उज्जीवन, सैटिन, उत्कर्ष एक्सिस,उत्कर्ष, एलएनटी, सोनाटा, आशीर्वाद, एसवीसीएल, आरबीएल के तुलना में सबसे कम से 17.5 प्रतिशत वार्षिक ब्याज पर समूह से जुड़ी महिलाओं को उपलब्ध कराती है। वहीं डीआरएम जयप्रकाश , ट्रेनर राहुल गौतम डीएम आशीष तिवारी, सीएम संजय विश्वकर्मा, संजय बिंद ,राजेश यादव, रवि कुमार सहित एएसएम सुधा सिंह सहित हल्का दरोगा विनोद कुमार सहित सैकड़ों महिला मौजूद रही।

### अधिक कर्जभार एवम बहुऋण का दुष्परिणाम

**खीरी।** समूह से जुड़ी गरीब अनपढ़ महिलाओं को सावधानी से ऋण लेकर अपना काम शुरू करना चाहिए।अन्यथा व्यापार में नुकसान होने की संभावना बढ़ जाता है। परिवार की कमाई ब्याज के रूप में चली जाती है।परिवार की बनाई हुई पूंजी कर्ज चुकाने में चली जाती है। बच्चों की पढ़ाई और जरूरी खर्चे भी प्रभावित हो जाते है।सदस्यों के परिवार का दैनिक जीवन भी प्रभावित हो जाता है। सदस्य कभी भी अपनी गरीबी दूर नहीं कर पाता है। अगला ऋण लेने में भी परेशानी होने लगता है। परिवार में कलह भी बढ़ जाता है। कंपनी से संबंधित सुविधा मिलने से वंचित होना पड़ता है। सदस्य की आर्थिक सामाजिक पारिवारिक स्थिति भी प्रभावित हो जाता है।

# उरुवा सहकारी संघ का चुनाव टला

**चुनाव**

**भाजपा सरकार कर रही लोकतंत्र की हत्या : रामसागर यादव**

**पूरे दिन संघ पर लटकता रहा ताला नहीं पहुंचे अधिकारी**

**इंतजार करते रहे प्रत्याशी,लगभग दो बजे चुनाँव टलने की आई सूचना**

सहकारी संघ रामनगर पर जुटे लोग व मौजूद पुलिस

**मेजा।** तहसील क्षेत्र के विकास खंड उरुवा साधन सहकारी संघ का चुनाँव टल गया। सुबह दस बजे से नामांकन होना था। रामनगर साधन सहकारी संघ पर दर्जनों लोग डटे रहे लेकिन संघ पर कोई कर्मचारी नहीं पहुंचा था संघ के भवन में ताला बंद था । लगभग दो बजे चौकी इंचार्ज सिरसा ने लोगों से बताया कि चुनाँव आज नहीं होगा अगली तारीख आप लोगों को बताई जाएगी । चुनाँव टालने के संबंध में चुनाँव अधिकारी धनंजय यादव व विष्णु प्रभाकर मिश्र ने कोई ठोस आधार नहीं बताया।

रामनगर सहकारी संघ पर मौजूद क्रय विक्रय समिति के अध्यक्ष रामसागर यादव उर्फ मुखिया ने बताया कि भाजपा सरकार घोर अन्याय कर रही है लोकतंत्र की हत्या कर रही है उन्होंने कहा कि जब सारी प्रक्रिया पूर्ण हो गई है तो चुनाँव क्यों नहीं कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शनिवार को चुनाँव होना है मतदाता सूची संघ पर शुक्रवार को ही चिपक जाना चाहिए लेकिन मतदाता सूची शनिवार को चिपकाई गई। अब अधिकारी चुनाँव टालने की बात कह रहे और कारण नहीं बता पा रहे हैं । फिलहाल चुनाँव टालने से प्रत्याशियों और समर्थकों में गहरा आक्रोश देखा गया। इस मौके पर दिनेश मिश्र, राकेश तिवारी, नंदलाल भारतीय, अनिल यादव, शिवकैलाश यादव, विशाल पटेल सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।


**उत्तर मध्य रेलवे** G20

(इलेक्ट्रिकल कोचिंग ब्रांच)

ई-निविदा सूचना सं. ई टी-35/विद्युत/कोचिंग - प्रया0/2022-23 दिनांक: 23.03.2023

**ई-निविदा सूचना**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता (कोचिंग) उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज निम्नलिखित कार्यो के लिये निर्धारित फार्म पर E-Tender दिनांक 17.04.2023, समय 15.00 बजे तक आमंत्रित करते हैं। निविदा के सम्बन्ध में मुख्य सूचनाएं निम्नवत् हैं-

निविदा खुलने की तिथि -17.04.2023

| क्रम सं. | निविदा सं. | कार्य का नाम | कार्य की लागत (रू. में) | धरोहर राशि (रू.में) | समयावधि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | ETCHG-35 | प्रयागराज मण्डल में विभिन्न ट्रेनों में एल.एच.बी. वातानुकूलित कोचों में लगे विभिन्न प्रकार के आर.एम.पी.यू. यूनिट एवं उससे सम्बद्ध उपकरणों का संचालन, एनवाटिन एवं रखरखाव का दो वर्ष के लिये वार्षिक अनुरक्षण अनुबन्ध। | रू0 6786298.00 | रू0 135700.00 | 02 वर्ष |

टेन्डर फार्म की कीमत (रू0 में): Nil

निविदा का प्रकार: खुली निविदा

नोट:- 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 15:00 बजे टेन्डर खुलने की तिथि तक उपलब्ध है। 2. उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप से बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु टेण्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको I.T. Act- 2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेन्शियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। [illegible] www.ncr.indianrailways.gov.in [illegible] 447/23(K)

@northcentralrailway North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR


# नवीन शिक्षण सत्र में महर्षि विद्या मन्दिर नैनी में अभिभावक शिक्षक संगोष्ठी वार्ता : पूजा चन्दोला

शिक्षकों व अभिभावकों को संबोधित करतीं पूजा चंदोला

**नैनी।** महर्षि विद्या मन्दिर , दूरवाणी नगर, नैनी में प्रधानाचार्या श्रीमती पूजा चन्दोला की दिशा निर्देशन में नवीन शिक्षण सत्र प्रारम्भ होने से पूर्व अभिभावकों एवं शिक्षकों की संगोष्ठी वार्ता का आयोजन किया गया, जिसमें शैक्षणिक गतिविधियों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई। महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालय समूह के अध्यक्ष सम्माननीय ब्रह्मचारी डॉ. गिरीश चन्द्र वर्मा के मार्गदर्शन एवं दिशा निर्देशन में महर्षि विद्यालयों में कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है । आज महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालय उत्तरोत्तर फलता फूलता संचालित हो रहा हैं।

महर्षि विद्या मंदिर नैनी में सत्र 2023- 24 का शुभारंभ अप्रैल माह से शुरू होने जा रहा है। नूतन शिक्षण सत्र संचालन की संपूर्ण तैयारियां हो चुकी हैं। विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती पूजा चंदोला ने शिक्षक समूह के साथ विद्यालय सभागार में कार्यक्रम में सहभाग किया । सर्वप्रथम उन्होंने उपस्थित सभी गणमान्य अभिभावकों का हार्दिक स्वागत किया अपने उद्बोधन में प्रधानाचार्या ने महर्षि वैदिक परंपरा की दिव्यता पर प्रकाश डालते हुए नूतन सत्र 2023-24 की शैक्षणिक गतिविधियों से अवगत कराया। ध्यान शिक्षक में महर्षि प्रणीत भावातीत ध्यान की सहज प्रक्रिया से सबको परिचित कराया। उन्होंने कहा कि ध्यान के नियमित अभ्यास से आरोग्यता के साथ विभिन्न लाभों से लाभान्वित होते हैं जो अन्य किसी भी विद्यालय में सुलभ नहीं है। प्रधानाचार्या ने बताया कि विद्यालय में प्रतिदिन प्रातः एवं सायं 10:00 मिनट तक ध्यान कराया जाता है, जो छात्र इससे लाभान्वित होते हैं वे निश्चित रूप से स्वयं में अलग दिखते हैं। प्राणायाम का अभ्यास मानसिक शुद्धि प्रदान करता है। महर्षि परंपरा के अनुसार कोई भी नूतन कार्य कुछ अलग अंदाज में प्रारंभ होता है। इस अंतराल में शिक्षकों एवं अभिभावकों से भी चर्चा-विचार हुआ । अंत में प्रधानाचार्य ने सभी गणमान्य महानुभावों को धन्यवाद व्यक्त किया साधुवाद के साथ उद्बोधन को विराम दिया।

### कक्षा पाँचवी के छात्र एवं छात्राओं की हुई विदाई

**थरवई।** प्राथमिक विद्यालय सोरांव ब्लॉक अंतर्गत रामपुर - दुवारी में कक्षा 5 के छात्र एवं छात्राओं की विदाई हुई इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में ए आर पी शशीकांत मिश्र एआरपी पंकज मिश्र ने सभी बच्चों को जीवन में शिक्षा के महत्व पर बल देते हुए कई कहानियां सुनायी वहीं पर प्रभारी प्रधानाध्यापक दयानंद मिश्र, सहायक अध्यापक अनुपमा दयाल, सहायक अध्यापक अमरेश राय, शिक्षामित्र इंदु मिश्रा एवं शिक्षक संकुल रमाकांत द्विवेदी उपस्थित रहे सभी ने बच्चों को शुभ आशीष देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।

# भरी दुपहरी अफसरों का इंतजार करते रह गए ग्रामीण

**बैठक**

**कोटा चयन को लेकर आयोजित बैठक में नहीं पहुंचे जिम्मेदार**

**बारा।** तहसील बारा क्षेत्र के ग्रामसभा गींज में कोटा चयन के लिए संविलियन विद्यालय में आयोजित बैठक शनिवार को भी बेनतीजा रही। बैठक के बेनतीजा रहने का कारण है किसी विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों का बैठक में नहीं आना। पूर्व निर्धारित समय के मुताबिक संविलियन विद्यालय गींज में 25 मार्च को बैठक सुनिश्चित की गई थी। जहां पर देखा जाए तो प्रशासनिक अधिकारियों की लापरवाही से विधानसभा के 400 लोगों को गर्मी में बुलाकर परेशान किया गया।

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि पूर्व में कई बार बैठक की डेट टाली गई है। आज भी सक्षम अधिकारियों के टालमटोल से यह बैठक निरस्त कर दी गई। वहीं पर जनता में चर्चा का विषय बना है कि आखिर क्या वजह है कि हमारे ग्रामसभा का कोटा पिछले 11 महीने से निरस्त होने के बाद भी नई दुकानदार की गठन नहीं हो पाया। आज की बैठक में ग्राम प्रधान व क्षेत्र के संभ्रांत व्यक्ति सहित अन्य लोग मौजूद रहे। अधिकारियों की इस मनमानी से साफ जाहिर होता है कि कोटेदार से कहीं न कहीं सम्मिलितता बनी हुई हैं। जहां, आज वर्षों से जनता इंतजार कर रही है कि हम सब को किसी नये दुकानदार के माध्यम से उचित और सही समय पर राशन प्राप्त हो पायेगा, लेकिन लोगों की इच्छा अधूरी रह गई।

## संक्षेप

### सड़क हादसे में घायल की इलाज के दौरान मौत

**कौशाम्बी।** चरवा कोतवाली अंतर्गत फरीदपुर सुलेम निवासी शिवा प्रसाद पुत्र गया प्रसाद तकरीबन एक सप्ताह पहले अपने ससुराल पिपरी के चायल कस्बा आया था। वापस घर जाते समय चायल व गेरिया के समीप जानवर को बचाने के चक्कर में गड्ढा में गि गया। आस पास के लोगों ने एम्बुलेंस से इलाज के लिए चायल सीएचसी ले जाया गया। चिकित्सकों ने हालत गंभीर देख जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। परिजनों ने हालात गंभीर देख प्रयागराज के युनाइटेड हांस्पिटल में भर्ती कराया जहां इलाज के दौरान शनिवार को दम तोड़ दिया है। घटना के बाद से मृतक के परिजनों में कोहराम का माहौल व्याप्त रहा।

### विवाहिता से दुराचार का प्रयास

**कौशाम्बी।** चरवा कोतवाली इलाके में बुधवार की शाम जेठ ने भयाहू के साथ दुराचार का प्रयास किया। विवाहिता के शोर मचाने पर उसे घर से निकालने की धमकी दी। पति को फोन पर घटना की जानकारी देते हुए पीड़िता थाने पहुंची और मामले की नामजद शिकायत पुलिस से की। आरोप है कि शिकायत के बाद भी पुलिस ने उसकी एक नहीं सुनी। इलाकाई पुलिस से न्याय नहीं मिलता देख शनिवार को पीड़िता ने मामले की शिकायत अपर पुलिस अधीक्षक से करते हुए न्याय की गुहार लगाई है।

### पड़ोसी के घर दबंगों ने मचाया उत्पात, की मारपीट

**कौशाम्बी।** चरवा कोतवाली के सैयद सरावां में दबंगों ने पड़ोसी दंपती को बेरहमी से पीट दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराते हुए आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। सैयद सरावां गांव की रूपा देवी पत्नी छोटू का मानिकपुर गांव के छत्रपाल से जमीनी विवाद चल रहा है। दोनों के बीच कहासुनी हो गई। इसके बाद पड़ोसी ने साथी संग मिल घर पर धावा बोल दिया। घर में घुसकर दबंगों ने दंपती को बेरहमी से पीट दिया। ग्रामीणों के बीच-बचाव करने पर आरोपित कहीं भी शिकायत पर जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकले। पुलिस ने पीड़ित महिला की तहरीर पर आरोपितों के खिलाफ मारपीट का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

# हिस्ट्रीसीटर बदमाश ने पत्नी की हत्या कर खुद की खुदकुशी

घटना के बाद गमजदा परिजन

मृतक पति पत्नी की फाइल फोटो

**कौशाम्बी।** कोखराज कोतवाली बम्हरौली गांव में शुक्रवार की रात हिस्ट्रीशीटर ने पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद ट्रेन के सामने छलांग लगा दी। आधी रात हुई घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। सुबह सीओ सिराथू पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के बाद से पीड़ित परिवार में कोहराम मचा हुआ है। बम्हरौली निवासी साजन (50) पुत्र जगरूप सरोज हिस्ट्रीशीटर था। शुक्रवार की रात करीब नौ बजे वह शराब के नशे में धुत होकर घर पहुंचा और पत्नी रानी देवी (45) से झगड़ा करने लगा। पत्नी से झगड़ने के बाद वह गांव की ओर चला गया। आधी रात घर लौटने के बाद चारपाई पर सो रही रानी की गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद गांव के समीप से रेलवे लाइन पर पहुंचा और ट्रेन के सामने छलांग लगा दी। ट्रेन की चपेट में आने से उसके चीथेड़ उड़ गए।

# दुग्ध समितियों को सक्रिय कर किसानों को दूध का दिलाया जाए उचित मूल्य : राज्यमंत्री

**कौशाम्बी।** कलक्ट्रेट स्थित उदयन सभागर में शनिवार को कारागार प्रभारी मंत्री सुरेश राही की अध्यक्षता में जिला योजना समिति की बैठक सम्पन्न हुई। जिला योजना समिति की बैठक में वर्ष 2022-23 के लिए रू. 24 हजार 745 लाख धनराशि परिव्यय को समिति द्वारा विचार-विमर्श कर अनुमोदित किया गया। वर्ष 2022-2023 के कुल प्राप्त परिव्यय के सापेक्ष प्रस्तुत जिला योजना के अन्तर्गत 6042.50 लाख पूॅजीगत मद में अनुमोदित किया गया है, जो कुल परिव्यय का 24.41 प्रतिशत है तथा परिव्यय में 5157.25 लाख एस.सी.पी. मद के अन्तर्गत अनुमोदित किया गया है, जो कुल परिव्यय का 20.84 प्रतिशत है। इस योजना में सामाजिक क्षेत्र के अन्तर्गत 1988.90 लाख रुपए का परिव्यय अनुमोदित किया गया है, जो कुल परिव्यय का 8.03 प्रतिशत है। केन्द्र पुरोनिर्धानित योजना के अन्तर्गत रू0 11732.00 लाख का परिव्यय अनुमोदित किया गया है, जो कुल परिव्यय का 47.41 प्रतिशत है। जिला योजना के अन्तर्गत कृषि विभाग-के तहत रू. 32 लाख की धनराशि अनुमोदित की गई है।

अधिकारियों के साथ बैठक करते राज्यमंत्री

अनुमोदित धनराशि में से 19.20 लाख रुपए एस.सी.पी. मद के अंतर्गत रखा गया है, कुल धनराशि से किसानो को आधारी बीज एवं तिलहन का वितरण किया जाता है। इसी प्रकार पशुपालन विभाग-के तहत कुल रू0 165.56 लाख अनुमोदित किया गया है। इसके अन्तर्गत रू. 107.56 लाख से पशु चिकित्सा एवं स्वास्थ्य तथा रोग निदान सेवाओं का सुधार एवं विस्तार, रू. 42 लाख से गाय एवं भैंसों में कृत्रिम गभार्धान द्वारा पशु प्रजनन सुविधाओ का सुधार एवं विस्तार तथा बैफ के माध्यम से प्रजनन की सुविधायें उपलब्ध कराना, रू. 06 लाख से भेड प्रजनन प्रक्षेत्रों की स्थापना एवं स्वास्थ्य सेवाओं को उपलब्ध कराना तथा रू. 10 लाख से 10 सूकर प्रजनन प्रक्षेत्रो का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण कार्य कराया जाना अनुमोदित किया गया है। दुग्ध विकास विभाग-के तहत कुल रू0 91.87 लाख की धनराशि अनुमोदित की गयी है, जिसमें रू0 6.10 लाख से दुग्ध उत्पादन में वृद्धि हेतु दुग्ध उत्पादकोंध्समितियों का तकनीकी निवेश, रू0 72.77 लाख से दुग्धसंघोंध्समितियो का सुदृढ़ीकरण, पुनर्गठन, विस्तार तथा रू0 13 लाख से कृषकों को प्रशिक्षण आदि कार्यो हेतु रखा गया है। सहकारिता विभाग-के तहत कुल रू0 149 लाख अनुमोदित किया गया है। इसके अन्तर्गत सहकारी समितियों द्वारा पूर्व में निर्मित जर्जर गोदामों की मरम्मत व निर्माण कराये जाने के लिए अनुमोदित किया गया है। वन विभाग-के तहत वानिकी के लिए कुल 919.81 लाख रू0 का परिव्यय अनुमोदित किया गया है। शहरी क्षेत्रों में वृक्षारोपण कराये जाने के लिए रू0 80.43 लाख तथा सामाजिक वानिकी योजना के अन्तर्गत 839.38 लाख रू0 का परिव्यय रखा गया है, जिसमें 235.94 लाख रू0 एस0सी0पी0 मद मे रखा गया है। इसके अंतर्गत शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में वृक्षारोपण, नये पौधे उगान आदि के माध्यम से सडकों के किनारे एवं सार्वजनिक स्थलों पर वृक्षारोपण कराये जाने के कार्य अनुमोदित है। ग्राम्य विकास के विशेष कार्यक्रम-यह योजना केन्द्र पोषित है, जिसमें 60 प्रतिशत केन्द्रांश एवं 40 प्रतिशत राज्यांश की धनराशि सम्मिलित है। इस योजना के अन्तर्गत कुल 82.78 लाख रू0 का परिव्यय अनुमोदित किया गया है, जिसमें 24.83 लाख रू0 एस0सी0पी0 मद में रखा गया है। एनआरएलएम योजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में बी.पी.एल. परिवार के लोगों की समूह गठित कर स्वरोजगार उपलब्ध कराया जाना है। सिचांई एवं जल संसाधन-यह केन्द्र पोषित योजना है, जिसमें 60 प्रतिशत केन्द्रांश एवं 40 प्रतिशत राज्यांश की धनराशि सम्मिलित है।

नई बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते सांसद विनोद सोनकर।

# जनपद को मिली दो बसों की सौगात

## सासंद ने दिखाई हरी झंडी,, सरांय अकिल से हलद्वानी तक जायेगीं बसें

**कौशाम्बी।** भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री व कौशाम्बी सांसद विनोद सोनकर ने शनिवार को कौशाम्बी डिपो मंझनपुर से दो बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सांसद विनोद सोनकर ने बताया कि कौशाम्बी डिपो जब से अस्तित्व मे आया है तब से लगातार बसों के संचालन मे बढ़ोत्तरी हो रही है और जल्द ही जनपद को और बसों का सौगात मिलेगी।

बतादे कि उक्त दोनो बसे सराय अकिल से चलकर हलद्वानी तक जायेंगी। इससे जनपद के लोगों को काफी सुविधा होगी। कार्यक्रम के दौरान पूर्व पूर्व विधायक शीतला प्रसाद पटेल, लाल बहादुर, जिलाध्यक्ष पुष्पा देवी, रमेश पासी, प्रेमचन्द्र चैधरी, संजय जायसवाल, बबलू गर्ग, सुनील मिश्रा, पिन्टू द्विवेदी, भूपेन्द्र सिंह, रमेश पाल, आदि दर्जनों कार्यकर्ता उपास्थित रहें। उक्त आशय की जानकारी सांसद के मीडिया प्रभारी राजेन्द्र पाण्डेय ने दी।

## सूचना नहीं मिलने पर डीएम से की शिकायत

**कौशाम्बी।** राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, सिराथू में पिछले पांच वर्ष के आय-व्यय का ब्यौरा मांगा गया था। लिखित और ऑनलाइन ज्ञापन भी डीआईओएस को सौंपा गया था। लेकिन तीन माह से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी जानकारी नहीं दी गई। शनिवार को आवेदक राजकुमार ने डीएम से शिकायत करते हुए कार्रवाई एवं आय व्यय का ब्यौरा मांगा है। कैंमा गांव निवासी राजकुमार ने बताया कि उसने सात दिसंबर को डीआईओएस कार्यालय से जन सूचना अधिकार अधिनियम के तहत सात बिंदुओं की जानकारी मांगी थी। जिसमें डीबीटी के माध्यम से पिछले पांच वर्ष कितने बच्चों को कितनी रकम भेजी गई, कितनी बार समितियों के साथ बैठक की गई, खेलकूद के लिए क्या-क्या सामग्री क्रय की गई, कंपोजिट ग्रांड की धनराशि से कितना भुगतान किया गया आदि की जानकारी मांगी गई थी। राजकुमार ने डीएम से शिकायत की है कि डीआईओएस कार्यालय के बाबू ने कॉलेज के जिम्मेदारों से सांठगांठ कर ली है। डीएम ने मामले की जांच कराकर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

# जनहित की मांगों को लेकर साकिपा ने प्रभारी मंत्री को सौंपा ज्ञापन

**कौशाम्बी।** समर्थ किसान पार्टी के नेता एवं जिला पंचायत सदस्य अजय सोनी ने शनिवार 25 मार्च को जिला योजना समिति की बैठक में शामिल होने आए जिले के प्रभारी मंत्री एवं प्रदेश कारागार मंत्री सुरेश राही जी को जनपद के विकास एवं जनहित को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। सौंपे गए ज्ञापन में जिले के गन्ना किसानों की सुविधा के लिए चीनी मिल एवं गन्ना क्रय केंद्र की स्थापना, सिराथू क्षेत्र में महिला महाविद्यालय की स्थापना करने, ग्रामीण अंचलों तक परिवहन की सुविधा किए जाने जैसी कई मांगे शामिल थीं। ज्ञापन स्वीकार करते हुए प्रभारी मंत्री ने समुचित कार्यवाही करने की बात कही है।

शनिवार को उदयन सभागार कलेक्ट्रेट मंझनपुर में जिला योजना समिति की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता जिले के प्रभारी मंत्री एवं प्रदेश कारागार मंत्री सुरेश राही ने की। बैठक के दौरान अजय सोनी ने पशुपालक किसानो के दूध का उचित मूल्य दिलाने, डार्क एरिया से कौशांबी

प्रभारी मंत्री को ज्ञापन सौंपते साकिपा चेयरमैन अजय सोनी

की मुक्ति दिलाने, पशुपालन और सिंचाई आदि से संबंधित कई मांगे उठाई। बैठक के बाद अजय सोनी ने प्रभारी मंत्री को एक 7 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। सौंपे गए ज्ञापन के माध्यम से प्रदेश सरकार से कौशांबी के कई क्षेत्र ले लिए तमाम जनहित की मांगे की गई जिनमे कौशांबी जनपद में गन्ना किसानों के हित में चीनी मिल और गन्ना क्रय केंद्र की स्थापना करने, सिराथू क्षेत्र में महिला महाविद्यालय की स्थापना करने, ग्रामीण अंचलों जैसे सिराथू ब्लॉक के खुझा से मंझनपुर होकर प्रयागराज तक सरकारी बस का संचालन करने, कमासिन माता मंदिर को पर्यटन स्थल घोषित करने, मोंगरी के ताल ब्लॉक सिराथू में सिंचाई की सुविधा विकसित करने जैसी मांगे शामिल थी। ज्ञापन स्वीकार करते हुए प्रभारी मंत्री ने समुचित कार्यवाही करने की बात कही है। इस अवसर पर अजय सोनी ने कहा कि जनपद के विकास एवं जनहित के लिए मेरा प्रयास और संघर्ष जारी रहेगा। इस अवसर पर सुरजीत वर्मा, विनय सिंह, वेद शुक्ला आदि मौजूद रहे।

## सरकार के एक वर्ष पूरे होने पर कौशाम्बी विकास पुस्तिका का विमोचन

**कौशाम्बी।** प्रदेश के राज्यमंत्री कारागार प्रभारी मंत्री सुरेश राही एवं सांसद विनोद सोनकर ने उत्तर प्रदेश सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर उदयन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में सूचना विभाग द्वारा प्रकाशित जनपद कौशाम्बी की विकास पुस्तिका का विमोचन किया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्षा अनीता त्रिपाठी, पूर्व विधायकगण संजय कुमार गुप्ता, लाल बहादुर एवं शीतला प्रसाद उर्फ पप्पू पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं जिलाधिकारी सुजीत कुमार, पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव एवं मुख्य विकास अधिकारी डॉ. रवि किशोर त्रिवेदी सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

# आरती के दौरान माइक में करंट आने से शिक्षक की मौत, परिजनों का बुरा हाल

**प्रतापगढ़।** विद्युत करंट की चपेट में आने से शिक्षक की आकस्मिक मौत हो गयी। शिक्षक की मौत से घर परिवार में कोहराम मच गया। वही इलाके में भी शोक छा गया। लीलापुर थाना के हण्डौर गांव निवासी पूर्व प्रधानाचार्य रामचंद्र त्रिपाठी के पुत्र कुलदीप त्रिपाठी 48 प्राथमिक विद्यालय मे शिक्षक थे। वह इन दिनों लक्ष्मणपुर ब्लाक के चंदापुर गांव में तैनात थे। शुक्रवार की रात गांव में सामूहिक देवी आरती हो रही थी। कुलदीप माइक पर आरती कर रहे थे। अचानक बिजली चली गयी और कुछ ही देर में बिजली फिर आ गयी। इस बीच माइक में करंट आ जाने से शिक्षक कुलदीप वहीं मूर्छित होकर गिर पड़े। आननफानन में परिजन उन्हें जिला अस्पताल ले गये। वहां

मृतक की फाइल फोटो

चिकित्सकों ने कुलदीप को मृत घोषित कर दिया। शव लेकर परिजन घर लौटे तो घर परिवार में कोहराम मच गया। जानकारी होने पर लीलापुर पुलिस शनिवार की सुबह मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा कर पीएम के लिए भेजवाया। कुलदीप के सरल स्वभाव व अच्छे व्यवहार को लेकर गांव में घटना से मातम छा गया। लालगंज टाउन एरिया के चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश, राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी के मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल, वरिष्ठ अधिवक्ता सुरेश मिश्र मदन, पूर्व अध्यक्ष विकास मिश्र, डा. वीरेन्द्र मिश्र, सौरभ मिश्र, पूर्व एसीएमओ डा. आरएस त्रिपाठी, प्रधानाचार्य सुनील कुमार शुक्ल, गणेश प्रताप सिंह आदि ने परिजनो से मिलकर दुख जताया। वहीं प्राथमिक शिक्षकों ने भी शनिवार को बैठक कर साथी के निधन पर श्रद्धा सुमन अर्पित किये।

## लापरवाही से बस चलाने पर रोडवेज संविदा चालक बर्खास्त

**प्रतापगढ़।** लापरवाही से बस चलाने की शिकायत पर रोडवेज बस के संविदा चालक को अधिकारियों ने बर्खास्त कर दिया। एआरएम की रिपोर्ट पर चालक के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज हुआ है। मामला सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो परिवहन विभाग मे हडकंप मच गया। बस में सवार यात्रियों में से किसी के द्वारा यह मामला टवीट करने से विभागीय अफसर सकते में आ गये। लालगंज के एआरएम पीके कटियार ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती बाइस मार्च को लालगंज डिपो की यात्री सेवा लखनऊ जा रही थी। नेशनल हाइवे पर लालगंज के मेढ़ावां के पास बस चालक कैलाशपति त्रिपाठी द्वारा लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने से यात्रियों तथा हाइवे किनारे मौजूद लोग बड़ी दुर्घटना से बचे थे। बस के परिचालक अरविंद पाण्डेय ने इसकी जानकारी अफसरों को दी। सोशल मीडिया में भी चालक की करतूत वायरल हो गयी। शासन तक मामला पहुंचा तो निगम के अफसर सन्न रह गये। एआरएम की तहरीर पर आरोपी चालक कैलाशपति के खिलाफ पुलिस ने लापरवाही से बस चलाने का मुकदमा दर्ज किया है। एआरएम ने बताया कि घोर लापरवाही के आरोप में संविदा चालक की संविदा तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी गयी है।

# कलश यात्रा में उमड़ी भीड़, गाए मंगल गीत

**प्रतापगढ़।** बाघराय थाना क्षेत्र के गोगौर गाँव में शनिवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा मुख्य यजमान अशोक कुमार पांडेय व स्मृतिशेष उर्मिला देवी के घर से शुरू हुई। वहाँ आचार्यों द्वारा पूजन करने के बाद पूरे गांव की परिक्रमा व दर्शनोंपरांत पुनः यज्ञ पंडाल पहुंची। कलश यात्रा की शुरूआत में यज्ञाचार्यों द्वारा कलश यात्रा में शामिल महिलाओं के कलश में मंत्रोच्चारण के साथ जल भरवाया गया। कलश यात्रा को पंडितों ने मंत्रोच्चारण के साथ यज्ञ मंडप में प्रवेश कराया गया। इस मौके पर महिलाओं ने मंगल गीत गाये। कथा वाचक श्री परमपूज्य व्यास पीठाचार्य स्वामी सुदर्शनाचार्य जी महाराज अलवर राजस्थान ने बताया कि भागवत कथा का आयोजन करने व श्रवण करने से अनेकों लाभ हैं। श्रीमद भागवत कथा का आयोजन कराने वाले व सुनने वाले व्यक्तियों-परिवारों के पूर्वजों को शांति व मुक्ति मिलती है। इसे सुनने से श्रद्धालुओं की सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती है।

कलश यात्रा में शामिल लोग

कलश यात्रा में भारी संख्या में महिलाएं, पुरुष व बच्चे शामिल रहे। इस दौरान शरद कुमार शुक्ल, अंजुल कुमार शुक्ल, विनोद कुमार त्रिपाठी, डॉ विष्णु प्रसाद शुक्ल, इं शिवप्रकाश शुक्ल, रवि प्रकाश शुक्ल, डॉ अखण्ड कुमार पांडेय, आनंद पाण्डेय, धर्मेंद्र पाण्डेय, अरविंद पाण्डेय, इं भूपेंद्र पाण्डेय, अभिषेक पाण्डेय, एवं ग्रामवासी मौजूद रहे।

## बदमाशों ने घर में घुसकर लेखपाल को पीटा, की लूटपाट

**पट्टी।** बोलेरो सवार बदमाशों ने घर में घुसकर लेखपाल की पिटाई कर दी। मोबाइल व नकदी छीन कर धमकी देते हुए फरार हो गए। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के उड़ैयाडीह पृथ्वीगंज रोड स्थित लेखपाल शीतला प्रसाद सरोज की रेडीमेड कपड़े की दुकान है। वह दुकान के सामने तख्त पर सो रहे थे। रात लगभग दो बजे उड़ैयाडीह बाई पास से बोलेरो सवार दो लोग हाथ में टार्च व डंडा लेकर आए। तख्त पर सो रहे लेखपाल को बुलाया उनकी पिटाई शुरू कर दी। शोर मचाने पर मोबाइल फोन व नकदी छीनकर पृथ्वीगंज की तरफ फरार हो गए। बदमाशों की करतूत लेखपाल की दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पीड़ित लेखपाल ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर वापस चली गई। शनिवार सुबह पीड़ित ने घटना की तहरीर पट्टी कोतवाली में देकर कार्रवाई की मांग की है।

कार्यक्रम को संबोधित करते ब्लाक प्रमुख

## सांगीपुर ब्लाक विकास का बनेगा माडल : ब्लाक प्रमुख

**प्रतापगढ़।** सांगीपुर बपक में शनिवार को क्षेत्र पंचायत प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई। पुलिस की मौजूदगी में हुई बैठक में ग्रामीण विकास से जुडी योजनाओं पर आम सहमति से प्रस्ताव पारित हुए। बैठक में कुछ जिम्मेदार अफसरों की गैरहाजिरी को लेकर सदस्यों ने एतराज जताया। पंचायत समिति की बैठक ब्लाक प्रमुख अशोक सिंह बब्लू की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में खण्ड विकास अधिकारी अपर्णा सैनी ने संचालित विकास योजनाओं की प्रगति से सदस्यों को अवगत कराया। बैठक में शिक्षा विभाग तथा विद्युत विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों की गैरहाजिरी पर कुछ देर शोरशराबा होता रहा। प्रमुख अशोक सिंह बब्लू ने कहा कि विकासखण्ड के प्रत्येक गांव में ग्रामीण विकास को समान रूप से प्राथमिकता दी जा रही है। सांगीपुर ब्लाक को विकास का मॉडल ब्लाक बनाए जाने के संकल्प पर करतल ध्वनि से सदस्यों ने स्वागत किया। उन्होने कहा कि ब्लाक हर योजनाएं जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाई जाएगी। संचालन सहायक विकास अधिकारी भूपेन्द्र तिवारी ने किया। इस मौके पर अशोकधर द्विवेदी, रिंकू सिंह परिहार, लल्लन सिंह, प्रधान संघ अध्यक्ष रोहित सिंह, महेन्द्र सिंह आदि मौजूद रहे।

## पति समेत छह पर दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज

**कौशाम्बी।** मंझनपुर कोतवाली के खोरा गांव में विवाहिता को को ससुरालियों ने दहेज के लिए पीटते हुए घर से निकाल दिया। दोनों परिवार के बीच बिरादरी के बीच पंचायत भी हुई पर, बात नहीं बन सकी। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर आरोपित पति समेत छह लोगों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। कोखराज कोतवाली के केशव नगर भरवारी की काजल का विवाह साल भर पहले खोरा गांव में सुनील कुमार के साथ हुआ था। विवाहिता ने बताया कि शादी में मिले दहेज से ससुराली संतुष्ट नहीं थे। मायके से एक लाख नकदी के साथ बाइक की मांग कर प्रताड़ित कर रहे थे। मांग पूरी नहीं होने पर ससुरालियों ने महीने भर पहले पिटाई करते हुए घर से निकाल दिया। पीड़िता की तहरीर पर मंझनपुर पुलिस ने आरोपित पति सुनील के साथ कामता प्रसाद, रामबाबू, राधिका समेत छह लोगों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कर लिया।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए

## वित्तीय जागरूकता के लिए कार्यशाला का आयोजन

**प्रतापगढ़।** कैशपॉर माइक्रो क्रेडिट संस्था द्वारा शनिवार को चिलबिला में संस्था के गरीब सदस्याओं को वित्तीय जागरुकता के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। कैशपॉर संस्था गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाली सदस्याओं को वित्तीय सहायता के साथ स्वास्थ्य व शिक्षा की सुविधायें भी प्रदान करती है। जिससे सदस्यों की आर्थिक स्थिति को सुधारने के साथ-साथ वह अपने परिवार की बीमारी और बच्चों के शिक्षा पर ध्यान दे सके और खुद का जीवन स्तर ऊपर उठा सके। कैशपॉर प्रतिवर्ष ऐसे कार्यशाला का आयोजन करता है। इस आयोजन मे संजय कुमार उप आंचालिक प्रबन्धक के द्वारा सदस्याओं को जागरूक किया गया। आयोजन में दर्जनों ग्रामीण महिलाएं व पुरुष शामिल हुए। इस मौके पर डी आर एम संजय कुमार, एआरओ रोशनलाल, बीएम वीर बहादुर कुशवाहा, आरओई रजनीश वर्मा, आरओई रीना देवी, सीएम उरमान अहमद, राजकपूर, सुधीर सिंह अपूर्व जयसवाल और मंगल श्रीवास्तव आदि लोग मौजूद रहे।

# प्रदेश सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा नेताओं ने गिनाई उपलब्धियां

**प्रतापगढ़।** प्रदेश सरकार के एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के मौके पर शनिवार को मुख्यमंत्री द्वारा लोक भवन लखनऊ में सरकार के कल्याणकारी कार्यक्रमों पर आधारित पुस्तिका का विमोचन किया गया जिसका सजीव प्रसारण राजकीय इण्टर कालेज प्रतापगढ़ के परिसर में किया गया। सजीव प्रसारण का अवलोकन सांसद संगम लाल गुप्ता, विधायक सदर राजेन्द्र कुमार मौर्य, विधायक विश्वनाथगंज जीत लाल पटेल, हरिओम मिश्र, डीएम डा0 नितिन बंसल, एसपी सतपाल अंतिल, सीडीओ ईशा प्रिया, एडीएम त्रिभुवन विश्वकर्मा द्वारा किया गया। जनपद की विधानसभावार पुस्तिका का विमोचन किया गया।

इस मौके पर सांसद ने कहा कि सुशासन, विकास, रोजगार के तहत डबल इंजन की सरकार ने सबका साथ-सबका विकास-सबका

कार्यक्रम में उपस्थित लोग

विश्वास-सबका प्रयास की सोच के साथ देश, प्रदेश एवं जनपद का चहुमुखी विकास किया है। पात्र व्यक्तियों को शासन द्वारा संचालित सभी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। जनपद की उपलब्धियों को गिनाते हुये कहा कि जहां पहले जनपदों में 03 या 04 नगर पंचायते हुआ करती थी आज जनपद में 18 नगर पंचायतों का गठन हुआ है। कार्यक्रम में मौजूद सांसद व विधायकों ने बारी-बारी से प्रदेश व केंद्र सरकार की हर योजनाओं को गिनाते हुए जमकर बखान किया। भाजपा नेताओं ने हर क्षेत्रों में सरकार द्वारा किये जा रहे विकास के मॉडल को विस्तार से बताया। इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा नेता कार्यकर्ता व जिला स्तरीय अधिकारी आदि मौजूद रहे।

# अखिलेश का सम्मान हिंदी की प्रतिबद्ध आवाज का सम्मान है

**सम्मान**

जगन्नाथ दुबे

प्रसिद्ध कथाकार और तद्भव जैसी महत्वपूर्ण पत्रिका के संपादक अखिलेश को उनकी नई पुस्तक अक्स के लिए 'रवीन्द्र कालिया स्मृति कथा कथेतर सम्मान' देने की घोषणा की गयी है. नई कहानी के तुरंत बाद हिंदी कहानी में जो पीढ़ी आई उसके सशक्त हस्ताक्षर रवीन्द्र कालिया जी की स्मृति में कहकशां फाउंडेशन ने इसी वर्ष इस पुरस्कार की शुरूआत की है. पहला रवीन्द्र कालिया कथा कथेतर सम्मान देते हुए निर्णायक मंडल ने जो टिपण्णी की उससे यह समझा जा सकता है कि आखिर इस सम्मान का क्या महत्व है और यह अखिलेश को मिल रहा है तो इसका क्या महत्व है? प्रशस्ति पत्र में लिखा गया है कि 'रचनाकार रवीन्द्र कालिया की स्मृति में कहकशां फाउन्डेशन वर्ष 2023 का प्रथम रवीन्द्र कालिया कथा कथेतर सम्मान सुप्रसिद्ध कथाकार श्री अखिलेश को उनकी कथेतर कृति 'अक्स' के लिए प्रदान करते हुए हर्ष अनुभव कर रहा है. सेतु प्रकाशन से आई अखिलेश की यह पुस्तक 'अक्स' हिंदी समाज व साहित्य के गतिशील और सचेत चरित्रों का मौलिक संकलन है जिसमें समय व समाज अपनी संवेदना सहित व्यक्त हुआ है. अपने जन्मस्थान सुल्तानपुर की आत्मीय छवियों के साथ लेखक ने परिवार, परिवेश और साहित्यिक व्यक्तियों के आत्मीय संस्मरण लिखे हैं. इन स्मृतियों में आत्मीयता, आह्लाद,आवेग,पीड़ा और विषाद के मिले जुले अक्स हैं. एक प्रतिबद्ध लेखक के नाम पर शुरू किया गया पहला सम्मान अखिलेश जैसे सजग-सचेत और प्रतिबद्ध रचनाकार को मिल रहा है यह पुरस्कार की भी सार्थकता है और प्रदान करने वालों की भी. अखिलेश अपने समकालीनों या वरिष्ठों में जिस रचनाकार के साथ सबसे ज्यादा संवादी रहे वे कालिया जी ही हैं. जिस पुस्तक पर यह सम्मान मिल रहा है उसके एक बड़े हिस्से में कालिया जी उपस्थिति दिखाई देती है. अभी इसी पुस्तक पर कलिंग लिटरेचर फेस्टिवल द्वारा नान फिक्शन के अंतर्गत दिया जाने वाला सम्मान प्रदान किया गया है. पुस्तक में जिस तरह स्मृतियों, जगहों और व्यक्तियों के बहाने अपने वर्तमान का सृजन किया है उसने जहाँ इसे एक तरफ प्रतिबद्ध लेखन का उदहारण बनाया है तो दूसरी तरफ लोकप्रियता भी प्रदान की है. अभी एक वर्ष से भी कम समय में इसके दो संस्करण प्रकाशित हो चुके हैं. हिंदी समाज ने जितना पाठकीय प्यार और सम्मान इस किताब को दिया है उतना कम किताबों को नसीब होता है.

हिंदी कथा साहित्य में अखिलेश आपातकाल के बाद भारत की सामाजिक-राजनैतिक संरचना और चेतना के बदलाव को केंद्र में रखकर लिखने वाले कथाकार हैं. अखिलेश जी हिन्दी के उन बिरल कथाकारों में से हैं जिनके यहाँ भारतीय समाज और राजनीति की जटिल संरचना अपने पूरे यथार्थ रूप में अभिव्यक्त हो सकी है। भारतीय समाज-राजनीति और भारतीय राष्ट्र-राज्य में जिन्हें सबसे कम जगह दी गयी है, अखिलेश जी के लेखन में सर्वाधिक जगह उन्हीं के लिए सुरक्षित दिखाई देती है। 'आदमी नहीं टूटता' (कहानी संग्रह) से लेकर अब तक अंतिम प्रकाशित उपन्यास निर्वासन तक के लेखन पर अगर हम नजर डालें तो पाते हैं कि अखिलेश जी अपने सम्पूर्ण लेखन में भारतीय जन का महाआख्यान रच रहे हैं। 20वीं सदी के अंतिम दो दशकों में जिस तरह 'सभ्यता के नए-नए आवरणों' ने हमारे सामाजिक-राजनैतिक ढांचे को प्रभावित किया है उससे अखिलेश जी का कथाकार व्यक्तिव चिंतित दिखाई देता है। यह चिंता किसी भी रूप में यथास्थितिवाद के आग्रह से उपजी हुई चिंता नहीं है, इस चिंता के पीछे भारतीय जन की 'राजनैतिक स्मृति' (पॉलिटिकल मेमोरी) का विलोपन है। वे अपने लेखन में बार-बार भारतीय जन की राजनैतिक स्मृति के विलुप्त होते जाने को रेखांकित भी करते चलते हैं। क्या यह कम

आश्चर्यजनक है कि जिस समाज ने भक्ति आंदोलन जैसा अखिल भारतीय आंदोलन पैदा किया हो, जिस समाज ने इतनी महान ब्रिटिश हुकूमत की चूलें हिला दी हों उसी समाज में पिछले 50 वर्ष से कहीं कोई हलचल नहीं दिखाई दे रही है! प्रतिरोध की इतनी महान और सशक्त परंपरा वाले देश की राजनैतिक स्मृति अगर विलोपन का शिकार नहीं है तो आखिर यह समाज इतना शांत और निस्तेज क्यों है? यह चिंता अखिलेश जी के लेखन की केन्द्रीय चिंता है।

इस चिंता के साथ अखिलेश जी अपने लेखन में सदी के अंतिम वर्षों में उभरे उन अनेक सवालों से टकराते हैं जो भारतीय सामाजिक-राजनैतिक ढांचे को प्रभावित कर रहे थे। वे जहां एक तरफ अंतहीन शोषण के लगातार बदलते रूपों की शिनाख़्त करते हुये उसका प्रतिरोध रचते हैं वहीं दूसरी तरफ दरबारी पूंजी और बाजार के प्रवेश से राष्ट्र-राज्य के बदलते रूप और मानवीय सम्बन्धों में आने वाली दरार को भी रेखांकित करते हैं। इस संदर्भ में वजूद, यक्षगान, ग्रहण, जलडमरूमध्य, चिट्ठी, अगली शताब्दी के प्यार का रिहर्सल जैसी कहानियों का उल्लेख किया जा सकता है। वजूद कहानी के वैदजी का चरित्र सद्गति के पंडितजी से बहुत अलग नहीं है बल्कि कई मामलों में तो उनसे भी ज्यादा क्रूर और हिंसक है। सदी के संगम समय पर भारतीय राजनीति का कैसा जटिल चरित्र निर्मित हो रहा था इसे देखने के लिए अखिलेश जी की कहानियाँ पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराती हैं। 'बायोडाटा' समेत कई कहानियाँ ऐसी हैं जिनमें भारतीय लोकतान्त्रिक राजनीति का यथार्थ चित्र आपको देखने को मिलेगा। भारतीय राजनीति का भावी स्वरूप कैसा होगा इसकी सूचना अखिलेश जी राजदेव के माध्यम से दे रहे थे। नेहरूवियन पॉलिटिक्स के जमाने में अपनी राजनैतिक समझ विकसित करने वाले अखिलेश जी यह समझ रहे थे कि आने वाले समय में राजनीति में न्यूनतम समझदारी और नैतिकता की बात भी बेमानी है। राजदेव का चरित्र बहुत स्पष्टता से इस बात को दर्ज कराता है।

21वीं सदी के दो दशक बीत जाने के बाद भारतीय समाज जिन विकराल समस्याओं के समक्ष खड़ा है उनकी बहुत गहरी शिनाख़्त 20वीं सदी के अंतिम वर्षों में अखिलेश जी अपनी कहानियों में करते हुये दिखाई देते हैं। अखिलेश जी के लेखन में मानवीय सम्बन्धों के बीच पैदा हुई दरार और टूटन बहुत प्रभावी ढंग से दर्ज हुई है। सिर्फ दर्ज ही नहीं हुई इसके पीछे क्या वजहें हैं यह भी स्पष्ट हुआ है। पीढ़ियों के बीच का जो अंतराल है उसमें आपसी तालमेल की लगातार होती जा रही कमी को भी उन्होने रेखांकित किया है। इस संदर्भ में उनकी दो कहानियों 'जलडमरूमध्य' और 'अगली शताब्दी के प्यार का रिहर्सल' को देखा जा सकता है। जलडमरूमध्य कहानी में पिता(सहाय जी) गाँव,कस्बा और शहर के बीच उलझा हुआ है। गाँव से उसे प्यार है, कस्बे से जीवन और शहर में भविष्य। उसके सामने समस्या यह है कि इन तीनों में उसे किसी एक को चुनना है। अंत में वह गाँव को चुनते हैं। लेकिन जब वे गाँव पहुँचते हैं तो देखते हैं कि वह गाँव तो एकदम बदल चुका है जो उनके कल्पनालोक में वास करने वाला गाँव कहीं खो गया है। इस खोये हुये की पीड़ा के साथ जीना ही जैसे व्यक्ति की नियति हो। इतनी तेजी से सबकुछ बदल रहा है कि हम चाहकर भी कुछ भी नहीं बचा पा रहे। ऐसे में स्मृति को लेकर अगर अखिलेश जी का कथाकार सजगता बरतता है तो जाहिर सी बात है कि वह इन सबको बचाना चाहता है। स्मृति में सुरक्षित दृश्यों को सतह ओर देखना चाहता है। दूसरी कहानी है अगली शताब्दी के प्यार का रिहर्सल। कहानी का शीर्षक अपनी व्यंजकता में जार्ज ऑरवेल के उपन्यास 1984 की याद दिलाता है। जिस तरह उस उपन्यास का चरित्र 'बिगब्रदर' अपनी थॉट पुलिस के माध्यम से सबकुछ देख रहा होता है उसी तरह यह कहानी 21वीं सदी के प्यार को देख रही है। यह कहानी नई सदी के प्रेम की स्थितियां बयान करते हुये जैसे प्रेम जैसे मूल्य के वर्तमान रूप को चिढ़ा रही हो। प्रेम और आपसी सह-सम्बन्धों को पूंजी ने जिस तरह अपनी गिरफ्त में लिया है उसे यह कहानी बहुत सफगोई से दर्ज करती है। इसके साथ अगर हम अखिलेश जी की ही एक और कहानी 'हाकिम कथा' का भी स्मरण करें तो प्रेम और सम्बन्धों के बीच पूंजी के हस्तक्षेप को ज्यादा बेहतर ढंग से समझ पाएंगे।

अखिलेश जी के लेखन का सम्मान हिंदी की प्रतिबद्ध और जन सरोकारी आवाज का सम्मान है. अक्स को मिले इस सम्मान के लिए उन्हें हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं.

**( लेखक राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खैर, अलीगढ़ के हिंदी विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं, संपर्क 6389 003 142)**

## विजय पंजवानी की कविताएँ

### 1.पिता
साठ वर्ष की उम्र है
पाँच घंटे की नींद है
उस नींद में भी
घर के पैबंद सीते हैं
इस तरह
पिता जीते हैं।

### 2.उस अदृश्य ने
सारे जीवों को छोड़
उस अदृश्य ने
केवल मनुष्य के चारों ओर ही
बुना है
असमंजस का ताना-बाना
अब चाहे तो
कोई उसे षड्यंत्र समझे
या अपार संभावना।

### 3. शैतान
कुछ धड़कते दिलों ने
दूसरे धड़कते दिलों से
हालाँकि कुछ भी नहीं कहा
पर सुनते हैं -
शैतान खुदकुशी की बाबत
बहुत देर तक सोचता रहा।

### 4.गतिमान
पहले मुझे
पशुत्व ने आकर्षित किया
पर मैं जल्दी ही ऊब गया
फिर
देवताओं की ओर देखा
वहाँ ठहराव था
मैं गतिमान रहना चाहता हूँ।

### 5.सुबह
छुट्टियों में हॉस्टल से
घर आयी आलसी बेटी की तरह
बादलों की ओट में
कुनमुनाने से भी
इंकार कर रही है सुबह
इतनी स्निग्ध सौंदर्यमयी सुबह
ठीक बिना मेकअप बेटी की
तरह।

### 6.मित्र
दो मित्र हैं
इठलाते चल रहे हैं
रेल की पटरियों के साथ-साथ
अपनी मस्तियों में
मन किया गुनगुना लिया
पर सुर को
बेसुरा नहीं होने दिया
सजग हैं इनकी इन्द्रियाँ अभी सभी
देखे हुए की
अनदेखी नहीं कर सकते
ऐसे ही लोग
ज़िन्दा रखते हैं
शहर के शहर को।

### 7.मनुष्य
हालाँकि सभी मनुष्य हैं
अलग-अलग धर्मों को
मानने वाले
या कई न मानने वाले
कई मूर्ति-पूजा के विरोधी
कई पत्थर को भी पूजने वाले
और कई अद्वैतवादी
पर -'सभी मनुष्य हैं'
एक यही वाक्य
कितनी तो उम्मीद बनाये
रखता है

### 8.दलाई लामा
ये सारी बातें
मस्तिष्क में रच-बस गयी हैं
पर क्यों...
दरअसल उस दिन
मैं दलाई लामा पर लिखा
लम्बा लेख पढ़ रहा था...
उनके बचपन से लेकर
अब तक के चित्रों सहित
उसी लेख से मैंने जाना
कि तिब्बत में कोई
विशिष्ट बालक खोजा जाता है
उसे ही भविष्य का
दलाई लामा बनने का
प्रशिक्षण दिया जाता है
पर यह भी समझ रहा हूँ
कि हर बच्चा
चाहे किसी भी रूप-रंग,
जाति, धर्म या देश का हो
विश्वस्त प्रतिनिधि होता है
दलाई लामा का
फिर केवल एक ही बच्चे को
क्यों दलाई लामा समझकर
उसे बचपन से ही
इस पद के लिए
शिक्षित किया और साधा जाता
है?

### 9.उसकी रोटी
पहले धीमी आँच में
फुला-फुलाकर
रोटियाँ बनायीं
फिर उन पर घी चुपड़ा
साथ में शोरबे वाला गोश्त भी
रखा
कच्चे प्याज के साथ
अब देर रात
वह टिफिन लेकर निकल पड़ी
उसको उसकी रोटी देने
पहले तो आँखों से ही पी लिया
उसे
गाँव के रास्ते में मिले मर्दों ने
फिर रोज की तरह सवाल दागे
मानो खैरियत पूछी
अब वह सुनसान सड़क
के किनारे खड़ी है
बहुत देर बाद
उसके पास ही
एक ट्रक आकर रुका
ट्रक की खिड़की से निकले सिर ने
रोटी का टिफिन लिया
उसे गालियाँ देते हुए
वह खुश थी -
उसने उस तक उसकी
रोटी पहुँचा दी
अब वह प्रार्थना करते हुए
घर लौट रही है -
'वाहे गुरू.......
सुच्चा सिंह खाना ठंडा
होने से पहले ही खा ले।'

**(म. प्र. निवासी श्री विजय पंजवानी एक नेत्र चिकित्सक हैं। वे छोटी-छोटी कविताओं में जीवन के बड़े अर्थ भर देते हैं।)**

# 'राग रविदास' से गुजरते हुए

**मूल्यांकन**

अनिल कुमार पाण्डेय

मनुष्य होना भाग्य है और कवि होना सौभाग्य। मैं सोच रहा हूँ,जितना सोच रहा हूँ उतना ही पुस्तक में प्रवेश करता जा रहा हूँ। राग रविदास। अपनी तरह की पुस्तक। लालच और ऐश्वर्य की लालसा से काफी दूर कवि-शक्ति और कविता-सामर्थ्य को प्रकट करती हुई। एक महाकवि के सन्दर्भ में एक महत्त्वपूर्ण कवि का उद्बोधन। आलोचना से कविता का रसास्वादन। कितना कुछ। पढ़ रहा हूँ और महसूस कर रहा हूँ। सब सो रहे हैं, मैं जाग रहा हूँ। कविता जाग रही है। कवि अपना कार्य कर चुका है। नागरिकों के हवाले परिवेश है। पता नहीं है कि ऐसी जरूरी पुस्तकें उन तक पहुँच भी रही हैं कि नहीं? जिनके पास है , वह पढ़ रहे हैं या पढ़ पाने का समय निकाल पा रहे हैं या नहीं? कविता की बात है और बात है जड़ होते समाज में परिवर्तनगामी मनुष्यता की?। ऐसे में सोच रहा हूँ अन्यथा तो क्या फर्क पड़ता है?

यह पुस्तक कई अर्थों में कविता प्रेमी और विशेष कर मध्यकालीन हिंदी कविता में अभिरुचि रखने वालों के लिए महत्त्व की है। रविदास के विशेष और जरूरी पदों के संकलन से समाहित इस पुस्तक की जो भूमिका महत्त्वपूर्ण है। लगभग 66 पृष्ठ तक की यात्रा आपकी मानसिक स्थिति को निरंतर सक्रिय रखती है। यहाँ रविदास के आचार-विचार-व्यवहार के साथ-साथ वर्तमान स्थिति में उनकी उपयोगिता को लेकर जो बातें कही गयी हैं, उपयोगी हैं और नए विमर्श को जन्म देती हैं। 'पुरोहिती व्यवस्था' के 'बौद्धिक आतंक' से बचने की कोशिश में नितांत समकालीन विसंगतियों को संत रविदास के माध्यम से रखना और उस पर गंभीर चिंतन के लिए प्रेरित करना, इस पुस्तक की तमाम विशेषताओं में से एक महत्त्वपूर्ण विशेषता है।

यह दौर महज कोसने और खारिज करने के दौर में शामिल होता जा रहा है। खारिज करने वालों ने जिस बौद्धिकता से मध्यकालीन हिंदी कविता को खारिज करने का श्रम किया था उसी मूर्खता से कविता पर भी दाँव खेला। अब जब इस पुस्तक की भूमिका को पढ़ रहा हूँ तो मन में एक प्रश्न आ रहा है कि कवि और कविता को पानी पी-पीकर कोसने वाले संत रविदास के सन्दर्भ में आचार्य श्रीप्रकाश शुक्ल के ये वाक्य देख रहे हैं या नहीं-'आज भी उनकी स्वीकार्यता के पीछे उनके कवि की ही ताकत है जिसके सहारे वे एक वैकल्पिक दुनिया रच सके और आज की शब्दावली में एक वैकल्पिक आधुनिकता का संकेत कर सके।' मेरी जानकारी में आलोचना के विवेक में 'वैकल्पिक आधुनिकता' का प्रयोग दिलचस्प घटना न होकर एक मानवीय समझ है जिसे 'लोकवृत्त' के दायरे में रखकर बार-बार इस पुस्तक में समझाने की कोशिश की गयी है। श्रीप्रकाश शुक्ल जब यह कहते हैं कि 'वे स्वभाव से साधु थे और संस्कार से एक स्वाभिमानी कवि' तो कविता की सामर्थ्य और कवि की संघर्षधर्मिता फिर से परिभाषित हो जाती है।

श्रीप्रकाश शुक्ल संत रविदास के माध्यम से मध्यकालीन हिंदी कविता की अनिवार्यता को लक्षित करना नहीं भूलते हैं, 'यह व्यक्ति सत्ता की स्वीकृति का दौर था जहाँ संत कवियों की आवाज जातिगत प्रश्नों से टकराती हुई नये बनते सामाजिक सम्बन्धों को रेखांकित कर रही थी।' यह रेखांकन कई स्तरों पर होता है।विचार-आचार-संस्कार और फिर यहाँ तक कि व्यवहार के स्तर पर भी। यहाँ रविदास जैसे संत 'ईश्वर की अवधारणा को खारिज नहीं करते बल्कि उसको बदलने की कोशिश करते हैं। वे पश्चिमी दर्शन के उस अर्थ में आधुनिक नहीं हैं जहाँ ईश्वर की मृत्यु की घोषणा से आधुनिकता का जन्म होता है बल्कि ठेठ भारतीय देशज अर्थ में आधुनिक हैं जहाँ ईश्वर की सत्ता के बावजूद आधुनिक हुआ जा सकता है।' श्रीप्रकाश शुक्ल की आलोचना दृष्टि में सबसे बड़ा सबल पक्ष यही है कि वह उधार के विचारों से न तो कविता का मूल्यांकन करते हैं और न ही भाड़े की दृष्टि से कवि की आलोचना। उनके पास जो एक व्यापक सांस्कृतिक बोध और समाजिकता का भाव है, उसी के दायरे में कवि और कविता को देखते हैं और यह एक तरह से होना भी चाहिए।

श्रीप्रकाश शुक्ल अपनी दृष्टि में जड़ शास्त्रीयता के खिलाफ हैं। ऐसा होने के साथ वह 'शब्द-सत्ता' में लोक के साहचर्य को तो देखते ही हैं लोक-भाषा को लोकवृत्त के निर्माण में विशेष रूप से सहयोगी पाते हैं। वह कहते हैं कि 'लोकवृत्त के निर्माण में इस देशभाषा का बहुत महत्त्व है। इसी देशभाषा के महत्त्व के कारण संस्कृत के रामानंद की जगह हिंदी के क्रान्तिकारी रामानंद की स्वीकृति होती है जो कबीर व रविदास दोनों के गुरु होते हैं। इसी देशभाषा की गहरी समझ के कारण रविदास जैसे संत एक ऐसे लोकवृत्त का निर्माण करते हैं जहाँ एक स्वायत्त अस्तित्व और ज्ञान विस्तार की चेतना मौजूद रहती है। इसी आधार पर आत्म विस्तार भी होता है और जन्म आधारित विशेषाधिकार की आलोचना भी होती है।' यह अनावश्यक नहीं है कि इधर शुद्धतावादियों ने मिलकर न जाने कितनी देशभाषाओं के चेहरे पर उपेक्षा की राजनीति मढ़ दिया है। सच यह भी है कि यदि देशभाषाएँ न होंगी तो लोक जागृत न होगा क्योंकि चेतना और जागरूकता के जितने भी कवितांश हैं वह सब देशभाषा में हैं।शास्त्रीयता में ढोंग का विस्तार अधिक हुआ है, यह बार-बार इस पुस्तक की भूमिका में श्रीप्रकाश शुक्ल दिखाने की कोशिश करते हैं।

कबीर को 'ज्ञानी' के रूप में और रविदास को 'त्यागी' के रूप में देखने और समझने की दृष्टि आपको यहाँ से मिलती है। ज्ञान से कहीं अधिक जरूरत लोक को व्यवहार की है।रविदास नितांत व्यावहारिक होकर कार्य करते हैं जिनका अनुसरण करते हुए उनके अनुयायी भी उसी व्यावहारिक मनोवेग से सक्रिय हैं। ऐसा श्रीप्रकाश शुक्ल यथार्थ में देखते हैं और उसी देखे के आधार पर रविदास चिंतन की मीमांसा प्रस्तुत करने की कोशिश करते हैं। सफाई-व्यवस्था से लेकर जोड़ा घर तक की प्रकिया को समझना और पारम्परिक हिन्दू धर्म से उनकी तुलना करते हुए रविदास की श्रेष्ठता को दिखाना मात्र इनका उद्देश्य नहीं है अपितु एक जागरूक और व्यावहारिक संत की शिक्षाओं को जनसामान्य में सार्थक तरीके से प्रसारित होने की यथार्थता को महसूस करवाना भी है।

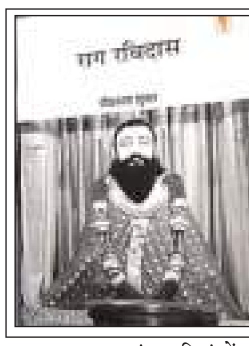

भाषा और भाव में यदि 'संवादी' प्रवृत्ति है तो निःसंदेह लोक-जीवन उससे संस्कार ग्रहण करता है। यह समाज और देश भी व्यवहार से चलता है। सिद्धांत तो महज साधनाओं के सहायतार्थ होते हैं जिनमें वैचारिकता जड़ होती जाती है और विचार निहायत ही मानसिक खुरापात। संत कवियों में जो हृदयगत व्यवहार देखने को मिला, यह उसी का परिणाम है कि लोक ने अपने मानस के अनुसार उनकी छवि को धारण किया और प्रचार-प्रसार किया, फिर बाद में उनकी मान्यताओं को अपनाकर सामाजिक सहभागिता की नींव डाली। संत कवियों पर बात करते समय पता नहीं क्यों हम अति बौद्धिकता का शिकार हो जाते हैं और लोक-प्रचलित धारणाओं के विपरीत जाकर अपनी ढपली बजाने लगते हैं। श्रीप्रकाश शुक्ल जब यह कहते हैं कि 'यह सांस्कृतिक स्मृति कहीं से भी इनकी समतापरक विशेषता को कमजोर नहीं कर रही थी बल्कि अपनी इसी स्मृति के करण समता के मूल्यों के प्रति जनता का ध्यान आकृष्ट कर रही थी' तो लगता है कि कवि ही कवि के भाव को शब्द दे सकता है, आलोचना के बस की बात नहीं

इसी पुस्तक में कुछ दूर चलने पर श्रीप्रकाश शुक्ल को माइक पर बजते आरती के पद को सुनते हुए विश्वास होता है कि 'सामाजिक विषमता दूर करने से पहले, ऐसा लगता है, रविदास जी सांस्कृतिक विषमता को सम्बोधित करना चाहते हैं और एक अपरिवर्तनीय जड़ समाज की संस्कृति चेतना को झकझोरना चाहते हैं।' रविदास की सांस्कृतिक समझ की परख लेते हुए श्रीप्रकाश शुक्ल जिस तरह से उनसे जुड़ी छोटी-छोटी बातों, किंवदंतियों के माध्यम से उनकी वैचारिक सामर्थ्य के साथ अपनी बात रखते हैं वह दिलचस्प है। ऐतिहासिक प्रसंगों के साथ अतीत और वर्तमान रचनाकारों की विचार-प्रक्रिया को उनसे जोड़ कर दिखाना निश्चित ही प्रभावित करता है और आलोचना में उनकी समझ और मध्यकालीन साहित्य-संस्कृति के प्रति जागृत विवेक की गवाही देता है। यह समझने की बात है कि समकालीन आलोचक जिस मध्यकाल से डर कर उसे पाठ्यक्रमों से निकालने की नसीहत देने लगता है, उसी को इतने सुरुचिपूर्ण ढंग से प्रस्तुत करने का यह विशेष उपक्रम आपको प्रभावित किये बिना नहीं छोड़ता।

श्रीप्रकाश शुक्ल की दृष्टि में 'समानता' को आधार मानकर 'सहभागिता' में परिणति खोजने वाली दृष्टि 'आवाहन' और 'आमन्त्रण' की राजनीति से दूर हटकर 'स्वतःस्फूर्त' भाव में विकसित होती है। यह स्वतःस्फूर्ति ही कविता का सबसे सबल पक्ष है और संत साहित्य का भी। रविदासिया धर्म की प्रतिष्ठापना से लेकर उसके लिए चलाए जा रहे अभियान तक इसी स्वतःस्फूर्त प्रक्रिया में शामिल है। देखना यह होगा कि जिस धर्म की वकालत यहाँ और अन्यत्र की जा रही है, वह अपने मूल स्वभाव में क्या बना रहेगा या फिर जड़ता की तरफ उन्मुख होते हुए अन्य जड़ताओं का पोषक होगा। वैसे तो धर्म की परिणति क्या होती है, शायद ही किसी से छिपी हो।

हिन्दू धर्म के पारंपरिक त्यौहारों और रविदास के भण्डारे के समय की सफाई व्यवस्था पर बात रखते हुए श्रीप्रकाश शुक्ल नितांत व्यावहारिक पक्ष रखते हैं जिस पर असहमत या सहमत हुआ जा सकता है। ऐसा लिखते हुए संभव है कि हिन्दू धर्म के अन्य सम्प्रदायों की यथास्थिति ओझल हो गयी हो उनसे जहाँ मैं अभी भी रविदासिया धर्म को एक संप्रदाय के रूप में ही देख रहा हूँ। जन्म स्थान आदि की सहमति अथवा असहमति में दिए गए तर्क विशेष अध्ययन और खोज पर आधारित हैं जिन पर उलझते हुए उतना ही श्रम करने की जरूरत है। फिलहाल अब मैं 'राग' में 'रविदास' को पढ़ रहा हूँ और आपको भी पढ़ने की सलाह देता हूँ। लम्बी भूमिका से गुजरते हुए चयनित पदों को पढ़ना एक अलग तरह के सुख और सुकून को प्राप्त करना है। आप निरंतर अच्छा कर रहे हैं जिसे कह कर पूरा नहीं किया जा सकता है। पढ़ कर कहने की कोशिश में हूँ तो अब उसी पर चल रहा हूँ।

इन दिनों मैं फगवाड़ा में बन रहे विशाल रविदास मंदिर के ठीक आस-पास रह रहा हूँ। कभी-कभी प्रांगण में जाना भी होता है। दिव्य अनुभूति होती है। इस पुस्तक हाथ में लिए हुए ऐसा आभास हो रहा है कि जैसे फगवाड़ा और काशी के बीच का कोई भेद नहीं रह गया है। श्रीप्रकाश शुक्ल वहाँ से लिख रहे हैं और मैं यहाँ बैठकर पढ़ रहा हूँ। पुस्तक पर आधिकारिक तौर पर सर का नाम है, होना भी चाहिए, लेकिन व्यावहारिक तौर मुझे समर्पित, यह मेरा सौभाग्य है। हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ।

**(सहायक प्राध्यापक, हिन्दी-विभाग, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, फगवाड़ा, पंजाब संपर्क-8528833317)**

# जिद और प्रतिबद्धता का परिणाम 'परिकथा' का शतक

**मूल्यांकन**

शंकरानंद

हिन्दी मे लघु पत्रिकाओं की स्थिति हाल के वर्षों में बद से बद्तर हुई है।कितनी ही पत्रिकाएं शुरू तो बहुत शोर शराबे और जिद के साथ होती हैं लेकिन कुछ ही अंकों के बाद उनका कोई पता नहीं चलता।वे पहले नियमित से अनियमित होती हैं फिर अनियतकालीन होकर बंद हो जाती हैं। ऐसे ढेरों उदाहरण हैं जो साबित करते हैं कि लघु पत्रिकाओं के लिए समय अनुकूल नहीं रह गया।एक अरब से ज्यादा की आबादी वाले देश में हर चीज के लिए जगह है।हर चीज के लिए बाजार है लेकिन हिन्दी की साहित्यिक और वैचारिक पत्रिकाओं के लिए जगह सिकुड़ रही है।उनके निकलने में दुनिया भर की मुश्किल है।कागज के मूल्य की लगातार वृद्धि,पत्रिका प्रकाशन के नियम-कानून,डाक अधिनियम और खर्च,बुक स्टॉल का चिप्स कार्नर में तब्दील हो जाना।विज्ञापनों का न मिलनोन जाने कितने ऐसे कारण हैं जो एक संपादक के लिए बेड़ी का काम करते हैं।पत्रिका निकालने के पीछे जो श्रम लगता है संपादक उसके लिए जान लगा देते हैं लेकिन उसे निकालने के लिए जो आर्थिक मजबूती चाहिए वह कहां से आए।अपनी जेब से पैसे लगाकर कोई कितने दिन साहित्य की सेवा कर सकता है!यही कारण है कि लघु पत्रिकाओं के लिए चुनौतियाँ हर कदम पर हैंइस आर्थिक संकट के कारण तो जो बड़े घरानों की व्यावसायिक पत्रिका थी,वे बंद होने के कगार पर हैं। कुछ तो बंद भी हो गई हैं।

ऐसे तमाम संकटों और मुसीबतों के बीच भी कुछ लघु पत्रिकाएं ऐसी हैं जो अनवरत निकल रही हैं।न जाने कितने उतार चढ़ाव आए लेकिन उन पर उसका असर नहीं हुआ। अगर कभी हुआ भी तो उसका एहसास पाठकों को नहीं हुआ।पत्रिका अपने समय पर आती रही,उनकी चर्चा होती रही और हर बार एक नया मील का पत्थर जुड़ता गया।उन पत्रिकाओं का होना ही एक भरोसे की तरह है।यही कारण है कि उनका बड़ा पाठक वर्ग है और लोग उसका इंतजार करते हैं।कोरोना जैसे कठिन समय में जब कि सब कुछ ठप पड़ गया था तब भी उसके संपादक सक्रिय थे और उन्होंने पत्रिकाओं के ई संस्करण निकाले और उसे पाठकों तक पहुंचाया।वे ऐसे संपादक हैं जो जिद और प्रतिबद्धता के साथ अपना काम चुपचाप कर रहे हैं।ऐसी ही एक पत्रिका है 'परिकथा' और उसके संपादक हैं- शंकर। अभी उसका सौवां अंक आया है।

'परिकथा' सत्रह वर्षों से अनवरत निकल रही है। इसके पहले अंक से सौवें अंक तक का सफर बेहद महत्वपूर्ण है। किसी लघु पत्रिका के लिए आज की परिस्थिति में सौ अंक पूरे कर लेना किसी चमत्कार से कम नहीं। इसके संपादक शंकर ने इसे संभव किया है।यह उनकी जिद और प्रतिबद्धता का ही परिणाम है।'परिकथा' की गिनती आज हिन्दी की महत्वपूर्ण पत्रिकाओं में होती है तो इसका एक कारण संपादक शंकर की दृष्टि भी है। उन्होंने हमेशा अपनी पत्रिका में रचना को प्रमुखता दी। चाहे वह नया हो या स्थापित रचनाकार। इससे फर्क नहीं पड़ता।नए लेखकों को उन्होंने जितना प्रोत्साहित किया वह हिन्दी में एक मिसाल है।आज न जाने कितने ऐसे युवा रचनाकार हैं जो पहली बार 'परिकथा' में छपे।न जाने कितने ऐसे रचनाकार हैं जिनकी रचनाओं को उन्होंने सुधारने में सहायता की।आवश्यक सुझाव दिए।जो कमी थी उसे दूर करवाया।तब जाकर वह प्रकाशित हुई और चर्चित भी। उन्होंने नए लेखकों को जगह देने के लिए 'नवलेखन अंक' के साथ साथ 'युवा यात्रा' की सीरीज ही निकाल दी। इसमें कविता, कहानी, आलोचना, सिनेमा जैसे अलग-अलग खंड प्रकाशित हुए।इस तरह इस पत्रिका ने पत्रिकाओं की भीड़ में अपनी एक जगह बनाई है।

इस अंक के संपादकीय की शुरूआत में ही शंकर लिखते हैं-'2006 से 2022 'परिकथा' के प्रकाशन के सत्रह वर्षों का यह कालखंड निःसंदेह बहुत बड़ा कालखंड नहीं है लेकिन कोई छोटा कालखंड भी नहीं है।इस दौरान समाज, साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में बहुत सारी हलचलें हुई हैं, बहुत सारे उलटफेर हुए हैं, बहुत कुछ बना बिगड़ा है।'यह सच ही है कि ये कालखंड एक तरफ पूंजी के ताकत की निरंकुश वृद्धि और व्यवस्था के अराजक और अदूरदर्शी होने का भी समय है। एक समूह ही इस साज़िश में लगा है कि कैसे सोचने-समझने की क्षमता को कुंद किया जाए। कैसे वैज्ञानिक सोच को कुचला जाए।आवाज को दबाने और धूल-धुसरित करने की एक नई प्रवृत्ति इन दिनों उभर कर सामने आई है इसलिए संकट अब पहले से ज्यादा गहरा है। सुखद है कि साहित्य अपनी जगह बचाने में और अपना प्रतिरोध दर्ज करने में आज भी उतनी ही मजबूती से तैनात है। तमाम निराशाओं के बावजूद उम्मीद अब भी बाकी है। आगे शंकर लिखते हैं-पिछले कुछ वर्षों की कई उपलब्धियां साहित्य की दुनिया को समृद्ध करने वाली, सुखद और आशा जगाने वाली भी है। साहित्य अब प्रिंट माध्यम के साथ साथ आनलाइन भी पढ़ा जा रहा है।वे आगे लिखते हैं कि-'हम परिकथा को पत्रिकाओं की प्रतिद्वंदिता से अलग रखते हुए इसे साहित्यिक पत्रकारिता के उच्चतम प्रतिमानों के अनुरूप बनाए रखने की कोशिश करेंगे।'ये संपादकीय की अंतिम पंक्तियां हैं।जो 'परिकथा; के उद्देश्य को स्पष्ट करती हैं

लगभग साढ़े तीन सौ पृष्ठ के सौवें अंक की शुरूआत डॉ शंभुनाथ के 'परिसंवाद' से होती है -भारतीय पुनर्निर्माण:नियति से नई मुठभेड़। यह महत्वपूर्ण आलेख हमारे समय और समाज की गहराई से पड़ताल करता है। चंचल चौहान का आलेख है-आजादी के बाद का भारत। प्रो.जवरीमल्ल पारख का आलेख'धर्मनिरपेक्ष भारत और साम्प्रदायिक राजनीति का बढ़ता वर्चस्व' हाल के वर्षों के संकट पर एक नई रोशनी देता है। विभूति नारायण राय का लेख विचार भूमि में 'स्पिनोजा का ईश्वर 'है ।महेश दर्पण कथाकार शेखर जोशी को याद करते हैं और उन पर लिखते हैं -'काश हम उनका शतक देख पाते।'उर्दू जगत में शकील सिद्दीकी का लेख है 'उर्दू है जिसका नाम।'यह लेख दो किश्तों में है। पुनर्पाठ में तरसेम गुजराल का लेख बलवंत सिंह के चर्चित उपन्यास 'काले कोस' पर 'साम्प्रदायिक साझेपन की तड़प और पुकार' है। प्रसंग में डॉ. अब्दुल बिस्मिलाह ने रोचक तरीके से लिखा है-नामवर सिंह यदि कहानीकार होते।सिनेमा खंड में डॉ. सूरज कुमार नई सदी के सिनेमा पर लिखते हुए हाल के वर्षों में आए बदलाव को दर्ज करते हैं तो डॉ. विजय शर्मा मनोरंजन के साधन और उनके भौंडे तामसिक प्रदर्शन पर लिखती हैं।

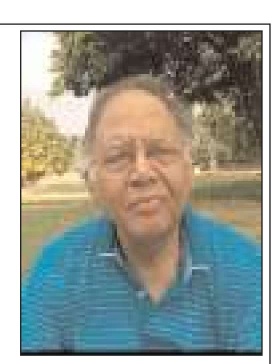

वैचारिक आलेख के साथ साथ इस अंक का रचना खंड भी बहुत समृद्ध है। रमाकांत श्रीवास्तव,हरियश राय, कुमार अंबुज,लोकबाबू,हरि भटनागर, नर्मदेश्वर, सूर्यनाथ सिंह, राजेन्द्र लहरिया, अवधेश प्रीत, उर्मिला शिरीष,अनुज, धनंजय चोपड़ा, सुषमा मुनीन्द्र, प्रज्ञा, सरिता कुमारी,मनीष वैद्य,चंदू तुलसी, अनीता रश्मि ,अजय मेहताब और शंकर जैसे कहानी के सशक्त हस्ताक्षरों की लगभग सत्ताइस कहानियां इस अंक में हैं।

अरुण कमल कविता में इन दिनों खूबसूरत प्रयोग कर रहे हैं और जल्दी ही उनका नया कविता संग्रह भी आने वाला है। यहां उनकी गद्य कविताएं लोककथाओं की शक्ल में हैं।

नरेश सक्सेना की पांच कविताएं हैं। पहली कविता है 'कोणार्क सूर्य मंदिर'। जिसकी पहली पंक्ति है -
सूर्य मंदिर के भीतर इतना अंधकार
यह मंदिर सूर्योदय का है कि सूर्यास्त का?
लेकिन यह बताने वाला कोई नहीं।

विजय कुमार, अशोक साह, राकेश रेणु, एकांत श्रीवास्तव,एस.आर.हरनोट,सुभाष राय, शहंशाह आलम, सुषमा सिंहा, डॉ भारती सिंह आदि की कविताएं इस अंक के कविता खंड में हैं। इसके अलावा डॉ सियाराम शर्मा,अनिल अनलहातु, विजय सती, हीरालाल नागर, अंचित, अनवर शमीम और चंद्रेश्वर की समीक्षा हाल के चर्चित किताबों पर है। गतिविधियां भी इस अंक में हैं जिसमें 'कथांतर' के लोकार्पण की रपट तस्वीर के साथ है। आवरण जयंत का है। बंसीलाल परमार की फोटोग्राफी लाजवाब होती है।उनकी खींची एक खूबसूरत तस्वीर दूसरे कवर पर है। पाठक परिकथा के लिए कितने महत्वपूर्ण हैं इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सौंवे अंक की शुरूआत पाठकों के पत्र से होती है। कुल मिलाकर 'परिकथा' का सौवां अंक संग्रहणीय है।

**(संपर्क-क्रांति भवन,कृष्णा नगर, खगरिया, संपर्क ८९८६९३३०४९ )**

# दो लाख श्रद्धालुओं ने मां के दरबार में लगाई हाजिरी

**चतुर्थी तिथि**

## श्रद्धालुओं से पटे रहे होटल धर्मशाला रेलवे स्टेशन

जनसंदेश न्यूज

**मीरजापुर।** चैत्र नवरात्रि मेले के चौथे दिन शनिवार को करीब 2 लाख श्रद्धालुओं ने मां विंध्यवासिनी की चौखट पर हाजिरी लगाई और दर्शन पूजन किया। माता रानी के दर्शन के लिए चारों पहर आरती व श्रृंगार के बाद जैसे ही मंदिर के कपाट खुलता है वैसे ही कतारबद्ध श्रद्धालुओं द्वारा मां विंध्यवासिनी के जयकारा लगाते हुए दर्शन के लिए आगे बढ़ जाते हैं।

शनिवार का दिन होने के कारण भक्तों की भारी भीड़ धाम में देखने को मिली। धाम की गलियां दिनभर भक्तों से पटी रही। मंगला आरती के बाद जैसे ही गर्भ गृह के कपाट खुले मां विंध्यवासिनी के जयकारे के साथ धाम के समस्त गलियां गुंजायमान हो गई। पुरानी बीआईपी, नई वीआईपी के रास्ते आने वाले भक्तों गर्भ गृह में पहुंचकर गुड़हल कमल के फूल के साथ की गई रजत मणि हारो से बृहद मां का श्रृंगार के बाद माता के भव्य स्वरूप देख कर निहाल हो उठते हैं।

दर्शन व पूजन के दौरान पुलिस प्रशासनिक सुरक्षा व्यवस्था के साथ श्री विन्ध्य पंडा समाज के नेतृत्व में लोग लगे रहे।

दर्शन को कतारवद्ध भक्त

### ट्रेन का ठहराव हुआ कम तो अपने वाहन से पहुंच रहे हैं भक्त

चैत्र नवरात्र के दौरान विंध्याचल रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों का ठहराव कम होने से आस्था धाम में स्थित विभिन्न वाहन स्टैंड दो, चार पहिया वाहनों से पटी रहती है। ऐसे वाहनों के चलते या विंध्याचल में खाली मैदान में वहां नजर आ रहे हैं। वही बरतर तिराहा के आसपास प्रतिदिन सड़कों पर दर्शनार्थियों को जाम के झाम से जूझना पड़ रहा है। मां विंध्यवासिनी माता के दर्शन के बाद दुकानदारों पर हो रही खरीदारी से दुकानदार गदगद हैं। श्रृंगार और खिलौने की दुकानों के अलावा चुनरी माला की दुकानों पर ग्राहक खरीदारी में जुटे रहे। स्थानीय के साथ ही दूरदराज से बड़ी संख्या में श्रद्धालु के आगमन से देवी धाम में नारियल माला फूल प्रसाद बेचने वाली दुकानदार के चेहरे खिले हुए रहे।

### गंगा स्नान कर भक्त कर रहे हैं मां का दर्शन

**विंध्याचल।** चैत्र नवरात्र पर विंध्य धाम की समस्त गंगा घाटों पर भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। विभिन्न स्थानों पर वाहनों से उतरने वाले श्रद्धालु सीधे गंगा घाटों की ओर कुच करते दिखे। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने गंगा में डुबकी लगाने के बाद मां गंगा के पूजन बाद धाम की गलियों में सजी दुकानों से माला फूल प्रसाद लेकर बड़े श्रद्धा भाव से मां के दरबार की ओर जाने वाले गलियों में कतार में हो गए।

## मेला को सकुशल सम्पन्न कराए जाने के लिए की गयी समीक्षा

**मीरजापुर।** चैत्र नवरात्र मेला को सकुशल एवं निर्बाध रूप से सम्पन्न करायें जाने के दृष्टिगत जिलाधिकारी दिव्या मित्तल व पुलिस अधीक्षक द्वारा विन्ध्याचल स्थित प्रशासनिक भवन में चैत्र नवरात्र मेला 2023 को सकुशल एवं निर्बाध रूप से सम्पन्न करायें जाने के दृष्टिगत विन्ध्याचल स्थित प्रशासनिक भवन में अभी तक की सुरक्षा एवं व्यवस्था प्रबन्धन के सम्बन्ध में सभी सम्बन्धित अधिकारीगण एवं विभागाध्यक्षगण के साथ गोष्ठी कर समीक्षा की गयी तथा सम्बन्धित अधिकारीगण व विभागाध्यक्षगण को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर श्रीकांत प्रजापति, अपर जिलाधिकारी शिव प्रताप शुक्ला, क्षेत्राधिकारी सदर शैलेद्र त्रिपाठी, क्षेत्राधिकारी नगर परमानंद कुशवाहा, सहित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अधिकारियों को संबोधित करतीं डीएम व एसपी

## जूना अखाड़ा के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बूढ़ेनाथ मंदिर का किया निरीक्षण

### 26 मार्च को मंदिर का कपाट खोलेंगे महंत प्रेम गिरी महाराज

जनसंदेश न्यूज

**मीरजापुर।** नगर के बूढ़ेनाथ मंदिर का कपाट बंद होने की जानकारी मिलने पर पंच दशनाम जूना अखाड़ा के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत प्रेम गिरी महाराज शुक्रवार को मंदिर में पहुंचे। उन्होंने मंदिर के कपाट बंद होने की जानकारी ली। समस्या समाधान के लिए चल रहे कार्य को 25 मार्च को पूरा कर लिया जायेगा। गहन विचार विमर्श के बाद 26 मार्च को मंदिर का कपाट अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत प्रेम गिरी महाराज के द्वारा मंगला आरती के बाद खोला जायेगा। मंदिर के महंत डॉ. योगानंद गिरी ने मंदिर व्यवस्था में आ रही समस्या से आगत अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष को अवगत कराया। सावन माह में एक बार फिर समस्या सामने आने पर भक्तों ने रास्ता जाम किया था। तब जिला प्रशासन ने समस्या के समाधान के लिए सीवर का काम आरंभ कराया। जिसे कार्यदाई संस्था ने आधे पर ही काम छोड़ दिया। गत दिनों नाली का गंदा पानी एक बार फिर मंदिर में प्रवेश कर गया। उसके बाद से ही बाबा के उपेक्षा से खिन्न होकर मंदिर का कपाट अनिश्चित काल के लिए बंद कर दिया गया है। महंत डा. योगानंद गिरि ने बताया कि जिला प्रशासन के द्वारा 25 मार्च तक का अवसर लेने के साथी अधूरे काम को पूरा कराया जा रहा है। कार्य पूरा होने के बाद 26 मार्च को जूना अखाड़ा के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत प्रेम गिरी महाराज के द्वारा बाबा बूढ़ेनाथ बाबा का पूजन अर्चन कर भक्तों के लिए मंदिर का कपाट खोला जाएगा।

### भक्तों को चोर लगा रहे थे चूना, चढ़े पुलिस के हत्थे

**मीरजापुर।** चैत्र नवरात्र मेला विन्ध्याचल 2023 को सकुशल व निर्बाध रूप से सम्पन्न कराए जाने एवं श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पर्याप्त पुलिस बल का डिप्लायमेंट किया गया है। मेला क्षेत्र में व विभिन्न घाटों पर सादे वस्त्र तथा वर्दी में पुलिस बल की विभिन्न प्रकार की ड्यूटी एवं पुलिस टीम यथा एंटी चेन स्नेचिंग, एंटी थेफ्ट टीम, गुण्डा दमन दल, अभिसूचना इकाई, स्वाट टीम, एसओजी टीम सहित अन्य गठित टीमों को विन्ध्याधाम मेला क्षेत्र में सतत रूप से भ्रमणशील रहकर सतर्क दृष्टि रखते हुए संदिग्धों की चेकिंग करने के निर्देश दिए गए है। सीसीटीवी कैमरों एवं ड्रोन कैमरों के माध्यम से मेला में निगरानी की जा रही है। थाना विन्ध्याचल पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी। थाना विन्ध्याचल पुलिस बल दर्शनार्थियों की सुरक्षा हेतु मेला क्षेत्र व घाटों पर भ्रमणशील थे कि इस दौरान कुछ व्यक्तियों द्वारा आपस में मेला में आने वाले श्रद्धालुओं व दर्शनार्थियों के सामान की चोरी करने के बारें में योजना बनाई जा रही थी। थाना विन्ध्याचल पुलिस बल द्वारा दबिश देकर कुल 02 व्यक्तियों को पकड़ा गया। जिनके कब्जे से 03 स्मार्ट फोन तथा 03 की पैड मोबाइल तथा 11800 नगद बरामद किया गया।

## रामनवमी यात्रा के लिए सड़क, बिजली व्यवस्था दुरुस्त करने का निर्देश

**बैठक**

### सुरक्षा के लिए तैनात रहेंगे पुलिस के जवान : एसपी सिटी

### ड्रोन कैमरे से भी होगी निगरानी : एडीएम वित्त

जनसंदेश न्यूज

**मीरजापुर।** रामनवमी शोभा यात्रा को सकुशल संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन और शोभायात्रा समिति की बैठक जिला पंचायत सभागार में शनिवार को संपन्न हुई जिसमें नगर के जर्जर सड़कों, बिजली के तारों को दुरुस्त किए जाने का निर्देश एडीएम वित्त एवं राजस्व शिव प्रताप शुक्ला ने दी।

कहा कि नवरात्रि की नवमी तिथि पर निकलने वाले शोभायात्रा के मार्ग का संबंधित विभागीय अधिकारी निरीक्षण कर ले। मार्ग को दो दिन में दुरुस्त करा दिया जाए। यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की दिक्कत ना हो। उन्होंने बिजली विभाग के अधिकारी को लटक रहे बिजली के तार और पोल को ठीक कराने का निर्देश दिया। श्री शुक्ला ने निर्माण विभाग और नगर पालिका को समुचित व्यवस्था कर अवगत कराने को कहा। बैठक में सुरक्षा के लिहाज से किए गए सुरक्षा के बिंदुओं पर एसपी सिटी श्रीकांत प्रजापति ने जानकारी ली। बताया कि चौकस व्यवस्था के बीच अराजक तत्वों पर ड्रोन कैमरे से नजर रखी जाएगी। बैठक में विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष रामचंद्र शुक्ल, महेश तिवारी, नितिन अवस्थी, राज माहेश्वरी, रवि शंकर साहू, विशाल मालवीय, शिखा अग्रवाल, संतोषी निषाद, विनय मिश्रा अंकज, शिवांशु सिंह प्रांजल सिंह, गोपाल केसरवानी एवं पवन कुमार आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

रामनवमी यात्रा पर पदाधिकारियों के साथ मंथन करते अधिकारी

## प्रमोद तिवारी ने कहा कानून और जमीन से होगी जंग

**बोले कांग्रेस नेता**

### लूटने और लुटाने वाला बाहर

### आवाज उठाने वाले की सदस्यता समाप्त कर कारावास दे दिया

जनसंदेश न्यूज

**मीरजापुर।** नवरात्रि के चौथे दिन आदिशक्ति मां विंध्यवासिनी का दर्शन पूजन करने पहुंचे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी ने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि जिसने लाखों करोड़ों रुपया लूटा वह बाहर, जिसने लुटवाया वह भाजपा सरकार बाहर, जिसने दोनों के खिलाफ आवाज उठाई उसे 2 साल का कारावास की सजा और सदस्यता समाप्त कर दी गई है। कांग्रेस दो तरीके कानून और पालिटिकल जंग लड़ेगी। यह लड़ाई 1977 की तरह लड़ा जायेगा। मां विंध्यवासिनी का दर्शन करने के बाद कांग्रेसी नेता प्रमोद तिवारी ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि जो राहुल गांधी जी कहते थे, वही दोहरा रहा हूं। देश में लोकतांत्रिक संस्थाएं खत्म हो रही हैं। लोकतंत्र पर सीधा प्रहार हो रहा है। यह पहली बार हो रहा है जिसने लाखों करोड़ों रुपए लूटा वह अडाणी बाहर है, जिसने लूटवाया व भाजपा सरकार बाहर है। जिसमें दोनों के बारे में आवाज उठाई उसे 2 साल के कारावास की सजा देने के साथ ही सदस्यता समाप्त कर दी गई। कहा कि इसी को कलयुग, इसी को तानाशाही कहते हैं। जैसा की पुराने जमाने की लोग कहते थे खामोश करना कहते हैं। राहुल गांधी समेत पूरे कांग्रेसी और विपक्ष जेपीसी की बात कर रहा है। यह पहली बार हो रहा है जब सत्तारूढ़ दल सदन नहीं चलने दे रहा है। उन्हें डर है कि चोरी ना पकड़ी जाए। जब जांच होगी जेपीसी की तो जिस ने लूटा है वह भी दोषी साबित होंगे, जिसने लूटवाया है वह भी दोषी साबित होगा। इत्तेफाक यह हुआ कि राहुल गांधी ने आवाज उठाई उनकी सदस्यता गई। जिसमें पूरे विपक्ष ने आवाज उठाया तो उनकी आवाज खामोश कर दी गई। कहा कि देश में लोकतंत्र खतरे में है। जो लोग ऐसा महसूस करते हैं उन्हें एक मंच पर आना होगा। यह वक्त की जरूरत है। प्रमोद तिवारी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी कोर्ट में अपील करेगी। मंडे तक फाइल तैयार हो जाएगा। जिस पर कानूनी सलाह लेते हुए काम चल रहा है। इसके अलावा हम जनता के बीच जाकर पॉलिटिकल लड़ाई लड़ेंगे। 1977 में इंदिरा गाँधी की सदस्यता समाप्त कर उन्हें जेल भेजा गया था। संघर्ष के बाद इंदिरा गांधी फिर से 1978 में सत्ता में लौटी थी।

परिजनों के साथ दर्शन को जाते प्रमोद तिवारी

### बच्चों को स्वस्थ रखने के लिए दें उत्तम आहार : ओमप्रकाश

**जमालपुर।** शनिवार को ब्लाक सभागार में राष्ट्रीय पोषण अभियान के तहत बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की तरफ से स्वस्थ बालक बालिका स्पर्धा दिवस आयोजित किया गया जिसमें कुपोषित से स्वस्थ हुये पांच बच्चों को संयुक्त खंड विकास अधिकारी ओमप्रकाश यादव ने माल्यार्पण कर एक सेट बर्तन प्रदान कर प्रोत्साहित किया। उन्होंने बच्चों को स्वस्थ रखने के लिये उनके उचित खानपान पर ध्यान दिये जाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में अति कुपोषित(सैम) 30 बच्चों को एक किलो चना, एक किलो बादाम, एक किलो गुड़, दाल तेल एवं दलिया से भरी पोषण पोटली भी वितरित किया गया। प्रभारी बाल विकास परियोजना अधिकारी शशिकला देवी ने गर्भावस्था में गर्भवती महिलाओं के खान पान पर विशेष ध्यान देने के साथ बाल्यावस्था में बच्चों को दिये जाने वाले समुचित आहार के बारे में जानकारी दिया। इस दौरान एडीओ कृषि बुद्धि प्रकाश जाट, आयुष पाठक, कंचन देवी, पुष्पा देवी, नीलम तिवारी, सुशील कुमार, सावित्री देवी, विभा सिंह, मीरा देवी, सीमा देवी, रीता सहित, बबिता सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

## नहर निर्माण में घटिया सामग्री का उपयोग, किसानों में रोष

**हलिया।** क्षेत्र के सुखड़ा बांध से संचालित पवांरी कलां नहर के झाल निर्माण कार्य में घटिया सामग्री का उपयोग कर गुणवत्ताविहीन कार्य करवाए जाने पर क्षेत्रीय किसानों में रोष व्याप्त है। नहर की बनाई जा रही पुलिया और झाल निर्माण कार्य में घटिया निर्माण सामग्री का प्रयोग किया जा रहा है। पत्थरों को जोड़ने के लिए डस्ट और भस्सी का उपयोग किया जा रहा है। मानक विपरीत कार्य कराए जाने पर क्षेत्रीय किसानों ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों से गुणवत्ता पूर्ण कार्य कराए जाने हेतु ध्यान आकृष्ट करवाया है। किसान राघवेन्द्र सिंह, अतुल सिंह सुरेश पाल, सुनील पाल आदि ने बताया कि झाल निर्माण कार्य में घटिया सामग्री का उपयोग किया जा रहा है। पत्थरों की जोड़ाई के लिए भस्सी का उपयोग किया जा रहा है। किसानों ने निर्माण कार्य मानक के अनुरूप करवाए जाने हेतु सिंचाई विभाग के अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट करवाया है। इस संबंध में सहायक अभियंता हरिकेश ने बताया कि नहर के झाल निर्माण कार्य को गुणवत्ता पूर्ण करवाए जाने हेतु ठेकेदारों को निर्देशित किया गया है। मौके की जांच की जाएगी। घटिया सामग्री का उपयोग पाए जाने पर संबंधित ठेकेदार के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

निर्माण कार्य में घटिया सामग्री प्रयोग करते श्रमिक

## बिजली के शॉर्ट सर्किट से लगी आग

### 5 बीघे गेहूं की फसल जलकर हो गई राख

आग से जली फसल को देखते किसान

**लालगंज।** दुबार कला चक 65 गांव में शनिवार को दिन एक बजे खेत में लगा 11000 वोल्टेज का तार शॉर्ट सर्किट होने से गेहूं की फसल में आग लग गई। गेहूं के फसल के बीच ही धान का पुआल रखा गया था। पुआल में आग लगी और पुआल से बढ़कर गेहूं की फसल में लग गई। आग लगते ही ग्रामीण मौके पर इकट्ठा हो गए और आग बुझाने का प्रयास करने लगे। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे चौकी प्रभारी दुबार कला मय पुलिस टीम के साथ ग्रामीणों के सहयोग से आग बुझाने का प्रयास किया गया। आग बुझाते बुझाते संजय सिंह पुत्र भानू प्रसाद, सुमन सिंह पुत्र प्रेम नारायण, ओमप्रकाश पुत्र राजेंद्र प्रसाद, प्रेम नारायण भानु प्रताप,दीप कुमार पुत्र प्रेम नारायण, शंभूनाथ पुत्र बाबूलाल, अभयराज पुत्र रामबली, श्रीनाथ पुत्र रामबली, प्रहलाद पुत्र बाबूलाल, के लोगों का लगभग 5 बीघे की गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। हालांकि पुलिस और ग्रामीणों के सहयोग से जन लेटर के सहारे पानी की व्यवस्था कर आग बुझाने में किसी तरह सफल हुए मौके पर क्षेत्रीय लेखपाल पहुंच गए थे, फायर ब्रिगेड नहीं पहुंच पाई।

## प्रभारी मंत्री ने विकास पर आधारित पुस्तिका का किया विमोचन

**कार्यक्रम**

### प्रेसवार्ता में 6 वर्ष के कार्यकाल की गिनाई उपलब्धियां

### प्रेस वार्ता के दौरान मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम का किया गया लाइव प्रसारण

जनसंदेश न्यूज

**मीरजापुर।** प्रदेश सरकार के वर्तमान कार्यकाल को सफलतापूर्वक 01 वर्ष पूर्ण होने तथा कुल 06 वर्ष के कार्यकाल पूरे होने के शुभ अवसर पर सुशासन, विकास और रोजगार, डबल इंजन की सरकार की थीम पर जनपद के प्रभारी मंत्री मंत्री औद्योगिक विकास, निर्यात प्रोत्साहन, एन0आर0आई0 तथा निवेश प्रोत्साहन विभाग नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर प्रदेश स्तर पर लखनऊ में मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेशयोगी आदित्यनाथ द्वारा की गई प्रेस वार्ता का सजीव प्रसारण देखा गया। इस दौरान प्रभारी मंत्री ने जनपद के साथ साथ नगर, चुनार, मड़िहान, मझवां एवं छानबे विधानसभा के विगत 01 वर्ष में कराए गए विकास कार्यों एवं उपलब्धियों से संबंधित पुस्तिकाओं का विमोचन किया गया। इस अवसर पर विधायक नगर रत्नाकर मिश्र, मड़िहान रमाशंकर सिंह पटेल, जिला पंचायज अध्यक्ष राजू कनौजिया, जिला अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी बृज भूषण सिंह, जिलाधिकारी दिव्या मित्तल, पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्र, मुख्य विकास अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस उपस्थित रहें। मंत्री ने बताया कि वर्तमान सरकार में प्रदेश की कानून व्यवस्था सुदृढ़ हुई है। उन्होंने कहा कि गरीब व कमजोर वर्ग के लोगों के लिए अनेक योजनाएं संचालित है। प्रदेश सरकार द्वारा कमजोर वर्ग के लोगों को उज्जवला योजना के तहत गैस कनेक्शन, प्रधानमंत्री आवास, शौचालय राशन आदि उपलब्ध कराया जा रहा है तथा अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को विकास की मुख्य धारा से जोड़ा जा रहा है। उन्होने कहा कि उत्तर प्रदेश विकास, उद्योग एवं रोजगार के क्षेत्र में नई ऊंचाईया छूकर विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है जिससे आने वाले समय में उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश बनाने का सपना भी साकार होंगा। उन्होने कहा कि प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े प्रत्येक व्यक्ति को प्राथमिकता दिया जा रहा हैं। मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा 06 वर्ष में कराये गये कार्यो को बिना भेदभाव के प्रत्येक व्यक्ति तक लाभ पहुंचाया गया है जिससे गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वालों को प्रधानमंत्री आवास, मुख्यमंत्री, शौचालय, पेंशन आदि लाभ पूरी पारदर्शिता के साथ उपलब्ध कराया गया हैं। शिक्षित नव युवक युवतियों को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से स्वरोजगार के बेंहतर अवसर बढ़ी कम्पनियों के माध्यम से स्वाबलम्बी बनाने का कार्य किया जा रहा हैं। उत्तर प्रदेश में ग्लोबल इंवेटर्स समिट के बाद बड़े स्तर पर उद्योगो की स्थापना हो रही है जिसके लिये कम्पनियों के द्वारा अपने उद्योग लगाने की सहमति भी प्रदान की गयी हैं।

पुस्तक का विमोचन करते प्रभारी मंत्री

## संक्षेप

### ग्राम विकास अधिकारी की मौत पर जताया शोक

**राजगढ़।** विकास खंड मझवां के ग्राम विकास अधिकारी की सड़क दुघर्टना में हुई मौत पर समस्त कर्मचारियों में शोक का माहौल बना हुआ है जिसके बाद साथी कर्मचारियों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए शोक संवेदना व्यक्त करते हुए मृत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा। जनपद के विकास खंड मझवां में तैनात मनोज कुमार बिंद अपना सरकारी काम काज निपटाकर बाइक पर सवार होकर औराई बाजार की ओर जा रहे थे। इस दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार बाईक से जोरदार भिड़ंत हो गई जिसमें मनोज कुमार बिंद को गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोगों ने आनन फानन में नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां डाक्टरों ने उन्हें देखते ही मृत घोषित कर दिया। ग्राम विकास अधिकारी की आकस्मिक निधन की खबर पर पूरे जनपद के ग्राम विकास अधिकारियों में शोक की लहर दौड़ पड़ी। कार्यक्रम में राहुल सिंह, लक्ष्मी शंकर, प्रभात शुक्ला, दीपक त्रिपाठी, आशीष गुप्ता, विजय प्रताप, विजय कुमार, एडीओ संतोष कुमार, राकेश यादव, लेखाकार संतोष सिंह, अभय कुमार, विमल, सहित अन्य कर्मचारी एवं अधिकारीगण मौजूद रहे।

### किशोरी के पिता की तहरीर पर युवक के खिलाफ छेड़खानी व एससी-एसटी का मुकदमा दर्ज

**हलिया।** ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी 15 वषीर्या किशोरी के पिता ने बेटी के साथ छेड़खानी तथा जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करने तथा मारपीट करने का आरोप लगाते हुए गांव निवासी युवक पर छेड़खानी व पाक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कराया है। मुकदमा दर्ज कर पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। दी गई तहरीर में किशोरी के पिता ने आरोप लगाया कि बीते शुक्रवार शाम चार बजे के करीब पंद्रह वषीर्या बेटी पड़ोसी की सात वषीर्या बेटी के साथ गांव में सामान लेने के लिए दुकान पर जा रही थी कि रास्ते में गांव निवासी युवक बेटी के साथ छेड़खानी करने लगा बेटी के विरोध करने पर कपड़े फाड़ दिया। बेटी के शोरगुल मचाने पर युवक मौके से भाग निकला। घर आकर बेटी ने आपबीती भाई को बताया युवक के पिता से घटना की शिकायत करने के लिए उसके घर गया तो युवक का पिता जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए गाली गलौज देने लगा बेटे के मना करने पर मारपीट की। किशोरी की तहरीर पर पुलिस ने युवक बसंत लाल के खिलाफ छेड़खानी, पाक्सो एक्ट तथा उसके पिता के विरुद्ध मारपीट व एससी-एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। इस संबंध में थानाध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह ने बताया कि किशोरी के पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

### समाधान में किसी भी प्रकार की शिथिलता नहीं होगी क्षम्य

**लालगंज।** स्थानीय थाना परिसर में समाधान दिवस का आयोजन नायब तहसीलदार मधु जैन एवं थाना प्रभारी ज्ञानू प्रिया के अध्यक्षता में संपन्न हुआ। फरियादियों द्वारा कुल 6 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमें 2 का मौके पर निस्तारण किया गया। सभी प्रार्थना पत्र राजस्व से संबंधित थे। फरियादियों द्वारा प्राप्त प्रार्थना पत्रों का निस्तारण करते हुए नायब तहसीलदार मधु जैन ने लेखपालों को निर्देशित करते हुए कहा कि मौके पर जाकर फरियादी से मिलकर समस्या का समाधान करते हुए समय के अंदर रिपोर्ट प्रस्तुत करें इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता क्षम्य नहीं होगा। थाना प्रभारी ज्ञानू प्रिया ने लेखपालों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि फरियादी के समस्या को निस्तारण करने में यदि परेशानी समझ में आती है तो पुलिस बल का सहयोग ले फरियादियों की समस्या गुणवत्ता पूर्वक समाधान करे। कहा कि फरियादी की समस्या निस्तारण करते समय दो गवाहों का हस्ताक्षर जरूर बनवा लें सभी मामले राजस्व से संबंधित थे। इस अवसर पर थाना स्टाफ राजस्व निरीक्षक सूर्य वली विंद, नंदलाल, लेखपाल संघ अध्यक्ष अनूप कुमार पांडे, मनमोहन, सच्चिदानंद, मनोज सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

### कमिश्नर ने सुनी फरियादियों की फरियाद

**मीरजापुर।** शासन के निदेर्शानुसार मण्डलायुक्त विंध्याचल परिक्षेत्र डा0 मुथुकुमार स्वामी द्वारा थाना चिल्ह पर उपस्थित रह कर आने वाले आमजन की शिकायतें सुनकर निस्तारण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। इसी क्रम में थाना समाधान दिवस के अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर, नगर मजिस्ट्रेट, अपर जिलाधिकारी व क्षेत्रधिकारी नगर द्वारा थाना विन्ध्याचल पर, अपर जिलाधिकारी द्वारा थाना पड़री पर, तहसीलदार द्वारा थाना लालगंज पर, नायब तहसीलदार द्वारा थाना हलिया पर, तहसीलदार द्वारा थाना जिगना पर, अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन व तहसीलदार द्वारा थाना चुनार पर, क्षेत्राधिकारी चुनार व तहसीलदार द्वारा थाना जमालपुर पर, उपजिलाधिकारी चुनार द्वारा थाना अहरौरा पर, तहसीलदार द्वारा मड़िहान सम्बन्धित थाना प्रभारी निरीक्षक, थानाध्यक्ष व राजस्व विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारीगण के साथ थाने पर आने वाले आमजन की समस्याएं सुनकर मौके पर निस्तारण कराया गया तथा शेष मामलों के निस्तारण हेतु राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम को मौके पर रवाना किया गया ।

### सार्वजनिक जमीन कब्जा करना महंगा पड़ा, मुकदमा दर्ज

**मड़िहान।** तहसील क्षेत्र के फुलियारी गांव में सरकारी जमीन पर कब्जा करना महंगा पड़ गया। मना करने पर राजस्व टीम से भिंड गया। लेखपाल की तहरीर पर फुलियारी गांव निवासी चंदन पटेल पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। आरोप है कि गुरुवार को धारा चौबीस के तहत फुलियारी गांव में राजस्व विभाग की टीम पैमाईश करने राजस्व टीम पहुंची थी। पैमाइश के दौरान आरोपी चंदन पटेल मौके पर पहुंचा और राजस्व टीम से उलझ गया। टीम द्वारा बिरोध जताने पर जरीब छीन लिया और मारपीट करने पर आमादा हो गया। स्थानीय लोगों ने बीच बचाव किया। टीम बिना सीमांकन बैरंग तहसील लौट गयी। तहसीलदार से बताया गया कि सरकारी जमीन पर बिना किसी अधिकारी आदेश के निर्माण कार्य रोकने से खुन्नस खाये था। पैमाइस के दौरान उलझ गया। इंस्पेक्टर शैलेश कुमार राय ने बताया कि लेखपाल की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है।

### एडिशनल एसपी ने शीतला धाम में लगे मेले का लिया जायजा

**चुनार।** अदलपुरा शीतला धाम में लगे नवरात्र मेले का शनिवार को अपर पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह ने भ्रमण कर जायजा लिया गया। इस दौरान उन्होंने देवी भक्तों की भीड़ को देखते हुए पुलिस को निर्देशित दिया कि मंदिर पर आने वाले सभी देवी भक्तों के कतारबद्ध तरीके से जाने की व्यवस्था सुनिश्चित करें। दर्शनार्थियों को किसी प्रकार की कोई असुविधा न हो इसका विशेष ध्यान देने को कहां शीतला धाम से निकलने के बाद उन्होंने चुनार कस्बे में शांति व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस व रैपिड एक्शन फोर्स के साथ पैदल भ्रमण किया और पुलिस को निर्देश दिया कि वह मुश्तैद रहकर क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाये रखे। पैदल भ्रमण के बाद उन्होंने कोतवाली में पहुंचकर पुलिस कर्मियों के साथ समीक्षा बैठक किया। कहा कि समय से विवेचना का कार्य पूरा करें। इस दौरान पुलिस उपाधीक्षक उमाशंकर सिंह, कोतवाल त्रिवेणी लाल सेन व लव सिंह व पुलिस चौकियों के इंचार्ज उपस्थित रहे।

### मां से कामना की राहुल गांधी को सद्बुद्धि दें: नन्दी

**मीरजापुर।** जिले के प्रभारी मंत्री व कैबिनेट मंत्री नन्दगोपाल ने मां विंध्यवासिनी के दर्शनोपरांत पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि मैं मां से कामना करता हूं कि राहुल गांधी को सद्बुद्धि प्रदान करें। नन्दी ने कहा कि न्यायालय के फैसले का सम्मान करना चाहिए। राहुल हमेशा प्रधानमंत्री और पिछड़ों के विरुद्ध अनाप शनाप बोलते रहते है। जो जैसा करता है उसका फल भी उसी प्रकार से मिलता है। दर्शन के पूर्व मंत्री ने रोडवेज परिसर में आयोजित विंध्य महोत्सव के पंडाल में लगी प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। इस दौरान नगर विधायक रत्नाकर मिश्र, मड़िहान विधायक रमाशंकर पटेल, जिलाधिकारी दिव्या मित्तल, पुलिस अधीक्षक संतोष मिश्र इत्यादि लोग मौजूद रहे।

### एनडीपीएस एक्ट का आरोपी गिरफ्तार

**मीरजापुर।** एसपी द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में शनिवार को प्रभारी निरीक्षक शैलेश कुमार राय मय पुलिस बल द्वारा एनडीपीएस एक्ट से सम्बधित आरोपी हिमांशु केसरी पुत्र संतोष केसरी निवासी ग्राम मधुपुर थाना राबर्टसगंज जनपद सोनभद्र को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

### दुष्कर्म करने का आरोपी गिरफ्तार

**मीरजापुर।** थाना राजगढ़ पर 20 मार्च को थाना राजगढ़ क्षेत्रांतर्गत निवासी एक व्यक्ति द्वारा नामजद आरोपी के विरूद्ध नाबालिग पुत्री को बहला फुसलाकर भगा ले जाने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई थी। जहां एसपी के निर्देश के क्रम में प्र0नि0 राजगढ़ राणा प्रताप यादव मय पुलिस बल द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर पॉक्सो एक्ट से सम्बन्धित आरोपी संतोष पुत्र मोहन निवासी पकड़ी थाना राबर्टसगंज जनपद सोनभद्र को गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए जेल भेजा गया।

### सीओ चुनार ने सुनी जनता की समस्यायें

**जमालपुर।** शनिवार को थाना परिसर में क्षेत्राधिकारी चुनार उमाशंकर सिंह एवं नायब तहसीलदार संजय की देखरेख में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें अधिकारियों के द्वारा फरियादियों की समस्यायों को सुना गया। समाधान दिवस में राजस्व से संबंधित दो मामले आए।

## भविष्य में मणिपुर को राष्ट्रीय टीम के और मैच मिलेंगे, पूर्व भारतीय स्टार रेनेडी सिंह को उम्मीद

**इम्फाल।** पूर्व भारतीय स्टार रेनेडी सिंह उम्मीद कर रहे हैं कि फुटबॉल के प्रति जुनूनी उनके घरेलू राज्य मणिपुर को निकट भविष्य में राष्ट्रीय टीम के और अधिक मैचों की मेजबानी का मौका मिलेगा। मणिपुर से काफी लंबे समय से राष्ट्रीय टीम को फुटबॉलर मिल रहे हैं और वह अपने पहले अंतरराष्ट्रीय टूनार्मेंट की मेजबानी कर रहा है और तीन देशों के इस टूनार्मेंट में भारत के अलावा म्यामां और किर्गिस्तान की टीम खेल रही हैं। पूर्व मिडफील्डर रेनेडी 1998 से 2011 के बीच भारतीय टीम के लिये 66 मैचों में खेले थे। उन्होंने कहा, मैं 12 साल तक राष्ट्रीय टीम का हिस्सा रहा लेकिन कभी भी मुझे यहां एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। उन्होंने कहा, मणिपुर में तीन देशों के टूनार्मेंट में भारत के पहले मैच के लिए मुझे लगता है कि 25 से 30 हजार दर्शक पहुंचे थे। मैं मणिपुर के मौजूदा खिलाड़ियों के लिए वास्तव में बहुत खुश हूं।

# मैरीकॉम को हराने वाली नीतू ने विश्व चैंपियनशिप में किया कमाल, पहली बार स्वर्ण पदक जीती

### नीतू ने मंगोलिया की लुत्साइखान को मात दी, जजों ने सर्वसम्मति से नीतू के पक्ष में फैसला सुनाया, भारतीय मुक्केबाज ने 5-0 से मुकाबले को अपने नाम कर लिया

**नई दिल्ली।** हरियाणा की युवा बॉक्सर नीतू घणघस ने महिला विश्व बॉक्सिंग चैंपियनशिप में इतिहास रच दिया। उन्होंने शनिवार (25 मार्च) को 45-48 किलोग्राम भारवर्ग में स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। वह पहली बार विश्व चैंपियन बनी हैं। नीतू ने मंगोलिया की लुत्साइखान को मात दी। जजों ने सर्वसम्मति से नीतू के पक्ष में फैसला सुनाया। भारतीय मुक्केबाज ने 5-0 से मुकाबले को अपने नाम कर लिया। यह मुकाबला काफी रोमांचक था और दर्शकों के लिए आखिरी तक विजेता का अंदाजा लगामा मुश्किल था। मैच के नतीजे का एलान होने से पहले तक दोनों खिलाड़ी जीत का

जश्न मनाने के लिए तैयार दिख रही थीं, लेकिन अंत में भारतीय पहलवान ने जीत हासिल की और मंगोलिया की पहलवान को निराशा हाथ लगी।

***मैरीकॉम को हराकर चमकीं***

नीतू दुनिया की महान मुक्केबाज मैरीकॉम को हराकर चमकीं। मिनी क्यूबा के नाम से जाने जानेवाली नीतू के मुक्कों से अनुभवी भारतीय मुक्केबाज एमसी मैरीकॉम लड़खड़ा गई थीं। रिंग में मैच के दौरान मैरीकॉम को घुटने में चोट लगने के बाद राष्ट्रमंडल खेलों के 48 किग्रा के ट्रायल के बीच में ही हटने के लिए मजबूर होना पड़ा था। 6 बार की विश्व चैंपियन मैरीकॉम को सेमीफाइनल के पहले राउंड में ही नीतू ने धूल चटा दी थी।

***नीतू की उपलब्धियां***

नीतू ने 2017 में यूथ विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। यह टूनार्मेंट गुवाहाटी में खेला गया था। इसके बाद 2018 में यूथ एशियन चैंपियनशिप में भी वह स्वर्ण पदक जीती थी।

उन्होंने 2018 में फिर से यूथ विश्व चैंपियनशिप में कमाल किया था और चैंपियन बनी थीं। इसके अलावा 2022 में सोफिया बुल्गारिया में हुए स्ट्रेंडजा कप में स्वर्ण और 2023 में नई दिल्ली में हुई महिला विश्व बॉक्सिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।

## सुनील गावस्कर ने की धोनी की तारीफ, आईपीएल 2018 में सीएसके की जीत को बताया शानदार

**नई दिल्ली।** महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने दो साल के प्रतिबंध के बाद चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शानदार वापसी में खिताबी जीत को याद करते हुए टीम के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी

की तारीफ की और कहा कि अपने खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कराने की उनकी क्षमता ही उन्हें सबसे अलग बनाती है। आईपीएल का आगामी चरण 31 मार्च से शुरू हो रहा है। स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क से बात करते हुए गावस्कर ने 'कैप्टन कूल' धोनी के आईपीएल करियर को याद करते हुए कहा कि उन्होंने किस तरह से अपनी टीम के खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाया था। गावस्कर ने कहा, मुझे लगता है कि जब सीएसके ने वापसी की और ट्राफी जीती तो यह शानदार चीज थी क्योंकि टीम दो साल तक एक साथ नहीं थी और वे अलग फ्रेंचाइजी के साथ थे और अचानक उन्होंने फिर वापसी की। यह आपकी नेतृत्व काबिलियत के बारे में बताता है। सुनील गावस्कर ने आगे बात करते हुए कहा, ये आपको बताता है कि कैसे एक आदमी गैप के बाद टीम को साथ ला सकता है। एक गैप के बाद टीम को साथ लाना काबिल-ए-तारीफ है। मुझे लगता है कि उस सीजन उन्होंने जो शॉट खेले, मुझे याद है कि एक मैच में टीम को जीत के लिए आखिरी ओवर में 20 रन चाहिए थे और धोनी ने ऑफ स्टंप के बाहर से शॉट मारा, जो लॉन्ग ऑन पर छक्का गया था। हमने पहले भी धोनी से ये देखा है।

# विराट कोहली और अनुष्का शर्मा की फाउंडेशन का विलय, सेवा पहल के जरिए करेंगे लोगों की मदद

### पहले ये दोनों अलग-अलग संगठनों के जरिए लोगों की मदद कर रहे थे

**नई दिल्ली।** भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने सेवा पहल की शुरूआत की है। इस पहल के जरिए ये जोड़ा जरूरतमंद लोगों की मदद करेगा। इसके लिए विराट कोहली और अनुष्का ने अपने-अपने गैर लाभकारी संगठन का आपस में विलय कर दिया है। पहले ये दोनों अलग-अलग संगठनों के जरिए लोगों की मदद कर रहे थे।

विराट और अनुष्का के नए गैर लाभकारी संगठन का नाम सेवा रखा गया है। अनुष्का और विराट ने एक संयुक्त बयान जारी कर कहा, ॠखलील जिब्रान के शब्दों में दरअसल जीवन ही जीवन देता है- जबकि हम, जो खुद को दाता मानते हैं, केवल एक साक्षी हैं। इस

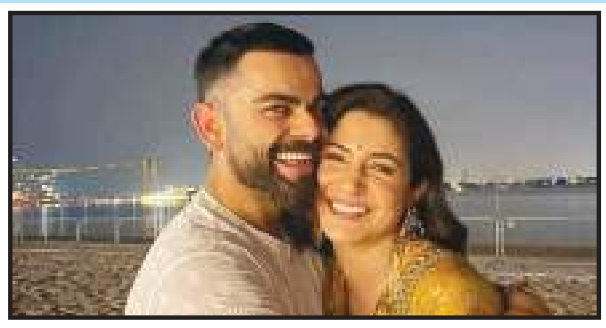

भावना को ध्यान में रखते हुए, ह्यसेवा' के माध्यम से हमने अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचने के उद्देश्य से एक साथ काम करने का फैसला किया है। सेवा' का कार्य किसी खास मुद्दे तक सीमित नहीं रहेगा, क्योंकि यह सामाजिक भलाई के लिए और मानवता के लिए लगातार काम करता रहेगा, जिसकी इस समय बहुत आवश्यकता है। विराट कोहली खेलों के उत्थान के लिए छात्रवृत्ति देना जारी रखेंगे। वह एथलीटों को प्रायोजित करने का काम भी करते रहेंगे। अनुष्का शर्मा जानवरों के हित से जुड़े कामों में सक्रिय रहेंगी। अपने नए संयुक्त संगठन सेवा के जरिए दोनों हस्तियां जरूरतमंद लोगों की पहचान करेंगी और उनकी मदद करेंगी। सेवा का उद्देश्य बड़े पैमाने पर समाज की मदद करना है। अनुष्का शर्मा बेटी के जन्म के बाद फिल्मों में ज्यादा सक्रिय नहीं हैं, क्योंकि वह एक माता के रूप में अपने दायित्व पूरे कर रही हैं और बेटी वामिका के साथ ज्यादा समय बिताती हैं। वह पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी के जीवन पर आधारित फिल्म चकदा एक्सप्रेस में नजर आएंगी। वहीं, विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के बाद आईपीएल में दिखाई देंगे।

## दिल्ली या मुंबई, कौन बनेगा डब्ल्यूपीएल चैंपियन? जानें किस टीम का पलड़ा भारी

**मुंबई।** विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की दो सबसे मजबूत टीमें दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियन्स टूनार्मेंट का पहला खिताब जीतने के लिये रविवार को यहां ब्रेबोर्न स्टेडियम पर होने वाले फाइनल में आमने-सामने होंगी। मेग लैनिंग की कैपिटल्स जहां अंक तालिका में शीर्ष पर रहकर सीधा फाइनल में पहुंची है, वहीं मुंबई एलिमिनेटर में यूपी वॉरियर्स को रौंदकर फाइनल का सफर पूरा किया है। डब्ल्यूपीएल का सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाली कैपिटल्स की ताकत उसकी बल्लेबाजी रही और कप्तान लैनिंग ने ऑरेंज कैप पहनकर टीम की सही मायने में अगुवाई की है। कैपिटल्स को भले ही लीग स्टेज में मुंबई और गुजरात जायंट्स के हाथों हार मिली, लेकिन यह फाइनल तक उसकी राह में दो मामूली झटके थे। दूसरी ओर, मुंबई ने टूनार्मेंट में अपनी शुरूआत 143 रन की विशालकाय जीत के साथ की थी। एक समय पर लग रहा था कि अजेय मुंबई सीधा फाइनल में पहुंचेगी, लेकिन लीग स्टेज में दो मैच हारने के बाद उन्हें एलिमिनेटर से होकर गुजरना पड़ा। हरमनप्रीत कौर की टीम ने एलिमिनेटर में वॉरियर्स को 72 रन से हराकर दिखा दिया कि वह पहले दिन से डब्ल्यूपीएल चैंपियन बनने की सबसे प्रबल दावेदार क्यों मानी जा रही थी। ब्रेबोर्न स्टेडियम पर खिताबी मुकाबले के लिये उतरते हुए मुंबई के सामने सबसे बड़ी चुनौती लैनिंग की कप्तानी की होगी। पांच बार टी20 विश्व कप जीतने वाली लैनिंग अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की सबसे सफल कप्तान हैं और निश्चित ही डब्ल्यूपीएल ट्रॉफी भी अपने नाम करना चाहेंगी। बल्लेबाजी में लैनिंग का साथ देने के लिये कैपिटल्स के पास विस्फोटक सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा और एलिस कैपसी भी मौजूद हैं। इसके अलावा अनुभवी हरफनमौला मरीजाने काप भी घरेलू दर्शकों के सामने मुंबई की जीत की उम्मीदों पर पानी फेर सकती हैं। काप अब तक टूनार्मेंट के आठ मैचों में 159 रन बनाने के अलावा नौ विकेट ले चुकी हैं। दिल्ली के प्रशंसकों की निगाहें जहां काप पर टिकी होंगी, वहीं मुंबई के चाहने वाले नैट सिवर ब्रंट से उम्मीदें लगाये बैठे होंगे। पहले दो मैचों में अर्द्धशतक जड़ने के बाद भले ही हरमनप्रीत लय हासिल न कर पाई हों, लेकिन सिवर-ब्रंट ने लगातार अपने हरफनमौला प्रदर्शन से मुंबई को संकट से निकाला है। एलिमिनेटर में भी जब शुरूआती झटके लगने के बाद मुंबई की पारी लड़खड़ाई तो सिवर-ब्रंट ने ही 38 गेंद पर 72 रन की विस्फोटक पारी खेलकर जीत की बुनियाद रखी थी। सिवर-ब्रंट के अलावा मुंबई के पास हेली मैथ्यूज और अमेलिया केर जैसे ऑलराउंडर हैं जो गेंद और बल्ले दोनों से मैच पलटने की क्षमता रखते हैं। टूनार्मेंट की सबसे सफल गेंदबाज साइका इशाक और एलिमिनेटर में हैट्रिक लेने वाली इजी वॉन्ग से सुसज्जित गेंदबाजी आक्रमण अपने दिन पर किसी भी टीम को धराशाई कर सकता है।

# भारतीय तेज गेंदबाजों में मारक क्षमता का अभाव दिल्ली कैपिटल्स के लिए चिंता का विषय

### दिल्ली की टीम एक अप्रैल को लखनऊ सुपरजाइंट्स के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेगी

**नई दिल्ली।** ऋषभ पंत की अनुपस्थिति से दिल्ली कैपिटल्स की आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में संभावनाओं को करारा झटका लगा है और इसके साथ ही उसकी टीम में मौजूद भारतीय तेज गेंदबाजों में मारक क्षमता का अभाव भी उसके लिए चिंता का विषय है। रिकी पोंटिंग की कोचिंग वाली दिल्ली की टीम एक अप्रैल को लखनऊ सुपरजाइंट्स के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेगी। मिशेल मार्श और कुलदीप यादव की शानदार फॉर्म से दिल्ली का मनोबल बढ़ा होगा लेकिन पंत की जगह पर वह किसी अदद भारतीय खिलाड़ी का चयन नहीं कर पाया जो निश्चित तौर पर उसके टीम प्रबंधन के लिए चिंता का विषय है।

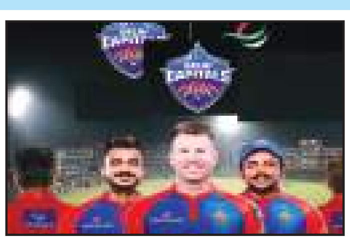

दिल्ली के लिए ह्य इंपैक्ट प्लेयरह्न का नियम उल्टा साबित हो सकता है क्योंकि उसके अनुभवी खिलाड़ियों में कोई भी ऐसा खिलाड़ी नहीं है जो तुरुप का इक्का साबित हो सके। सच्चाई तो यह है कि दिल्ली की टीम अपने विदेशी खिलाड़ियों पर अधिक निर्भर रहेगी। दिल्ली कैपिटल्स की टीम का विश्लेषण इस प्रकार है।

***मजबूत पक्ष***

दिल्ली कैपिटल्स की टीम में तीन ऐसे विदेशी खिलाड़ी हैं जो अपने दम पर मैच का पासा पलट सकते हैं। इनमें मिशेल मार्श पावर प्ले में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से दिल्ली को शानदार शुरूआत दे सकते हैं। अगर वह एक या दो ओवर भी कर लेते हैं तो यह दिल्ली के लिए सोने पर सुहागा होगा। डेविड वॉर्नर ने जब से आईपीएल में खेलना शुरू किया तब से शायद ही कोई ऐसा सत्र रहा होगा जबकि उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा हो। इस बीच केवल वह तब असफल रहे जब उनका सनराइजर्स हैदराबाद के प्रबंधन के साथ मनमुटाव चल रहा था। एनरिक नोर्किया दुनिया के सबसे खतरनाक तेज गेंदबाजों में से एक है। वह 150 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से गेंदबाजी कर सकते हैं। वह अधिकतर दिन खतरनाक साबित हो सकते हैं लेकिन छोटे मैदानों पर बल्लेबाज उनकी तेजी का सही उपयोग भी कर सकते हैं।

***कमजोर पक्ष***

ऋषभ पंत की भरपाई नहीं की जा सकती और मुख्य कोच पोंटिंग इस बात को पहले ही स्वीकार कर चुके हैं। पंत की अनुपस्थिति में टीम के पास दूसरा भारतीय विकेटकीपर नहीं है। नीलामी के समय इस बात पर ध्यान नहीं दिया गया। दिल्ली के पास फिल सॉल्ट के रूप में उपयोगी टी20 क्रिकेटर है जिन्हें उपमहाद्वीप में खेलने का थोड़ा अनुभव है। लेकिन विदेशी विकेटकीपर को रखने का मतलब होगा कि दिल्ली क्षेत्ररक्षण करते समय अपनी एकादश में विदेश के विशेषज्ञ गेंदबाज को नहीं रख सकता। इसलिए यह जरूरी है कि बरिंदर विवेक सिंह या लवनिथ सिसोदिया जैसे विकेटकीपर ट्रायल्स में अच्छा प्रदर्शन करें जिससे कि दिल्ली को मुस्तफिजुर रहमान जैसे विदेशी गेंदबाज को अंतिम एकादश ने रखने का मौका मिलेगा जो डेथ ओवरों के उपयोगी गेंदबाज हैं।

***अवसर***

पृथ्वी साव के लिए यह सत्र कड़ी परीक्षा होगा क्योंकि उन्हें उन सब नकारात्मक धारणाओं को नष्ट करना होगा जो उनके साथ अंडर-19 टीम के दिनों से बनी हुई है। उनके समकालीन शुभमन गिल सीनियर टीम के स्टार खिलाड़ी बन चुके हैं और ऐसे में पृथ्वी इस मौके का पूरा फायदा उठाना चाहेंगे।

***खतरा***

दिल्ली के तेज गेंदबाजी विभाग में भारत के अच्छे खिलाड़ियों की कमी है। आवेश खान लखनऊ से जुड़ गए हैं जबकि शार्दुल ठाकुर को उसने कोलकाता नाइट राइडर्स को दे दिया है। ऐसे में दिल्ली तेज गेंदबाजी विभाग में नोर्किया और मुस्तफिजुर पर निर्भर रहेगी। खलील अहमद पीठ के ऑपरेशन के बाद वापसी कर रहे हैं जबकि इशांत शर्मा अब पहले जैसे धारदार गेंदबाज नहीं रहे। इसके अलावा इंपैक्ट प्लेयर का नियम है जिसका प्रत्येक टीम अलग तरह से उपयोग करेगी लेकिन दिल्ली के पास ऐसे खिलाड़ियों की कमी है जो कि उसके लिए इस नियम का सही उपयोग करके तुरुप का इक्का साबित हो सकें।

# कप्तान काइलियन एम्बाप्पे ने दिलाई फ्रांस को जीत, बेल्जियम की जीत में चमके रोमेलु लुकाकु

पेरिस। काइलियन एम्बाप्पे ने कप्तान के रूप में भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए फ्रांस को यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप के क्वालीफाइंग मैच में नीदरलैंड पर 4-0 से जोरदार जीत दिलाई। विश्व कप के फाइनल में पेनल्टी शूटआउट में अर्जेंटीना से हारने वाले फ्रांस ने बेहतरीन खेल दिखाया। एम्बाप्पे ने दो गोल किए। उन्होंने 21वें और 88वें मिनट में गोल करके फ्रांस की बड़ी जीत सुनिश्चित की।

इससे पहले एंटोनी ग्रीजमैन ने दूसरे मिनट में ही फ्रांस को बढ़त दिला दी थी जबकि दयोट उपामेकानो ने आठवें मिनट में उसे दोगुना कर दिया था। एम्बाप्पे के अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में अब 38 गोल हो गए हैं और वह फ्रांस की तरफ से सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों में पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

इस बीच एक अन्य मैच में बेल्जियम ने रोमेलु लुकाकु की हैट्रिक की मदद से स्वीडन को 3-0 से पराजित किया। चेक गणराज्य ने पोलैंड को 3-1 से शिकस्त देकर बार्सिलोना के स्ट्राइकर रॉबर्ट लेंवाडोवस्की की टीम को हार का स्वाद चखाया।

## अफगानिस्तान ने रचा इतिहास, टी20 क्रिकेट में पाकिस्तान को पहली बार हराया

**शारजाह।** मोहम्मद नबी के ऑलराउंड खेल के दम पर अफगानिस्तान ने पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पाकिस्तान को छह विकेट से करारी शिकस्त दी। अफगानिस्तान की यह इस प्रारूप में पाकिस्तान के खिलाफ पहली जीत है। पाकिस्तान की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 92 रन ही बना पाई। अफगानिस्तान ने 17.5 ओवर में चार विकेट पर 98 रन बनाकर जीत दर्ज की। नबी ने नाबाद 38 रन बनाए। उन्होंने

अपनी पारी में तीन चौकों के अलावा विजयी छक्का भी लगाया। पाकिस्तान ने कप्तान बाबर आजम सहित अपने पांच प्रमुख खिलाड़ियों को विश्राम दिया लेकिन उसका यह फैसला गलत साबित हुआ। उसके केवल चार बल्लेबाज दोहरे अंक में पहुंचे लेकिन इनमें से कोई भी 20 रन तक भी नहीं पहुंच पाया। अफगानिस्तान के सभी छह गेंदबाजों ने विकेट लिए। इनमें से मुजीब उर रहमान, नबी और फजलहक फारुकी ने दो-दो विकेट हासिल किये। छोटे लक्ष्य के सामने अफगानिस्तान की शुरूआत भी अच्छी नहीं रही और एक समय उसका स्कोर चार विकेट पर 45 रन था। नबी और नजीबुल्लाह जादरान (नाबाद 17) ने यहीं से 53 रन की अटूट साझेदारी करके टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया।

# छत्तीसगढ़ में लगी गृहमंत्री शाह की पाठशाला: नक्सलियों के बच्चों को पढ़ाने लगे अंग्रेजी

## सुकमा के नक्सली गांव में बच्चों को बताए अंग्रेजी में जानवरों के नाम, बांटी टॉफियां

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में सुकमा के नक्सल प्रभावित गांव पोटकपल्ली में शनिवार को गृहमंत्री अमित शाह की पाठशाला लगी। गृहमंत्री शाह गांव के एक सरकारी स्कूल में अचानक पहुंचे और बच्चों को पढ़ाना शुरू कर दिया। इस दौरान उन्होंने बच्चों से बातें की, उनको अंग्रेजी में जानवरों के नाम बताए और फिर जाते-जाते टॉफियां भी बांटी। इससे पहले गृहमंत्री ने जगदलपुर में आदिवासी भाषा की पहली समाचार सेवा का भी शुभारंभ किया। कहा कि यह आदिवासियों को देश और दुनिया से जोड़ने की पहल है।

दरअसल, गृहमंत्री अमित शाह अपने दो दिवसीय बस्तर दौरे पर शुक्रवार को जगदलपुर पहुंचे थे। उनको यहां पर सीआरपीएफ के 84वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल होना था। इस दौरान कार्यक्रम के बाद अचानक शाह हेलीकॉप्टर से सुकमा के लिए रवाना हो गए। वहां के एक गांव पोटकपल्ली में उनका हेलीकॉप्टर उतरा। इसके बाद गृहमंत्री गांव के सरकारी स्कूल में पहुंचे और बच्चों से मुखातिब हुए। अपना परिचय दिया, बच्चों का परिचय लिया। फिर बच्चों को पढ़ाने की शुरूआत हो गई। शाह ने क्लास रूप में टंगे चार्ट पर बने जानवरों को देखा और फिर एक-एक कर बच्चों को पास बुलाया। चार्ट पर बने चित्र पर उंगली रखते और बच्चों से उनके बारे में पूछते। बच्चे भी गृहमंत्री के सवालों का जवाब देते रहे। इस दौरान गृहमंत्री ने उन्हें अंग्रेजी में भी जानवरों के नाम बताए। थोड़ी ही देर की बातचीत में बच्चे भी गृहमंत्री शाह के साथ घुलमिल गए। उन्होंने भी जमकर बातें की। थोड़ी देर स्कूल में रुकने और बच्चों से बातचीत के बाद गृहमंत्री अमित शाह वहां से हेलीकॉप्टर से फिर रवाना हो गए। गृहमंत्री शाह का सुकमा जाने की कोई योजना नहीं थी। माना जा रहा है कि अफसरों से बातचीत के दौरान जब उन्हें पता चला कि बस्तर में फोर्स विकास, विश्वास और सुरक्षा तीन सूत्रीय कार्यक्रम के तहत नक्सलवाद का खत्म कर रही है, तो वह स्थिति का जायजा लेने के लिए सुकमा निकल गए। इससे पहले जगदलपुर में गृहमंत्री शह ने आदिवासी भाषा के पहले समाचार बुलेटिन का वर्चुअल उद्घाटन किया। यह प्रसार भारती के बस्तर संभाग की स्थानीय भाषा हल्बी की समाचार सेवा है।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने छत्तीसगढ़ में आदिवासियों की भाषा में पहला समाचार बुलेटिन शुरू करने के लिए आकाशवाणी और दूरदर्शन को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इससे ना केवल हमारी स्थानीय भाषाएं मजबूत होंगी, बल्कि इस क्षेत्र में रह रहे लोगों को देश-दुनिया में घटित होने वाली घटनाओं के समाचार मिल सकेंगे और इससे देश और दुनिया के साथ उनका संपर्क भी बढ़ेगा। इसका मकसद आदिवासियों को उनकी ही बोली-भाषा में देश-दुनिया की खबरें पहुंचाना हैं। *एजेंसी*

### आरा में आठ साल की बच्ची को भूना, चाचा की हत्या हो चुकी, पिता को मारने आए थे हमलावर

**पटना।** बिहार में अपराधियों की हिम्मत के सामने पुलिस का इकबाल किस तरह धूल फांक रहा है, यह शुक्रवार की देर रात फिर सामने आया। अपराधियों ने आठ साल की बच्ची को गोलियों से भून डाला। रोहतास जिले के चर्चित दिनारा में जमीन विवाद को लेकर बच्ची के चाचा की हत्या हो चुकी थी। अपराधी शुक्रवार की रात बच्ची के पिता को टारगेट कर घर में घुसे थे, लेकिन नहीं मिलने पर उसे ही भून डाला। घटना उदवंतनगर थाना क्षेत्र के भेलाई की है। शुक्रवार देर रात हथियारबंद अपराधियों ने कृष्णा सिंह के घर में घुसकर ताबड़तोड़ फायरिंग कर आठ साल की आराध्या की जान ले ली। बताया जाता है कि आराध्या ने ही दरवाजा खोला था।

अपराधियों ने उससे उसके पिता के बारे में पूछा, लेकिन जवाब मिलने में संकोच दिखाने पर गुस्से में उसपर अंधाधुंध फायरिंग करने लगे। घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर सदर अस्पताल में पोस्टमॉर्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया।

## ब्लैक आउटफिट में निक्की तंबोली ने फ्लॉन्ट किया कर्वी फिगर, अदाओं पर मर मिटे फैंस

**मुंबई।** टीवी एक्ट्रेस निक्की तंबोली सोशल मीडिया पर आए दिन अपने नए आउटफिट्स की फोटोज शेयर करती रहती हैं। निक्की ने हाल ही में अपनी कुछ लेटेस्ट फोटोज शेयर की हैं, जिसमें वे ब्लैक आउटफिट में नजर आ रही है। उनकी इन फोटोज को फैंस पसंद कर रहे हैं और तारीफ करते नजर आ रहे हैं। हाल ही में एक्ट्रेस निक्की तंबोली ने अपने शिमरी ब्लैक आउटफिट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं, जो तेजी से वायरल हो रही हैं। एक्ट्रेस निक्की तंबोली की बोल्ड अदाओं ने इंटरनेट का तापमान बढ़ा दिया है। एक्ट्रेस को ब्लैक कलर की चमीकीली ड्रेस में देखा जा सकता हैं। हर तस्वीर में एक्ट्रेस अलग-अलग अंदाज में पोज देती दिखाई दे रही हैं। उन्होंने अपने बालों को खुला रखा है। एक्ट्रेस की इस हॉटनेस को देख उनसे नजरें हटा पाना नामुमकिन सा हो गया है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस ने काफी डीपनेक ब्लैक ब्लाउज पहना हुआ है और साथ ही थाई स्लिट स्कर्ट पहनी है। ओपन हेयर और न्यूड मेकअप कर निक्की तंबोली ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

## खास खबर

### लश्कर-एक-तैयबा के दो आतंकवादियों को किया गिरफ्तार

श्रीनगर। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में सुरक्षाबलों ने लश्कर-एक-तैयबा के दो आतंकवादियों को गिरफ्तार किया। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि पुलिस, सेना और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की संयुक्त टीम ने बांदीपोरा के सुमलार क्षेत्र में दो आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक बयान जारी कर कहा, बांदीपोरा पुलिस ने 14आरआर और सीआरपीएफ की तीसरी बटालियन के साथ मिलकर सुमलार में मछली पालन फार्म के पास नाका चेकिंग के दौरान लश्कर के दो आतंकवादियों को गिरफ्तार किया और उनके पास से दो चीनी ग्रेनेड बरामद किए।

### सिसोदिया की जमानत याचिका पर पांच अप्रैल को होगी सुनवाई

दिल्ली के कथित शराब घोटाला मामले में सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए राउज एवेन्यू कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 5 अप्रैल की तारीख तय की है। अदालत यहां प्रवर्तन निदेशालय द्वारा सिसोदिया के खिलाफ दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग के मामले पर सुनवाई कर रही थी। प्रवर्तन निदेशालय ने शनिवार को अदालत में मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका की खिलाफत करते हुए लंबा उत्तर फाइल किया। यही वजह है कि स्पेशल जज एमके नागपाल ने मामले की सुनवाई के लिए 5 अप्रैल की तारीख तय करते हुए ईडी के उत्तर की एक कॉपी सिसोदिया के वकील को देने के लिए भी कहा।

### मायावती की कांग्रेस व भाजपा को नसीहत

लखनऊ। बसपा अध्यक्ष मायावती ने राहुल गांधी की लोकसभा से सदस्यता खत्म करने के मामले पर शनिवार को कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को नसीहत देते हुए कहा कि एक दूसरे के प्रति राजनीतिक द्वेष, नफरत आदि से देश का ना पहले भला हुआ है और न ही आगे होने वाला है।

## जेल से चल रही महाठग सुकेश चंद्रशेखर की इश्कबाजी, जैकलीन को लिखा लव लेटर

### लिखा- मुझे आपकी कमी महसूस होती है, मैं जानता हूं कि मेरे लिए आपका प्यार कभी खत्म नहीं होगा

**नई दिल्ली।** मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में मंडोली जेल में बंद महाठग सुकेश चंद्रशेखर ने बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज को एक पत्र लिखा है। सुकेश ने शनिवार को अपने जन्मदिन के मौके पर जैकलीन को पत्र लिखा है। सुकेश ने माई बेबी जैकलीन के रूप में अभिनेत्री को संबोधित करते हुए कहा कि वह उसे याद कर रहा है। सुकेश ने लिखा, मेरे जन्मदिन के दिन, मैं आपको याद करता हूं। मुझे आपकी कमी महसूस होती है, मेरे पास शब्द नहीं हैं, लेकिन मैं जानता हूं कि मेरे लिए आपका प्यार कभी खत्म नहीं होगा। सुकेश ने आगे लिखा कि उनके लिए जो मायने रखता है वह उनके दिल में है, लेकिन मुझे यह स्वीकार करना चाहिए कि मैं आपको याद कर रहा हूं। बता दें कि मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेल में बंद सुकेश चंद्रशेखर ने इससे पहले कई बार पत्र लिखे हैं। सुकेश ने आम आदमी पार्टी के खिलाफ भी कई बार पत्र लिखा है। सुकेश ने इससे पहले पत्र लिखकर मनीष सिसोदिया पर मानसिक प्रताड़ना के आरोप लगाए थे। इसके अलावा सुकेश एक पत्र और लिखा था, जिसमें उसने फिल्म निर्देशक आनंद को लेकर कई बातें कही थी। बता दें कि सुकेश का कहना है कि उसके खिलाफ कोई भी आरोप अभी तक साबित नहीं हुआ है।

### राइट टू हेल्थ बिल पर आंदोलन की तैयारी

**लखनऊ।** राजस्थान देश का पहला राज्य बन गया है जहां पर राइट टू हेल्थ बिल को मंजूरी दे दी गई है, लेकिन इस बिल को लेकर चिकित्सकों का एक बड़ा वर्ग नाराज है और वह चाहता है कि इस कानून को वापस लिया जाये। राजस्थान सरकार की घोषणा के बाद इस कानून का सबसे पहले विरोध इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने किया। आईएमए के पदाधिकारियों की माने तो इस इस बिल में निजी अस्पतालों और डॉक्टरों की अनदेखी की गई है। आईएमए के पदाधिकारियों की माने तो राइट टू हेल्थ बिल के तहत निजी अस्पतालों को भी सभी बीमारियों का इलाज निशुल्क करना होगा। ऐसे में निजी अस्पताल के खर्चे कैसे निकलेंगे और जब खर्च ही नहीं निकलेगा तो अस्पताल बंद हो जायेंगे। हालांकि सरकार का यह दावा है कि जो मरीज पैसे देने की स्थित में नहीं होगा। उसके इलाज का खर्च सरकार उठायेगी। लखनऊ आईएमए के प्रवक्ता डॉ. प्रांजल के मुताबिक राजस्थान सरकार का यह फैसला गलत है। डॉक्टरों में इस फैसले को लेकर काफी रोष व्याप्त है। लखनऊ आईएमए इस एक्ट के विरोध में उतरने की तैयारी कर चुका है।

## राहुल गांधी ने पिछड़े समाज का किया अपमान, भाजपा उनके खिलाफ पूरे देश में करेगी आंदोलन: रविशंकर

### केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने पटना में प्रेस कान्फ्रेंस में कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा और उनके आरोपों पर पलटवार किया

**नई दिल्ली।** भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने पटना में प्रेस कान्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा और उनके आरोपों पर पलटवार किया। बता दें, राहुल गांधी ने आज नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय पर प्रेस कान्फ्रेंस कर भाजपा पर कई आरोप लगाए थे।

*"राहुल गांधी को उनके भाषण पर हुई सजा"*

रविशंकर प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी को 2019 में दिए गए उनके एक भाषण पर सजा हुई है। आज अपनी प्रेस वार्ता में राहुल गांधी ने कहा कि मैं सोच समझ कर बोलता हूं तो राहुल गांधी 2019 में जो बोले थे, वह सोच समझ कर बोले थे। उन्होंने कहा था कि ये सारे मोदी चोर क्यों होते हैं?

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, "राहुल गांधी ने पिछड़े समाज का अपमान किया था। आलोचना करने का अधिकार है, बेइज्जत करने का अधिकार नहीं है। राहुल गांधी ने गाली दी थी। वे अगर सोच-समझ कर बोलते हैं तो भाजपा ये मानती है कि राहुल गांधी ने जानबूझ कर पिछड़ों का अपमान किया और भाजपा इसकी भर्त्सना करती है। हम देश भर में उनके खिलाफ जबरदस्त आंदोलन करेंगे।"

*"राहुल गांधी ने आज फिर बोला झूठ"*

रविशंकर प्रसाद ने कहा कि आज राहुल गांधी ने फिर झूठ बोला कि मैंने लंदन में कुछ नहीं कहा था। राहुल गांधी ने लंदन में कहा था कि भारत में लोकतंत्र कमजोर हो रहा है और यूरोपियन देश ध्यान नहीं दे रहे हैं। झूठ बोलना राहुल गांधी की फितरत हो चुकी है।

*"अपने फोन की चेकिंग क्यों नहीं कराई?"*

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि राहुल गांधी ने शिकायत की थी कि उनके फोन में पेगासस है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट द्वारा कहे जाने पर वह अपने फोन की 'चेकिंग' कराने नहीं गए, कहीं उनका फोन वास्तव में खराब तो नहीं हो गया। वह क्यों नहीं गए? वे वास्तव में डर गए थे।

*"ईमानदारी की खुली किताब है प्रधानमंत्री का जीवन"*

रविशंकर प्रसाद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पूरा जीवन ईमानदारी की खुली किताब है, एक धब्बा नहीं है, 9 साल से भारत के प्रधानमंत्री हैं और देश आगे बढ़ रहा है। राहुल गांधी को करप्शन की बात करते हुए शर्म नहीं आती है। वे भ्रष्टाचार के मामले में बेल पर हैं। २

## सिब्बल का बीजेपी पर तंज

### राहुल गांधी पर 'बेतुके आरोप' लगाकर हमारी समझ का अपमान कर रही भाजपा

**नई दिल्ली।** राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर मोदी उपमान संबंधी उनकी टिप्पणी को लेकर अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का अपमान करने का आरोप लगाने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दो नेताओं पर शनिवार को निशाना साधा और कहा कि ये नेता इस तरह के बेतुके आरोप लगाकर लोगों की बुद्धिमत्ता का अपमान कर रहे हैं। सूरत की एक अदालत द्वारा मानहानि के एक मामले में सजा सुनाए जाने के मद्देनजर केरल की वायनाड संसदीय सीट से सांसद राहुल गांधी को शुक्रवार को लोकसभा की सदस्यता के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया। लोकसभा सचिवालय की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया कि गांधी की अयोग्यता संबंधी आदेश 23 मार्च से प्रभावी होगा। सूरत की एक अदालत ने मोदी उपनाम संबंधी टिप्पणी को लेकर गांधी के खिलाफ 2019 में दर्ज आपराधिक मानहानि के एक मामले में उन्हें बृहस्पतिवार को दो साल कारावास की सजा सुनाई थी। बहरहाल, अदालत ने राहुल को जमानत भी दे दी और उनकी सजा के अमल पर 30 दिनों तक के लिए रोक भी लगा दी थी, ताकि वह फैसले को चुनौती दे सकें। केंद्रीय मंत्रियों धर्मेंद्र प्रधान और अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को एक संवाददाता सम्मेलन में गांधी पर ओबीसी का अपमान करने का आरोप लगाया था। सिब्बल ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए ट्वीट किया, धर्मेंद्र प्रधान, अनुराग ठाकुरः राहुल ने ओबीसी का अपमान किया। इस प्रकार के बेतुके आरोप लगाकर आप हमारी बुद्धिमत्ता का अपमान कर रहे हैं। संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन के पहले और दूसरे कार्यकाल में केंद्रीय मंत्री रहे सिब्बल ने पिछले साल मई में कांग्रेस छोड़ दी थी।

## कर्नाटक कांग्रेस ने जारी की 124 उम्मीदवारों की लिस्ट, खड़गे के बेटे को मिला टिकट

### कांग्रेस की कोशिश राज्य की सत्ता में वापसी की, जानकारी के मुताबिक सिद्धारमैया वरुणा से चुनाव लड़ेंगे और डीके शिवकुमार कनकपुरा से मैदान में उतरेंगे

**नई दिल्ली।** कांग्रेस पार्टी ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए 124 उम्मीदवारों की पहली सूची शनिवार को जारी कर दी। इस सूची में पूर्व सीएम सिद्धारमैया और राज्य पार्टी अध्यक्ष डीके शिवकुमार के नाम मौजूद हैं। बता दें, कर्नाटक में इस समय भाजपा की सरकार है। बसवराज बोम्मई मुख्यमंत्री हैं।

कांग्रेस की कोशिश राज्य की सत्ता में वापसी की है। जानकारी के मुताबिक सिद्धारमैया वरुणा से चुनाव लड़ेंगे और डीके शिवकुमार कनकपुरा से मैदान में उतरेंगे। पार्टी में परिवारवाद के बीजेपी के आरोपों को खारिज करने वाली कांग्रेस ने अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे प्रियांक को भी टिकट दिया है. वह चितापुर से चुनाव लड़ेंगे। सूची के अनुसार, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख डी के शिवकुमार अपने कनकपुरा विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। पार्टी ने पूर्व उपमुख्यमंत्री जी परमेश्वर को कोरातागेरे (एससी) निर्वाचन क्षेत्र से मैदान में उतारा है। पूर्व मंत्री के एच मुनियप्पा और प्रियांक खड़गे क्रमशः देवनहल्ली और चितापुर (एससी) से चुनाव लड़ेंगे। प्रियांक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे हैं। पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने 17 मार्च को दिल्ली में एक बैठक के बाद

उम्मीदवारों की पहली सूची को मंजूरी दी। समिति की अध्यक्षता कांग्रेस प्रमुख खरगे ने की। बैठक में राहुल गांधी भी मौजूद थे। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की सूची जारी करने वाली कांग्रेस पहली पार्टी है। निर्वाचन आयोग ने दक्षिणी राज्य में विधानसभा चुनाव के कार्यक्रम की अभी घोषणा नहीं की है। कर्नाटक में मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल मई में समाप्त होगा। उससे पहले राज्य में चुनाव होने हैं। कांग्रेस दक्षिणी राज्य में भारतीय जनता पार्टी से सत्ता छीनने की कोशिश कर रही है।

## दक्षिणी रेलवे की मुख्य टिकट निरीक्षक ने किया कारनामा

### यात्रियों से 1.03 करोड़ रुपए का जुर्माना वसूलने वाली पहली महिला टिकट निरीक्षक बनीं रोजलिन अरोकिया मैरी

**नई दिल्ली।** दक्षिणी रेलवे की मुख्य टिकट निरीक्षक (सीटीआई) रोजलिन अरोकिया मैरी अनियमित और बिना टिकट वाले यात्रियों से 1.03 करोड़ का जुमार्ना वसूलने वाली पहली महिला टिकट निरीक्षक बन गई हैं। रेलवे ने रोजलिन की सराहना करते हुए उनकी कुछ तस्वीरें ट्वीट की हैं। एक यूजर ने कमेंट कर कहा, देश को ऐसे ईमानदार व समर्पण वाले और लोग चाहिए। दक्षिणी रेलवे में मुख्य टिकट निरीक्षक के तौर पर काम करने वाली रोजलिन अरोकिया मैरी इन दिनों सोशल मीडिया पर काफी सुर्खियों में हैं और हो भी क्यों न, उन्होंने ऐसा कारनामा जो कर दिखाया है। दरअसल, इस महिला टिकट चेकर ने अनियमित और बिना टिकट वाले याच्रियों से करीब 1.03 करोड़ रुपए की जुमार्ने के तौर पर वसूली करके एक रिकॉर्ड बनाया है, जिसके लिए रेल मंत्रालय ने भी महिला की सराहना की है। रेल मंत्रालय द्वारा ट्विटर पर पोस्ट शेयर किया गया है, जिसके जरिए महिला टिकट चेकर की अपने कर्तव्यों के प्रति प्रतिबद्धता के लिए सराहना की गई है। पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा है- अपने कर्तव्यों के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता दिखाते हुए, जीएमएसरेलवे की सीटीआई (मुख्य टिकट निरीक्षक) रोसलिन अरोकिया मैरी, इंडियन रेलवे के टिकच जांच कर्मचारियों में पहली ऐसी महिला बन गई हैं, जिन्होंने अनियमित और बिना टिकट यात्रा करने वाली यात्रियों से 1 करोड़ रुपए का जुमार्ना वसूला है।

## भारत में कोरोना वायरस के 1590 नए मामले सामने आए, 146 दिन में सबसे अधिक

### कोरोना वायरस से महाराष्ट्र में तीन और कर्नाटक, राजस्थान एवं उत्तराखंड से एक-एक मरीज की मौत

**नई दिल्ली।** भारत में एक दिन में कोविड-19 के 1,590 नए मामले सामने आए जो पिछले 146 दिन में सबसे अधिक हैं, वहीं उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 8,601 हो गयी है। यह जानकारी स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा शनिवार सुबह आठ बजे अद्यतन किये गए आंकड़े के अनुसार, कोरोना वायरस से महाराष्ट्र में तीन और कर्नाटक, राजस्थान एवं उत्तराखंड से एक-एक मरीज की मौत होने के बाद मृतक संख्या बढ़कर 5,30,824 हो गयी।

आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण की दैनिक दर 1.33 प्रतिशत दर्ज की गयी जबकि साप्ताहिक संक्रमण दर 1.23 प्रतिशत दर्ज की गयी। इसके साथ ही भारत में कोविड-19 के कुल मामलों

की संख्या बढ़कर 4,47,02,257 हो गयी है। उपचाराधीन मरीजों की संख्या संक्रमण के कुल मामलों का 0.02 प्रतिशत है जबकि कोविड-19 से स्वस्थ होने वाले लोगों की दर 98.79 प्रतिशत दर्ज की गयी। मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, संक्रमण से ठीक होने वालों की संख्या बढ़कर 4,41,62,832 हो गयी है जबकि मृत्यु दर 1.19 फीसद दर्ज की गयी। देशव्यापी कोविड-19 रोधी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक 220.65 करोड़ खुराकें दी जा चुकी हैं। देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण से छह मरीजों की मौत हुई है और इस दौरान संक्रमण के 674 सक्रिय मामले बढ़े हैं। इस बीच देश में कोरोना टीकाकरण जारी है और इसी क्रम में पिछले 24 घंटों में 9,497 लोगों को टीका लगाया गया है। अब तक देश में 2,20,65,44,324 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शनिवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक 674 सक्रिय मामले बढ़ने से इनकी कुल संख्या बढ़कर 8,601 हो गयी है। देश में कुल संक्रमितों की संख्या 4,47,02,257 हो गयी है। वहीं मृतकों की संख्या छह बढ़कर 5,30824 हो गयी है। इसी अवधि में कोरोना संक्रमण से स्वस्थ होने वालों का आंकड़ा 910 बढ़कर 4,41,62,832 पर पहुंच गया है। देश में पिछले 24 घंटों के दौरान महाराष्ट्र में सक्रिय मामलों की संख्या में सर्वाधिक 146 की वृद्धि हुई है। इसके अलावा, गुजरात में 112, केरल में 96, दिल्ली में 78, हिमाचल प्रदेश में 69, हरियाणा में 46, गोवा में 36, तमिलनाडु में 32, उत्तर प्रदेश में 30, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में नौ-नौ, राजस्थान और पश्चिम बंगाल में छह-छह, कर्नाटक में चार, बिहार, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और सिक्किम में क्रमशः दो-दो, केन्द्र शासित प्रदेश लद्दाख में एक सक्रिय मामले बढ़े हैं तथा महाराष्ट्र में तीन जबकि राजस्थान, उत्तराखंड और कर्नाटक में क्रमशः एक-एक मरीज की कोरोना से मौत हुई है।

### 'घोटाले' में सीबीआई के समक्ष तेजस्वी यादव तो ईडी के सामने पेश हुईं मीसा भारती

**नई दिल्ली।** बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव नौकरी के बदले जमीन संबंधी कथित घोटाले में पूछताछ के लिए शनिवार को यहां केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के समक्ष पेश हुए। इससे पहले वह तीन तारीखों पर पेश नहीं हुए थे। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता पूर्वाह्न करीब साढ़े 10 बजे सीबीआई मुख्यालय पहुंचे और आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उन्हें जांच दल के समक्ष ले जाया गया। वहीं, राजद नेता मीसा भारती ईडी दफ्तर के लिए रवाना हुईं। नौकरी के लिए जमीन मामले में पूछताछ के लिए मीसा भारती ईडी के सामने पेश हुईं। सीबीआई ने दिल्ली उच्च न्यायालय को पिछले सप्ताह आश्वासन दिया था कि वह यादव को इस महीने गिरफ्तार नहीं करेगी। इसके बाद नेता ने नौकरी के बदले जमीन मामले में पूछताछ के लिए 25 मार्च को एजेंसी के समक्ष पेश होने को लेकर सहमति जताई थी।

**हिमाचल प्रदेश में येलो अलर्ट के बीच शनिवार को मैदानी क्षेत्रों में झमाझम बारिश और चोटियों पर बर्फबारी हुई है। राज्य में दो नेशनल हाईवे समेत 15 सड़कें बंद हैं। 322 बिजली ट्रांसफॉर्मर ठप हो गए हैं। पांच पेयजल स्कीमें प्रभावित चल रही हैं।**

**सेंसेक्स**
398.18 अंक की गिरावट के साथ 57,527.10 अंक पर

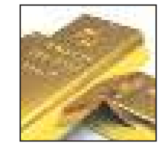

**सोना**
70 रुपये मजबूत होकर 59,450 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच

# मजबूत हुआ डॉलर तो शिखर पर पहुंची सोने की कीमत

## गसोने का वायदा अनुबंध 0.18 प्रतिशत की साप्ताहिक हानि के साथ 59,310 प्रति 10 ग्राम पर समाप्त हुआ

**नई दिल्ली।** अमेरिकी डॉलर की दरों में 7 सप्ताह के निचले स्तर से वापसी और डॉलर इंडेक्स के मनोवैज्ञानिक 102 के स्तर से ऊपर रहने के कारण, सोने कीमत में इस हफ्ते जमकर मुनाफावसूली गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर अप्रैल 2023 के लिए सोने का वायदा अनुबंध 0.18 प्रतिशत की साप्ताहिक हानि के साथ 59,310 प्रति 10 ग्राम पर समाप्त हुआ।

अंतरराष्ट्रीय हाजिर बाजार में सोने की कीमत 1,976.90 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर बंद हुई, जो पिछले सप्ताह के 1,988.50 डॉलर के स्तर से लगभग 0.58 प्रतिशत कम है। कमोडिटी बाजार के विशेषज्ञों के अनुसार, सोने की कीमत में इस गिरावट का श्रेय अमेरिकी डॉलर की दरों में हाल के निचले स्तर से आई उछाल को दिया जा सकता है। बीते सप्ताह में 7 सप्ताह के निचले स्तर पर पहुंचने के बाद हाल के सत्रों में अमेरिकी डॉलर में तेजी आई। अमेरिकी केंद्रीय बैंक ने इस साल मुद्रास्फीति को कम करने और दरों में कटौती नहीं करने की प्रतिबद्धता जताई है। बाजार के विशेषज्ञों को उम्मीद है कि अधिक से अधिक फेड अपनी दरों में एक वृद्धि और करेगा। सोने के 1,920 डॉलर से 2,010 डॉलर प्रति औंस के दायरे में बने रहने की उम्मीद है। सोने का ऊपरी बाधा से पीछे हटना जारी रह सकता है।

गोल्ड बुलियन में डील करने वाले अभिलाष पाठक निवेशकों को 'गिरावट पर खरीदारी' और शॉर्ट पोजीशन लेने से बचने की सलाह देते हैं। 2,000 डॉलर प्रति औंस से ऊपर के ब्रेकआउट से सोने की कीमतें फिर से बढ़ सकती हैं, क्योंकि भारतीय रुपये के साथ दुनिया की प्रमुख मुद्राओं में गिरावट की आशंका प्रबल होने लगी है। बीते सप्ताह में सोने की कीमतों में गिरावट के कारणों पर बात करते हुए अभिलाष कहते हैं कि यूएस सीएडी और अन्य डाटा में तेजी के बाद अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने के कारण नए शिखर पर चढ़ने के बाद सोने की कीमतों में गिरावट आई। अमेरिकी मुद्रा में इस वृद्धि के कारण सोने में मुनाफावसूली शुरू हो गई। सोने की कीमत को आज 1,950 डॉलर के स्तर पर तत्काल समर्थन मिला है, जबकि कीमती धातु के लिए प्रमुख समर्थन 1,920 डॉलर पर रखा गया है। 2,000 डॉलर अंतरराष्ट्रीय हाजिर बाजार में सोने की कीमतों के लिए बड़ी बाधा बने रहने की उम्मीद है। एफआईआई बहिर्वाह का घरेलू मुद्रा पर भी असर पड़ा।

डॉलर में तेजी आई। कमजोर एशियाई-यूरोपीय मुद्राओं और इक्विटी के बीच सुरक्षित आश्रय की अपील मजबूत हो गई। अमेरिका के चालू खाता घाटे और नए घरों की बिक्री के आंकड़ों से डॉलर में भी तेजी आई। बैंक ऑफ इंग्लैंड ने ब्याज दरों में 25 बीपीएस से 4.25% की बढ़ोतरी की, जो 15 वर्षों में सबसे अधिक है। अगले हफ्ते भारतीय रुपया वैश्विक बाजारों में जोखिम से बचने की कोशिश करेगा। एफआईआई से बिकवाली का दबाव और आयातकों से महीने के अंत में डॉलर की मांग भी रुपये पर दबाव डाल सकती है। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में कमी से रुपये को कम समर्थन मिल सकता है।

## रिलायंस जियो ने 5जी नेटवर्क के लिए देश भर में एक लाख टावर लगाए

**नई दिल्ली।** देश की अग्रणी दूरसंचार कंपनी रिलायंस जियो ने अत्यधिक तीव्र गति वाली इंटरनेट सेवा देने के लिए सबसे तेज और व्यापक 5जी दूरसंचार नेटवर्क खड़ा करने के मकसद से देश भर में करीब एक लाख दूरसंचार टावर लगाए हैं। दूरसंचार विभाग के हालिया आंकड़ों के अनुसार, दूरसंचार टावर लगाने के मामले में जियो दूसरे स्थान पर मौजूद कंपनी से लगभग पांच गुना आगे है। दूरसंचार विभाग के नेशनल ईएमएफ पोर्टल पर जारी दैनिक स्थिति रिपोर्ट के अनुसार, जियो ने 700 मेगा हट्र्ज और 3,500 मेगा हट्र्ज वाले 99,897 बीटीएस (बेस ट्रांसीवर स्टेशन) स्थापित किए हैं। वहीं दूसरे स्थान पर मौजूद कंपनी भारती एयरटेल ने कुल 22,219 बीटीएस स्थापित किए हैं। बृहस्पतिवार को मौजूद स्थिति के अनुसार, प्रत्येक आधार स्टेशन के लिए जियो के पास तीन सेल इकाइयां हैं जबकि एयरटेल के पास दो सेल इकाइयां हैं। ज्यादा टावर और सेल इकाइयां होने से इंटरनेट की रफ्तार अधिक रहती है। ऊकला की गत 28 फरवरी को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, जियो के इंटरनेट की सर्वाधिक गति 506 मेगाबाइट प्रति सेकेंड (एमबीपीएस) आंकी गई जबकि एयरटेल 268 एमबीपीएस की अधिकतम गति के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

## नेशनल पब्लिक रेडियो ने 100 कर्मचारियों की छंटनी की, 4 पॉडकास्ट किए रद्द

**सैन फ्रांसिस्को।** वाशिंगटन स्थित गैर-लाभकारी मीडिया संगठन नेशनल पब्लिक रेडियो (एनपीआर) ने अपने 10 प्रतिशत कर्मचारियों या लगभग 100 कर्मचारियों को बर्खास्त करना शुरू कर दिया है और चार प्रशंसित सीजनल पॉडकास्ट का उत्पादन बंद कर दिया है, क्योंकि यह वित्तीय संकट से जूझ रहा है।एनपीआर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जॉन लांसिंग ने कहा, हम वास्तव में इस समय अपनी लागत संरचना का पुनर्गठन करके एनपीआर के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए लड़ रहे हैं। यह इसलिए महत्वपूर्ण है। यह अस्तित्वगत है।

सबसे अधिक प्रभावित एनपीआर कर्मचारी 28 अप्रैल तक डटे रहेंगे।

एनपीआर का लक्ष्य अपने कार्यबल को लगभग 1,200 से घटाकर लगभग 1,050 कर्मचारी करना है।

पिछले महीने, वैश्विक मीडिया आउटलेट ने अपने वर्तमान कार्यबल के लगभग 10 प्रतिशत को निकालने की योजना की घोषणा की थी, क्योंकि इसका वित्तीय धष्टिकोण हाल के हफ्तों में काफी गहरा हो गया है।

## वित्त मंत्री ने यूएस, यूरोप में बैंकिंग संकट के बीच पीएसबी के प्रदर्शन की समीक्षा की

**नई दिल्ली।** केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विभिन्न वित्तीय स्वास्थ्य मानकों पर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के प्रदर्शन की समीक्षा के लिए शनिवार को एक बैठक की अध्यक्षता की। वित्त मंत्री ने रेखांकित किया कि पीएसबी को एकाग्रता जोखिम और प्रतिकूल जोखिम सहित महत्व बिंदुओं की पहचान करने के लिए व्यापार मॉडल को बारीकी से देखना चाहिए। केंद्रीय वित्त मंत्री ने विस्तृत संकट प्रबंधन और संचार रणनीतियों को तैयार करने के लिए पीएसबी को इस अवसर का उपयोग करने के लिए भी प्रेरित किया। समीक्षा बैठक के दौरान, सिलिकॉन वैली बैंक (एसवीबी) और सिग्नेचर बैंक (एसबी) की विफलता के साथ-साथ क्रेडिट सुइस में संकट के लिए अग्रणी वैश्विक परिध्श्य पर पीएसबी के एमडी और सीईओ के साथ एक खुली चर्चा हुई। सीतारमण ने लघु और दीर्घकालिक दोनों धष्टिकोणों से इस विकासशील और तत्काल बाह्य वैश्विक वित्तीय स्ट्रेस के लिए पीएसबी के जोखिम की समीक्षा की। विस्तृत विचार-विमर्श के बाद वित्त मंत्री ने पीएसबी को ब्याज दर जोखिमों के बारे में सतर्क रहने और नियमित रूप से स्ट्रेस परीक्षण करने की सलाह दी।

सीतारमण ने यह भी कहा कि पीएसबी को भारतीय मूल के व्यक्तियों से संबंधित संभावनाओं सहित अंतर्राष्ट्रीय अवसरों की पहचान करने के लिए गिफ्ट सिटी (गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी) गुजरात में अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्रों में खोली गई शाखाओं की पूरी क्षमता का लाभ उठाना चाहिए। बैठक में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री भागवत किशनराव कराड, वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव विवेक जोशी, और पीएसबी के एमडी और सीईओ शामिल हुए। वित्त मंत्री ने जमा और संपत्ति आधार के जोखिम प्रबंधन विविधीकरण पर ध्यान केंद्रित करके नियामक ढांचे के पालन के माध्यम से तैयारी के साथ-साथ उचित परिश्रम पर जोर दिया। पीएसबी के एमडी और सीईओ ने वित्त मंत्री को अवगत कराया कि वे सर्वश्रेष्ठ कॉर्पोरेट प्रशासन प्रथाओं का पालन करते हैं, नियामक मानदंडों का पालन करते हैं, विवेकपूर्ण तरलता प्रबंधन सुनिश्चित करते हैं और मजबूत परिसंपत्ति-देयताऔर जोखिम प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखते हैं। इसके अलावा, उन्होंने वित्त मंत्री को यह भी बताया कि पीएसबी वैश्विक बैंकिंग क्षेत्र में विकास के प्रति सतर्क हैं और किसी भी संभावित वित्तीय झटके से खुद को बचाने के लिए हर संभव कदम उठा रहे हैं।

## पूरे यूरोप में बैंक शेयरों में भारी गिरावट

**लंदन।** पूरे यूरोप में बैंकों के शेयरों में तेजी से गिरावट आई है, क्योंकि इस क्षेत्र की वित्तीय मजबूती को लेकर चिंता बढ़ गई है, मीडिया रिपोर्ट्स में यह बात कही गई है।बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, जर्मनी के डॉयचे बैंक के शेयरों में सबसे बड़ी गिरावट देखी गई, जिसमें 13 प्रतिशत की गिरावट आई और इसके ऋण पर होने वाले नुकसान के खिलाफ बीमा की लागत में भी तेज उछाल आया था। दो अमेरिकी बैंकों के धराशायी होने और इसके प्रतिद्वंद्वी यूबीएस द्वारा स्विस दिग्गज क्रेडिट सुइस के हड़बड़ी में अधिग्रहण से निवेशक पहले ही डर गए हैं। बीबीसी ने बताया कि लंदन, जर्मनी और फ्रांस के सभी शेयर बाजार नीचे थे। अन्य बैंकों में भारी गिरावट देखने को मिली, जिसमें जर्मनी का कॉमर्जबैंक, 8 प्रतिशत और फ्रांस का सोसाइटी जेनरेल शामिल है, जो 7 प्रतिशत गिर गया। बीबीसी ने बताया कि यूके में, बार्कलेज और नेटवेस्ट दोनों लगभग 6 प्रतिशत नीचे थे।

## एवलॉन टेक्नोलॉजीज का आईपीओ तीन अप्रैल को खुलेगा

**नई दिल्ली।** इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण सेवाएं देने वाली कंपनी एवलॉन टेक्नोलॉजीज का 865 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) तीन अप्रैल को खुलेगा। कंपनी के आईपीओ संबंधी प्रारंभिक दस्तावेज के मुताबिक, उसका तीन-दिवसीय सार्वजनिक निर्गम छह अप्रैल को बंद होगा। एंकर निवेशक 31 मार्च को बोली लगा सकेंगे।

पहले कंपनी का 1,025 करोड़ रुपये का आईपीओ लाने का प्रस्ताव था लेकिन बाद में इसका आकार घटाकर 865 करोड़ रुपये कर दिया गया है। सार्वजनिक निर्गम के तहत कंपनी 320 करोड़ रुपये नए शेयर जारी कर जुटाएगी जबकि प्रवर्तकों एवं मौजूदा शेयरधारकों के पास मौजूद शेयरों की खुली बिक्री से 545 करोड़ रुपये जुटाने की योजना है। वर्ष 1999 में स्थापित एवलॉन अन्य कंपनियों को इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण सेवाएं देने का काम करती है। अमेरिका और भारत में इसके 12 विनिर्माण संयंत्र हैं।

## शाओमी इंडिया 30 मार्च को लांच करेगा दो नए बजट स्मार्टफोन

**नई दिल्ली।** देश का अग्रणी स्मार्टफोन ब्रांड, शाओमी इंडिया दो नए बजट स्मार्टफोन लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है। यह 30 मार्च 2023 को भारतीय ग्राहकों के लिए रेडमी 12सी और रेडमी नोट 12 लेकर आ रहा है। ईमानदार मूल्यों में अतुलनीय विशेषताएं प्रदान करने की शाओमी की अटल प्रतिबद्धता के साथ ये स्मार्टफोन टेक्नॉलॉजी का पॉवरहाउस हैं। हाउस ऑफ रेडमी की ओर से ये दो डिवाईसेज किफायती मूल्य में उपभोक्ताओं की सभी जरूरतों को पूरा करने का विस्तृत समाधान लेकर आई हैं।

भारत में रेडमी 12सी के साथ स्टाईलिश डिजाईन और मजबूत मीडियाटेक हीलिया जी85 चिपसेट मिल रहा है, जिसके कारण यह अपने सेगमेंट का सबसे तेज स्मार्टफोन होगा। साथ ही रेडमी नोट 12 सुपरनोट रेडमी नोट 12 सीरीज की अपार सफलता को आगे बढ़ाएगा, जो भारत में अपने लॉन्च के दो महीनों में ही 1,000 करोड़ रु. से ज्यादा के स्मार्टफोन बेच चुकी है।

## तीन महीने में ट्विटर की पेड ब्लू सर्विस ने सिर्फ 11 मिलियन डॉलर की कमाई की

**नई दिल्ली।** जैसा कि एलन मस्क चाहते हैं कि सभी ट्विटर उपयोगकर्ता ब्लू बैज के लिए भुगतान करें, लेटेस्ट डेटा से पता चला है कि ट्विटर ब्लू ने तीन महीने पहले सेवा शुरू करने के बाद से अब तक केवल 11 मिलियन डॉलर की मोबाइल सदस्यता अर्जित की है टेकक्रंच की एक रिपोर्ट के अनुसार, जिसने ऐप इंटेलिजेंस फर्म सेंसर टॉवर के डेटा का हवाला दिया, ब्लू सर्विस का टेक-अप काफी कम रहा है। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया, जबकि 11 मिलियन डॉलर एक छोटा आंकड़ा है, हमें चेतावनी देनी चाहिए कि यह अनुमान वेब-आधारित सदस्यताओं को कवर नहीं करता है। आंकड़े उन 20 बाजारों को कवर करते हैं जहां ब्लू को इस सप्ताह से पहले लॉन्च किया गया था।

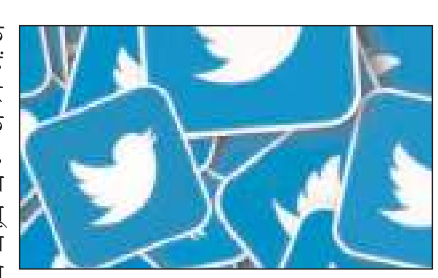

सेंसर टॉवर डेटा ट्विटर के रूप में मोबाइल ऐप से इन-ऐप खरीदारी पर आधारित था। ट्विटर ने अब अपनी ब्लू सर्विस वेरिफिकेशन के साथ विश्व स्तर पर उपलब्ध करा दी है और 1 अप्रैल को लीगेसी चेक मार्क गायब हो जाएंगे। इस कदम से ट्विटर को भविष्य में और डॉलर कमाने में मदद मिल सकती है। माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ने अपने दैनिक और मासिक सक्रिय उपयोगकताओं को साझा करना भी बंद कर दिया है। इसने पिछली बार 238 मिलियन मुद्रीकरण योग्य दैनिक सक्रिय उपयोगकताओं की सूचना दी थी।

## टोरेंट इन्वेस्टमेंट्स के रिलायंस कैपिटल के लिए दूसरी नीलामी में भाग लेने की संभावना नहीं

**नई दिल्ली।** टोरेंट इन्वेस्टमेंट्स ने कथित तौर पर रिलायंस कैपिटल के ऋणदाताओं को सूचित किया है कि वह वित्तीय सेवा कंपनी को बेचने के लिए नीलामी में भाग लेने के लिए तैयार नहीं है।इससे बिक्री से रिटर्न को अधिकतम करने की प्रक्रिया के प्रभावित होने की संभावना है क्योंकि केवल हिंदुजा समूह ही मैदान में रह सकता है।

इससे पहले, नीलामी के विस्तार का विरोध करते हुए, टोरेंट इन्वेस्टमेंट्स ने आरबीआई के डिप्टी गवर्नर एम. राजेश्वर राव को लिखे पत्र में रिलायंस कैपिटल के प्रशासक नागेश्वर राव वाई को निर्देश देने की मांग की थी।

पत्र में कहा गया है कि चुनौती प्रक्रिया 21 दिसंबर, 2022 को समाप्त हो गई थी, जिसमें टोरेंट इन्वेस्टमेंट्स को प्रशासक के ईमेल के साथ उच्चतम बोली राशि के रूप में 8,640 करोड़ रुपये की एनपीवी बोली राशि की पुष्टि की गई थी। हालांकि, टोरेंट इन्वेस्टमेंट्स को अवगत कराया गया था कि एक प्रतिस्पर्धी संकल्प आवेदक हिंदुजा समूह ने 21 दिसंबर को चुनौती प्रक्रिया पूरी होने के बाद 22 दिसंबर को एक संशोधित वित्तीय प्रस्ताव प्रस्तुत किया था और यह जानने के बाद कि टोरेंट इन्वेस्टमेंट्स उच्चतम बोलीदाता के रूप में उभरा था। सुप्रीम कोर्ट के बार-बार के फैसलों में, यह माना गया है कि सीओसी द्वारा किसी भी योजना के अनुमोदन में मूल्य का अधिकतमकरण एक महत्वपूर्ण कारक है। आरबीआई की धारा 227 की विशेष शक्तियों के तहत एक वित्तीय सेवा कंपनी के लिए किया गया एकमात्र संकल्प डीएचएफएल था जिसे पीरामल समूह ने जीता था। उस मामले में अदाणी समूह, जो एक समाधान आवेदक भी नहीं था, को सीओसी द्वारा स्वीकार किया गया क्योंकि उसने पिरामल बोली के लिए उच्चतम मूल्य की पेशकश की थी।

## भारतीय एम्प्लॉइज की भी छंटनी करेगी एक्सेंचर: देश के 7,000 एम्प्लॉइज को निकालेगी, कंपनी का ग्लोबली टोटल 19 हजार कर्मचारियों की छंटनी का ऐलान

**नई दिल्ली।** दुनिया की सबसे बड़ी टेक्नोलॉजी सर्विसेज एक्सेंचर पीएलसी ने भारत में अपने लगभग 3,50,000 (3.5 लाख) एम्प्लॉइज में से कम से कम 7,000 को नौकरी से निकालने का प्लान बनाया है। एक दिन पहले ही आईटी सेक्टर की दिग्गज कंपनी ने अपनी टोटल वर्कफोर्स में से 2.5% यानी 19 हजार एम्प्लॉइज की छंटनी करने का ऐलान किया था। हालांकि, एक्सेंचर ने अब तक भारत में अपने टोटल एम्प्लॉइज की सही संख्या नहीं बताई है। कंपनी कहती है कि उसके पास भारत में 3 लाख से ज्यादा एम्प्लॉइज हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक्सेंचर के टोटल ग्लोबल वर्कफोर्स में से लगभग 47% यानी 3.5 लाख एम्प्लॉइज भारत में हैं। कंपनी की टोटल ग्लोबल वर्कफोर्स में 7,38,143 एम्प्लॉइज शामिल हैं। वहीं पिछली 10 तिमाहियों में यानी 1 सितंबर 2020 से 28 फरवरी तक, एक्सेंचर ने 2,32,410 एम्प्लॉइज की हायरिंग की है। एक्सेंचर ने छंटनी के लिए बिगड़ते ग्लोबल इकोनॉमिक आउटलुक को जिम्मेदार ठहराया है। साथ ही एक्सेंचर ने अपने रेवेन्यू और प्रॉफिट के पूवार्नुमान को भी कम कर दिया है। एक्सेंचर ने एनुअल ग्रोथ रेट में 8% से 11% की बढ़ोतरी के पिछले अनुमान को कम करके 8% से 10% कर दिया है। इसके साथ ही अब कंपनी ने प्रति शेयर इनकम 10.84 डॉलर से 11.06 डॉलर के बीच रहने की उम्मीद जताई है, जिसके पहले 11.20 डॉलर से 11.52 डॉलर रहने का अनुमान लगाया गया था। एक्सेंचर ने कहा, 'हमें उम्मीद है कि फाइनेंशियल ईयर 2023 के तीसरे क्वार्टर में रेवेन्यू 16.1 अरब डॉलर से 16.7 अरब डॉलर के बीच होगा।' वहीं कंपनी के उएड जूली स्वीट ने कहा कि हम अपनी लागत कम करने के लिए छंटनी करने के यह कदम उठा रहे हैं। हालांकि, हम बिजनेस और अपने लोगों में निवेश जारी रखते हुए ग्रोथ के महत्वपूर्ण अवसरों का लाभ उठाते रहेंगे। एक्सेंचर ने बताया कि कर्मचारियों की यह छंटनी कंपनी एक साथ नहीं, बल्कि 18 महीनों में स्टेप-बाई-स्टेप करेगी। कंपनी के अनुसार, इस छंटनी का असर उसके नॉन बेलेबल कॉर्पोरेट फंक्शन में शामिल कर्मचारी पर ज्यादा पड़ेगा। एक्सेंचर ने कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा ऐसे समय की है, जब दुनियाभर की कंपनियां आर्थिक मंदी की आशंका के चलते कर्मचारियों को नौकरी से निकाल रही हैं। मेटा, गूगल और अमेजन जैसी बड़ी कंपनियां भी कर्मचारियों की छंटनी कर चुकी हैं।

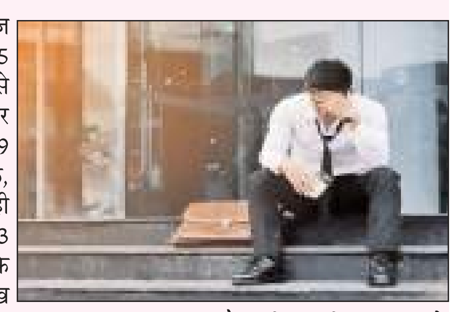

## संक्षेप

### श्रीकांत वेंकटचारी होंगे रिलायंस के अगले सीएफओ

**नई दिल्ली।** रिलायंस इंडस्ट्रीज के नेतृत्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज में प्रबंधन के स्तर पर अहम बदलाव किए गए हैं। कंपनी ने वेंकटचारी श्रीकांत को मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति एक जून 2023 से प्रभावी होगी। वे कंपनी के वर्तमान सीएफओ आलोक अग्रवाल की जगह लेंगे। 1 जून 2023 से आलोक अग्रवाल रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के वरिष्ठ सलाहकार की भूमिका निभाएंगे। आलोक अग्रवाल ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ 30 साल पूरे कर लिए हैं। उन्हें साल 2005 में कंपनी का सीएफओ नियुक्त किया गया था। वहीं, वेंकटचारी श्रीकांत 14 साल से कंपनी से जुड़े हुए हैं।

### क्यूटोन टाइल्स का अंतर्राष्ट्रीय चेहरा बने अनिल कपूर के ब्रांडएसोसिएशन का 9 वें साल में प्रवेश

**नई दिल्ली।** दुनिया के ६० से अधिक देशों में मौजूद,एक प्रख्यात प्रीमियम टाइल ब्रांड क्यूटोन टाइल्स,भारत में पहली बार लक्जरी टाइल संबंधी आवश्यकताओं समझते हुए नयी तकनीक और सभी तरह के टाइल समाधानों की पेशकश कर रहा है औरवो भी एक छत के नीचे। क्यूटोन ब्रांड फर्श, दीवार तथा काम की सतहों के लिए उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। ब्रांड उपभोक्ताओं के सामने हमेशा कुछ अनुठा और उत्तम दर्जे की टाइल पेश करने में विश्वास रखता है। इस अवसर पर बोलते हुए, क्यूटोन टाइल्स के सीएमडी श्री मनोज अग्रवाल ने कहा, हम अनिल कपूर के साथ अपने असोसिएशन को जारी रखते हुए प्रसन्न हैं, जो पिछले ८ वर्षों से क्यूटोन परिवार का अभिन्न अंग रहे हैं। हमारे ब्रांड के साथ उनका जुड़ाव और हमारे दर्शकों के साथ तालमेल बिठाने की उनकी क्षमता ने हमें उद्योग में अपने लिए एक विशिष्ट पहचान बनाने में मदद की है। हमें विश्वास है कि उनके साथ हमारी यह साझेदारी हमारे ब्रांड को मजबूत करना जारी रखेगी और आने वाले वर्षों में हमारे विकास को आगे बढ़ाएगी। चाहे वह उत्पाद हों या ब्रांड संवाद,क्यूटोन ने निरंतर अपने ग्राहकोंके सामने जो सर्वोत्तम है, वहीपेश किया है।ग्राहकों की अपेक्षाओं से बेहतर उत्पाद उपलब्ध कराने के लिए क्यूटोन टाइल हमेशा प्रतिबद्ध रही है। कंपनी के पास ऐसी नयी तकनीक और उत्कृष्टता सेपरिपूर्णअनोखा दृष्टिकोण है, जिसके कारण वह अपने ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने वाले नए नए उत्पादों को पेश करने की हर क्षमता रखता है।

### भारत में वीवो वी 27 जबरदस्त कैमरे के साथ शानदार 3 डी कर्व्ड डिस्प्ले डिजाइन के साथ पेश

**नई दिल्ली।** वीवो ने हाल ही में भारत में वी सीरीज का अपना लेटेस्ट स्मार्टफोन वीवो वी 27 पेश किया। स्मार्टफोन एक खूबसूरत 3डी कर्व्ड डिस्प्ले, नाइट पोर्ट्रेट के लिए ऑरा लाइट के साथ ट्रिपल-कैमरा सेटअप और वीवो की रंग बदलने वाली टेक्नोलॉजी के साथ आता है। मीडियाटेक डायमेंसिटी 7200 चिपसेट के साथ डेब्यू करने वाला यह भारत का पहला स्मार्टफोन है, जो स्मार्टफोन को एक स्मूथ यूजर एक्सपीरियंस प्रदान करता है। वीवो वी 27 वीवो वी सीरीज के अन्य स्मार्टफोन्स की तरह स्टाइलिश लुक और अल्ट्रा-स्लिम डिजाइन में है। लेकिन वी 27 के डिजाइन में जो यूनिक वह इसकी 3डी कर्व्ड ऐमोलेड स्क्रीन है, क्योंकि यह पहली बार है कि वीवो ने नॉन-प्रो वेरिएंट में एक कर्व्ड डिस्प्ले प्रदान किया है। इस स्मार्टफोन के मैजिक ब्लू वेरिएंट में बेहतर सेंसीविटी के साथ वीवो की बहुचर्चित कलर चेंजिंग फ्लोराइड एजी ग्लास टेक्नोलॉजी भी है, और इसकी बिल्ड क्वालिटी स्क्रैच और फिंगरप्रिंट रेसिस्टेंट है। जो लोग रंग बदलने वाले जादू को नहीं देखना चाहते हैं, उनके लिए ये स्मार्टफोन नोबल ब्लैक कलर वेरिएंट में भी उपलब्ध है।

### इंडसइंड बैंक ने बीएफआईएल के सीओओ विकास मुद्दू को किया नियुक्त

**नई दिल्ली।** इंडसइंड बैंक ने अपनी पूर्ण सहायक कंपनी भारत फाइनेंशियल इंक्लूजन लिमिटेड (बीएफआईएल) के सीओओ और हैड मेंबर सर्विसेज के रूप में विकास मुद्दू को नियुक्त करने की घोषणा की। विकास मुद्दू को माइक्रोफाइनेंस, रिटेल बैंकिंग, कंज्यूमर फाइनेंस और पी एंड एल प्रबंधन सहित बैंकिंग और वित्तीय स्पेक्ट्रम में 27 से अधिक वर्षों का विस्तृत अनुभव है और इस तरह उनकी पहचान एक अनुभवी बैंकर के तौर पर होती है। इससे पहले वे एएनजेड ग्रिंडलेज, स्टैंडर्ड चार्टर्ड, एबीएन एमरो, आरबीएस के साथ जुड़े रहे हैं। वे बीएफआईएल के साथ चीफ बिजनेस ऑफिसर के रूप में भी जुड़े रहे हैं और यह उनका एक बहुत ही सफल कार्यकाल रहा है। उनका सबसे हालिया कार्यकाल आरबीएल बैंक के साथ रहा है, जहां वे इसके माइक्रोफाइनेंस बिजनेस के एमडी और सीईओ थे। नियुक्ति पर टिप्पणी करते हुए इंडसइंड बैंक के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ सुमंत कठपालिया ने कहा, विकास मुद्दू के फिर से हमारी टीम में शामिल होने से हम बेहद खुश हैं और हमें विश्वास है कि उनके शामिल होने से बीएफआईएल टीम को और ताकत मिलेगी। बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र में, विशेष रूप से माइक्रोफाइनेंस में उनका शानदार और प्रमाणित पूर्व अनुभव हमारी टीम को न सिर्फ प्रेरणा प्रदान करेगा, बल्कि बीएफआईएल के व्यवसाय के लिहाज से भी उनका साथ हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगा। हम बीएफआईएल टीम में उनका स्वागत करते हैं और उनकी सफलता की कामना करते हैं।

### एक्सिस बैंक ने जेब आकार का स्वाइप मशीन लॉन्च किया

**नई दिल्ली।** भारत के तीसरे सबसे बड़े निजी बैंक, एक्सिस बैंक ने तकनीकी समाधान भागीदारों, रेजरपे के ईजीटैप और मायपिनपैड के साथ मिलकर भारतीय बाजार में डिजिटल भुगतान स्वीकार करने के लिए विशिष्ट पिन ऑन मोबाइल समाधान लॉन्च किया है। 'माइक्रोपे' एक अभूतपूर्व 'पिन ऑन मोबाइल' समाधान है जो मर्चेंट के स्मार्टफोन को पॉइंट-ऑफ-सेल (पीओएस) टर्मिनल में परिवर्तित करता है, जिससे डिजिटल भुगतान आसान हो जाता है और यह एक अनूठा ग्राहक अनुभव प्रदान करता है। यह भारत भर के व्यवसायों, विशेष रूप से टियर-2 और टियर-3 शहरों में खुदरा और किराना दुकानों के लिए के लिए एक वास्तविक गेम-चेंजर होगा, जो सीमित कार्यशील पूंजी पर काम करते हैं और लागत प्रभावी भुगतान समाधान पसंद करेंगे।जबकि भारत में डिजिटल प्वाइंट ऑफ सेल (पीओएस) सिस्टम को अपनाने की दर में वृद्धि हुई है, लेकिन डिवाइस की लागत कभी-कभी एमएसएमई के लिए कठिनाई बन जाती है। पिन ऑन मोबाइल तकनीक पर मर्चेंट के स्मार्टफोन को पीओएस में बदल देता है और उन्हें उच्चतम सुरक्षा मानकों को बनाए रखते हुए कार्ड, यूपीआई, बीक्यूआर-कोड आदि के माध्यम से भुगतान स्वीकार करने के लिए एक लागत प्रभावी साधन प्रदान करता है। घोषणा पर टिप्पणी करते हुए एक्सिस बैंक के प्रेसिडेंट और हेड- कार्ड्स एंड पेमेंट्स, संजीव मोघे ने कहा, हम व्यापारी समुदाय के लिए नए और किफायती पीओएस समाधानों पर काम कर रहे हैं, ताकि उन्हें किफायती किंतु सुरक्षित भुगतान स्वीकृति उपकरण को बड़े पैमाने पर डिजिटल भुगतान अपनाने में मदद मिल सके।

### क्रिप्टो एक्सचेंज बाइनेंस ने अस्थायी रूप से सभी स्पॉट ट्रेडिंग को निलंबित किया

सैन फ्रांसिस्को। प्रमुख ब्लॉकचैन और क्रिप्टोक्यूरेंसी प्लेटफॉर्म बाइनेंसने शुक्रवार को घोषणा की कि उसने अपने प्लेटफॉर्म पर सभी स्पॉट ट्रेडिंग को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है क्योंकि यह किसी मुद्दे को हल करने के लिए काम कर रहा है।कंपनी ने ट्वीट किया- हम बाइनेंस पर स्पॉट ट्रेडिंग को प्रभावित करने वाले एक मुद्दे से अवगत हैं। सभी स्पॉट ट्रेडिंग वर्तमान में अस्थायी रूप से निलंबित हैं क्योंकि हम इसे जल्द से जल्द हल करने के लिए काम कर रहे हैं। नए अपडेट यहां साझा किए जाएंगे। इसके अलावा, बाइनेंस के सीईओ, चांगपेंग झाओ ने अपने ट्विटर अकाउंट से एक अपडेट साझा करते हुए कहा कि क्रिप्टो एक्सचेंज को ट्रेलिंग स्टॉप ऑर्डर पर एक बग का सामना करना पड़ा। झाओ ने ट्वीट किया, प्रारंभिक विश्लेषण से संकेत मिलता है कि मैचिंग इंजन को ट्रेलिंग स्टॉप ऑर्डर (एक अजीब) पर बग का सामना करना पड़ा।

# प्रदेश में डबल इंजन की सरकार ने कायम किया कानून का राज : सीमा द्विवेदी

जनसंदेश न्यूज

योगी सरकार की उपलब्धियों की पत्रिका का विमोचन करती राज्यसभा सांसद

जौनपुर। प्रदेश सरकार के वर्तमान कार्यकाल के 1 वर्ष तथा कुल 6 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जनपद की राज्य सभा सांसद द्वारा क्लेक्ट्रट सभागार में प्रेस वार्ता की गई। प्रेसवार्ता के दौरान जनपद के साथ साथ विधानसभाओं के विकास पर आधारित पुस्तिका का राज्य सभा सांसद सीमा द्विवेदी ने विमोचन किया। प्रेस वार्ता के दौरान मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया। इस मौके पर प्रदेश स्तर पर लखनऊ में मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश द्वारा की गई प्रेस वार्ता का सजीव प्रसारण देखा गया। प्रदेश की 6 वर्ष की उपलब्धियों/विकास यात्रा पर आधारित लघु फिल्म देखी गयी। इसी दौरान राज्य सभा सांसद ने जनपद के साथ अन्य विधानसभा के विगत 1 वर्ष में कराए गए विकास कार्यों एवं उपलब्धियों से संबंधित पुस्तिकाओं का विमोचन किया गया। इस मौके पर राज्यसभा सांसद ने कहा कि प्रदेश के विभिन्न विभागों यथा महिला कल्याण विभाग के अंतर्गत वन स्टॉप सेंटर, स्वच्छ भारत मिशन, आयुष विभाग, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एवं शहरी, पीएम स्ट्रीट वेंडर्स योजना, नगर निकाय, अल्पसंख्यक कल्याण, समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत सामूहिक विवाह योजना, परिवारिक लाभ योजना, अग्रणी बैंक, सेवायोजन के अंतर्गत रोजगार, यूपी नेडा, पशुपालन, एनआरएलएम, खाद्य एवं रसद विभाग, स्वास्थ्य विभाग, ओडीओपी योजना, खादी एवं ग्रामोद्योग, श्रम योगी मानधन योजना, फसल बीमा योजना, आईसीडीएस के अंतर्गत पोषण वाटिका, उद्यान विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, मत्स्य पालन, विद्युत विभाग, कृषि विभाग आदि की उपलब्धियों की जानकारी दी। राज्य सभा सांसद ने कहाकि वर्तमान सरकार में प्रदेश की कानून व्यवस्था सुदृढ़ हुई है। सरकार द्वारा मुफ्त एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की व्यवस्था की गई है। शिक्षा के साथ-साथ बच्चों को भोजन मिड डे मील, मुफ्त किताबें, ड्रेस आदि भी उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गरीब व कमजोर वर्ग के लोगों के लिए अनेक योजनाएं संचालित है। प्रदेश सरकार द्वारा कमजोर वर्ग के लोगों को उज्जवला योजना के तहत गैस कनेक्शन, प्रधानमंत्री आवास, शौचालय राशन आदि उपलब्ध कराया जा रहा है तथा अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को विकास की मुख्य धारा से जोड़ा जा रहा है। जिलाधिकारी ने अवगत कराया कि जनपद में शासन की मंशा के अनुरूप बेहतर कार्य किए जा रहे है। इस मौके पर जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह, जिलाधिकारी अनुज कुमार झा, मुख्य विकास अधिकारी सीलम साई तेजा, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय, अधि.अभि. पी.डब्लयू.डी जैगराम एवं जनपद के वरिष्ठ पत्रकारगण उपस्थित रहे।

# विधायक ने अधूरे पुल का किया निरीक्षण

जनसंदेश न्यूज

सुजानगंज। मुंगराबादशाहपुर के विधायक पंकज पटेल ने स्थानीय क्षेत्र के बेरी, तिलहुआ गांव के नाले पर बने अधूरे पुल का अवलोकन कर ग्रामीणों को पुल जल्द बनवाने का आश्वासन दिया।

विधायक पंकज पटेल ने शनिवार को दोपहर में अचानक अपने लव लश्कर के साथ तिलहुआ नाले पर पहुंच गए। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों से पुल के निर्माण के बारे में जानकारी लिया। बताया कि यह पुल का निर्माण सपा शासनकाल में स्वर्गीय पारसनाथ यादव मंत्री के द्वारा उद्घाटन किया गया था जिसमें ब्लॉक के मध्य से ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि राम सिंह यादव द्वारा निर्माण कार्य कराया गया। पुल का पावा बनाकर बीच में ही अधूरा छोड़ दिया गया। काफी सालों के बाद ग्रामीणों के निवेदन पर सपा विधायक ने पुल का निर्माण कराने का भरपूर आश्वासन देते हुए बताया कि यह पुल का निर्माण शीघ्र किया जाएगा। पुल निर्माण में धांधली की भी जांच कराई जाएगी। यह वह पुल है जो बसही बाजार से देवकली होते हुए नारीपुर से निकलकर कारू वीर धाम को जाता है। रास्ता ना होने की वजह से लोगों को 10 से 12 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है। बरसात में लोगों का आना जाना पूर्ण रूप से बंद हो जाता है। पुल के आसपास बड़ी-बड़ी खाई बनकर झाड़ियां उग आई हैं। मौके पर प्यारे लाल निषाद ग्राम प्रधान, कमलेश यादव, राजबहादुर बिंद, लालजी यादव, रामकृपाल यादव, रविंद्र सरोज, ग्राम प्रधान पति हरिशंकर यादव आदि सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

## संक्षेप

### देवी मंदिरों में दर्शन पूजन को उमड़ी भीड़

सुजानगंज। वासंतिक नवरात्र के चौथे दिन शनिवार को श्रद्धालुओं ने बसरही में स्थित मां अंबाजी मंदिर में दर्शन पूजन कर आशीष मांगा। मंदिर में दर्शन पूजन करने के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। मंदिर परिसर में लंबी कतारें लगी रहीं। श्रद्धालुओं ने मां अंबाजी को नारियल, चुनरी, पुष्प की माला अर्पित की। ऐसी मान्यता है कि मां का दर्शन पूजन करने से धन एवं ऐश्वर्य प्राप्त होती है, साथ ही साथ मां मोक्ष प्रदान करती हैं। इनके दर्शन पूजन से सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती है। वहीं क्षेत्र के मां गायत्री शक्तिपीठ बालवरगंज में भी श्रद्धालुओं द्वारा दर्शन पूजन किया जा रहा है। क्षेत्र के सुजानगंज तिलहरा गांव में स्थित मां झाली भवानी के मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा मां का दिव्य दर्शन पूजन किया जा रहा है। मान्यता है कि नवरात्र में देवी की पूजा और दर्शन मात्र से शत्रु का नाश होता हैं, पूरा क्षेत्र देवी भक्तों में बना हुआ है।

### पांच सूत्रीय मांगों को लेकर रालोद ने सौंपा ज्ञापन

जौनपुर। 5 सूत्रीय मांगों को लेकर राष्ट्रीय लोक दल के जिला अध्यक्ष धनीराम यादव के नेतृत्व में शनिवार को मुख्यमंत्री को संबोधित पांच सूत्रीय मांगों का ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा गया। इस दौरान जिलाध्यक्ष ने कहा कि मांगों को लेकर सरकार को लगातार अवगत कराया जा रहा है लेकिन सरकार मांगों पर गंभीर नहीं है।उन्होंने कहाकि किसानों की मांग है कि आकाशीय बिजली गिरने से मौत का शिकार हुए लोगों के परिजनों को 20-20 लाख की आर्थिक सहायता तथा परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाय। गेहूं मटर तथा सरसों की फसलों का सर्वे कराकर उचित मुआवजा दिलाया जाए। आम का बौर बाग में ही गिर गया जिससे आम की फसल किसानों को भारी नुकसान हो गया उन्हें भी उचित मुआवजा दिया जाए। किसानों के सभी तरह के कर्ज को माफ किया जाए। फसल बीमा योजना या अन्य कोई विशेष योजना के अंतर्गत किसानों को त्वरित लाभ पहुंचाया जाए। ज्ञापन देने वालों में अशोक प्रधान, अभय राज, गोलू निषाद, जमुना प्रसाद, डा. रिजवी, तारिक अली, विनोद कुमार, गुड्डू गौड़ आदि शमिल रहे।

### भाजपा नेता ने क्षय रोगियों को लिया गोद

शाहगंज। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के दूसरे कार्यकाल का आज 1 वर्ष पूरा होने पर बीजेपी नेता रुपेश जायसवाल ने वृक्षारोपण किया। वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती मरीजों को फल वितरण कर केन्द्र पर इलाज करा रहे आधा दर्जन क्षय रोगियों को गोद लेकर उनके खानपान के खर्चे को उठाने का आश्वासन दिया। मौके पर मरीजों को प्रोटीन और खाद्य पदार्थ को वितरित किया गया। इस दौरान बीजेपी सरकार की उपलब्धियां को गिनाया। बीजेपी नेता श्री जायसवाल ने कहा कि बीते छह वर्षों में यूपी में जो परिवर्तन हुआ है वह एक नये उत्तर प्रदेश की गाथा लिख रहा है। बीते छह साल प्रदेश के काफी महत्वपूर्ण रहे है। आज पूरा देश योगी सरकार के कार्यप्रणाली की तारीफ कर रहा है। इस दौरान चिकित्सा अधीक्षक डा. रफीक फारुकी, वरिष्ठ लिपिक मो. अब्बास, धीरज पाटिल, विजय गुप्ता, वेद प्रकाश जायसवाल, वासू अग्रहरि, रवि यादव, विकास कुमार, संजय कुमार आदि मौजूद रहे।

### पौधरोपण से ही हमारा वर्तमान और भविष्य सुरक्षितः अशोक

भदोही। विगत 6 वर्षों से अनवरत स्वयं के खर्चे से वृक्षारोपण कर धरती को हरा-भरा, प्रदूषण मुक्त एवं आने वाली नस्लों के लिए शुद्ध जल एवं वायु मिल सके इसके लिए भगीरथ प्रयास करते हुए राष्ट्रपति पुरस्कार से पुरस्कृत शिक्षक अशोक कुमार गुप्ता द्वारा 10 अक्टूबर 2017 से लगातार वृक्षारोपण किया जा रहा है। आज 25 मार्च को 1993 वें दिन राम के पुरा गांव में मिठाई लाल मिस्त्री को उपहार स्वरूप आम का पौधा देकर उनके पुत्र- पुत्री, नाती- पोतों के साथ वृक्षारोपण किया गया।

# ईशा हास्पिटल में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन

जनसंदेश न्यूज

जौनपुर। जनपद की सांस्कृतिक क्षेत्र की अग्रणी संस्था संस्कार भारती द्वारा ईशा हॉस्पिटल ब्लड बैंक में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें संस्कार भारती के पदाधिकारियों, सदस्यों एवं समाजसेवियों द्वारा भी रक्तदान किया गया। रक्तदान की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए ईशा हास्पिटल ब्लड बैंक की मेडिकल ऑफिसर डॉ. स्मिता श्रीवास्तव ने कहा की रक्तदान महादान है। एक यूनिट रक्त से चार व्यक्ति के जीवन को बचाया जा सकता है। समाज में जो भ्रांति है कि इससे व्यक्ति कमजोर हो जाता है वह निरर्थक है, उसको दूर करना चाहिए। अधिक से अधिक लोगों को आगे आकर रक्तदान करना चाहिए। कुल 10 व्यक्तियों द्वारा रक्तदान किया गया। रक्तदान करने वालों में प्रमुख रूप से ऋषि श्रीवास्तव, विष्णु कुमार गौड़, अजय कुमार गुप्ता, राजेश किशोर, वैभव जायसवाल, अंकित यादव, ऋषि यादव, शैलेश, विकास यादव, रजनीश मौर्य रहे। इस अवसर पर संस्कार भारती काशी प्रांत महामंत्री सुजीत कुमार, जौनपुर इकाई अध्यक्ष डॉक्टर ज्योति दास, सहकोषाध्यक्ष मनीष अस्थाना, महामंत्री अमित गुप्ता अंशु, संजय गुप्त आदि उपस्थित रहे। इस स्वैच्छिक रक्तदान शिविर मे ब्लड बैंक सुपरवाईजर पूर्णिमा यादव एवं लैब टेक्नीशियन संतोष कुमार, अंजना मौर्य, आशीष प्रजापति का विशेष सहयोग रहा। शिविर के अन्त मे निर्मल कुमार श्रीवास्तव प्रबंधक ईशा हॉस्पिटल ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

### गौशाला में गायों के मरने की खबर छापना पड़ा महंगा

केराकत। मुफ़्तीगंज ब्लॉक क्षेत्र के पेसारा गांव में स्थित गोशाला में रोज-रोज गायों के तड़प-तड़प कर मरने की खबर छापना पत्रकारों को महंगा पड़ गया। गांव की ग्राम प्रधान चंदा देवी ने चार पत्रकारों के खिलाफ थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। न्यूज कवर करने गए पत्रकारों पंकज कुमार सिंह, अरविन्द कुमार यादव, विनोद कुमार और आदित्य मिश्रा के खिलाफ एससीएसटी की धारा 3(2) तथा आईपीसी की धारा 384, 429, 504, 506 के तहत मुकदमा दर्ज कराने से पत्रकारों में रोष है। शनिवार को ग्रामीण एसोसिएशन के तहसील अध्यक्ष संजय शुक्ल की अध्यक्षता में पत्रकारों की बैठक हुई जिसमें चार पत्रकारों के खिलाफ फर्जी ढंग से मुकदमा दर्ज करने की निंदा की गई। बैठक में दीपनारायण सिंह, रामसरण यादव, प्रीतेश सिंह, पंकज राय, नवीन सिंह, पप्पू सरोज, पंकज सिंह, विनोद कुमार, प्रवीन कुमार आदि मौजूद रहे। बाद में पत्रकारों के समूह ने एसपी सिटी से मिलकर शिकायत की। एसपी सिटी ने मुकदमा खत्म कराने का आश्वासन दिया। एसपी सिटी से मिलने वालों में राजकुमार सिंह, दीपक सिंह आदि रहे।

# कलेक्ट्रेट परिसर में नाटकीय ढंग से महिला ने किया आत्महत्या का प्रयास

जनसंदेश न्यूज

जौनपुर। कलेक्ट्रेट परिसर में डीएम कार्यालय के ठीक सामने पुलिस से बातचीत करने के दौरान एक महिला ने अपने ऊपर पेट्रोल से भरा बाटल गिरा लिया। मौके पर पुलिस ने किसी तरीके से बॉटल को छीना और महिला को जिला अस्पताल में इलाज के लिए ले गये। महिला के इस हाई वोल्टेज ड्रामे और आत्महत्या करने के प्रयास का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

बता दें की लाइनबाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत हुसैनाबाद में प्रदीप श्रीवास्तव के मकान में काफी दिनों से रंजना सिंह नामक एक महिला किराए पर रहती थी और धीरे-धीरे पूरे मकान को हथियाने की साजिश रचना शुरू कर दिया। जब मकान मालिक ने इसकी शिकायत उच्च अधिकारियों से की तो तहसीलदार एसडीएम और थाने की पुलिस ने जाकर कब्जा किए हुए मकान को खाली कराया। एक कमरा मकान में से इसको रहने के लिए दे दिया गया। कब्जा खाली होने के बाद रंजना सिंह कलेक्ट्रेट परिसर में डीएम कार्यालय के ठीक सामने पुलिस से बातचीत करने के दौरान अपने ऊपर पेट्रोल से भरा बाटल गिरा लिया मौके पर पुलिस ने किसी तरीके से बॉटल को छीना और महिला को जिला अस्पताल में इलाज के लिए ले गये। पुलिस का कहना है कि रंजना सिंह कई बार नौटकी कर इस ढंग से आत्महत्या करने का प्रयास कर चुकी है।

## संक्षेप

### नवरात्र के चौथे दिन दुर्गा मंदिर पर उमड़ी भीड़, दिनभर लगता रहा जयकारा

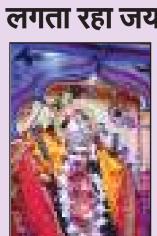

गोपीगंज। नगर के प्राचीन दुर्गा माता मंदिर पर नवरात्र के चौथे दिन शनिवार को भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी रही। दिन भर लोग कतार बंद होकर माता रानी का एक झलक पाने के लिए बेताब दिखे। महिलाएं सुबह से ही मंदिर की परिक्रमा कर जयकारे लगाती रही। नौ दिनों तक चलने वाले दर्शन पूजन हवन और पाठ में नगर सहित दूर-दराज के गांव के लोग पहुंचकर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं, वही जय माता दी के जयकारे से दिनभर पूरा मंदिर परिसर गुंजायमान है। मान्यता है कि मां का दर्शन और पूजन कर मांगी गई मन्नत माता अवश्य पूरा करती हैं, इसी भाव और भावना को लेकर मंदिर में दूरदराज से लोग दर्शन करने आते हैं।

### राहुल गांधी की सदस्यता रद्द होने पर कांग्रेसियों ने पीएम का फूंका पुतला

ज्ञानपुर। जिला युवा कांग्रेस कमेटी भदोही व एनएसयूआई भदोही के संयुक्त तत्वाधान में कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं लोकसभा सांसद राहुल गांधी की लोक सभा सदस्यता रद्द करने के खिलाफ जिले के कांग्रेस जन आंदोलित हो उठे। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर जुटे कार्यकताओं ने नारे लगाते हुए सड़को पर उतरकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला फूंका। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष डा राजेंद्र कुमार दूबे राजन ने कहा कि संसद में अडानी और मोदी के रिश्ते पर राहुल गांधी के प्रश्न का जवाब मोदी जी के पास नही था। उनकी आवाज को दबाने के लिए पहले सांसद को म्यूट किया जाता है और अब राहुल की सदस्यता ही समाप्त कर दी गई है।अडानी, अंबानी, मोदी के पूरे खेल का पोल खुलने वाला था क्योंकि राहुल सच पर निडरता से लड़ते देश जान गया है कि मोदी के शह पर उनके लूटेरे मित्र देश को लूट रहे हैं। इस अवसर पर एनएसयूआई जिला अध्यक्ष आनंद मौर्या ने कहा कि राहुल गांधी इस सच को दुनिया के सामने लाए बगैर चुप नहीं रह सकते थे, इसके लिए मोदी के पास एक ही रास्ता था राहुल के लिए पार्लियामेंट के अंदर जाने वाली रास्ते को बंद करना, ऐसा करके एक सांसद के अधिकार को ही नहीं छला गया बल्कि उनके संसदीय क्षेत्र वायनाड के लाखों जनता की आवाज भी दबा दी गई। यह देश के गरीबों, मजदूरों, किसानों, नौजवानों की आवाज संसद में गूंजने से रोकने की साजिश है। अवसर पर मुख्य रूप से एआईसीसी सदस्य राकेश मौर्य, मसूद आलम, हरिश्चंद्र दूबे, सेवादल जिला अध्यक्ष संदीप दूबे, मनोज जायसवाल, सुमित शुक्ला, सुधीर यादव, चिंटू शुक्ला, शक्ति मिश्रा, धीरज मिश्रा, नरेश मिश्रा इत्यादि लोग रहे।

### शातिर साइकिल चोर चढ़ा पुलिस के हत्थे, चार साइकिल बरामद

भदोही। गत बुधवार को थाना ज्ञानपुर पर आवेदक राजबली गौतम द्वारा लिखित तहरीर देते हुए अवगत कराया गया कि गोयल गली, कस्बा ज्ञानपुर में साइकिल खड़ी करने के दौरान अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर लिया गया। सूचना पर तत्समय ही अज्ञात के विरुद्ध मु.अ.सं.- 44/2023 धारा 379 भा.द.वि.का अभियोग पंजीकृत कर विवेचनात्मक कार्यवाही प्रचलित की गई। थाना ज्ञानपुर पुलिस टीम द्वारा शुक्रवार को सायं चेकिंग के दौरान दुगार्गंज तिराहे के पास से शातिर साइकिल चोर आशीष दुबे उर्फ सिंटू पुत्र स्व. लालचंद दुबे निवासी गोपीपुर वार्ड नंबर 01 थाना ज्ञानपुर को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई है। गिरफ्तारशुदा साईकिल चोर के कब्जे से पंजीकृत अभियोग से सम्बंधित रेंजर साइकिल सहित कुल 04 अदद चोरी की साईकिल तथा जामा तलाशी के दौरान झोले में रखा 1.100 कि.ग्रा. नाजायज गाजा बरामद किया गया है। पूछताछ में गिरफ्तारशुदा शातिर चोर द्वारा बरामद साइकिलों के संबंध में बताया गया कि उसके द्वारा विभिन्न स्थानों- चकटोडर, बालीपुर व गोयल गली से चोरी किया गया है। उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर पंजीकृत अभियोग में धारा 411, 413 भादवि की बढ़ोतरी तथा नाजायज गांजा बरामदगी के संबंध में अभियुक्त के विरुद्ध मु.अ.सं.-46/2023 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट का अभियोग पंजीकृत करते हुए विधिक कार्यवाही के उपरांत चालान न्यायालय किया गया।

जनसंदेश टाइम्स प्रा.लि.के लिए **प्रवीण कुमार कुशवाहा**, सी 28 /121, तेलियाबाग, प्रथम तल, वाराणसी से प्रकाशित एवं मीडिया टेक्स्ट (Media Text) प्रा.लि. प्रेस, रोहनिया, वाराणसी से मुद्रित।

**प्रधान सम्पादक - सुभाष राय**

**स्थानीय सम्पादक -प्रवीण कुमार कुशवाहा**

पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से सम्बन्धित विवादों का न्याय क्षेत्र वाराणसी होगा।

फोन नं. 8177008889

आरएनआई नं. **UPHIN/2012/46221**

डाक पंजीयन सं.: जीपीओएलडब्ल्यू / एनपी - 78/2011-13।

# जिस लापता लड़की का कुएं से शव मिलने का हुआ था दावा, वह नोएडा से हुई बरामद

जनसंदेश न्यूज

यह उस समय का है जब लड़की गायब हुई थी और उसके माता पिता मुकदमा दर्ज कराने की मांग कर रहे थे।

गोपीगंज। कोतवाली क्षेत्र के जंगीगंज चौकी अंतर्गत सीखापुर गाँव की जिस लापता लड़की का कुएं से शव मिलने का दावा हुआ था, वह लड़की नोएडा से बरामद हुई। कुएं से बरामद डेड बॉडी का लापता लड़की के परिजनों ने अपनी बेटी का शव बताकर दो युवकों पर मुकदमा दर्ज कराकर जेल भेज दिया था। गोपीगंज पुलिस ने पिता श्याम किशोर पांडेय के तहरीर पर धारा 363 के तहत मुकदमा कायम कर किशोरी के अपहरण की जांच कर ही रही थी कि 27 मई को खबर मिली की ग्राम मोहनपुर के सिवान थाना ऊंज में अज्ञात लड़की का शव बरामद हुआ है। मृतका के शव की पहचान परिवार के लोगों ने अपनी पुत्री शशिकला का होना बताया। पिता की तहरीर के आधार पर थाना गोपीगंज में पुलिस ने दो व्यक्तियों के विरुद्ध हत्या का मुकदमा कायम कर विष्णु कहार पुत्र रामचंद्र निवासी कस्तूरीपुर थाना सुरियावा व प्रदीप कुमार पुत्र मेंही लालसेठ निवासी चकमनधाता थाना गोपीगंज के नाम दर्ज किया और उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। स्थानीय पुलिस ने गिरफ्तारी दिखाकर अपनी पीठ थपथपा ली, फिर मृतका के जिंदा बरामदगी पर दुबारा अपनी पीठ थपथपा रही है। सवाल यह बनता है की जो गुनाह युवकों ने किया ही नहीं उसकी सजा उन्हे क्यूं मिली। क्या उनके वह प्रताड़ना के दिन पुलिस वापस कर सकती है। अगर जो शव कुएं से मिला तो फिर वह किस महिला की थी। क्या इसका जवाब पुलिस महकमे के पास है। क्या उसका पता लगाएगी। शायद नहीं लगा पाएगी? बहरहाल पुलिस ने किशोरी की बरामदगी और गलत सूचना देने और गलत शिनाख्त करने के आधार पर किशोरी के माता पिता श्याम किशोर पांडेय पुत्र रंग लाल पांडेय और गीता देवी पत्नी श्याम किशोर पांडेय के विरुद्ध मुकदमा कायम कर अग्रिम कार्यवाही में जुट गई।

### परिजनों के शिनाख़्त व तहरीर के आधार पर हुई थी कार्यवाहीः एसपी

गोपीगंज। इस मामलें में प्रेस वार्ता के दौरान पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि कुएं से शव मिलने के बाद परिजनों द्वारा शिनाख्त किये जाने व तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की गई थी। कार्यवाही के बाद किशोरी के परिजनों की भूमिका संदिग्ध दिखी। कई महीनों से पुलिस द्वारा उन पर नजर रखी जा रही थी। बाद में पता चला कि जिस किशोरी के मौत के मुकदमे में आरोपी लोगों को जेल हुआ वह किशोरी परिजनों से प्रताड़ित होकर घर से फरार हो गई थी, नोएडा में रह रही है। इस मामले में परिजनों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। कुँए से जिस किशोरी का शव मिला था उसकी जांच की जा रही है।

# क्रेन चालक की सड़क दुर्घटना में मौत

जनसंदेश न्यूज

लालानगर। वाराणसी में सड़क पर क्षतिग्रस्त गाड़ियां हटा रहे क्रेन चालक को स्कॉर्पियो के रौंदने से क्रेन चालक की मौत हो गई। वाराणसी में मिजार्मुराद क्षेत्र के खजूरी चौकी के समीप नेशनल हाइवे पर शनिवार को एक स्कॉर्पियो कार की टक्कर से चालक की मौत हो गई। वहीं स्कॉर्पियो कार अनियंत्रित होकर जा पलटी जिसमें आधा दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

बताया गया कि रोड पर एक टैंकर व ट्रक के आपसी टक्कर में क्षतिग्रस्त गाड़ियों को रोड से हटाने हेतु पहुंची एनएचआई की क्रेन का चालक रोड पर क्षतिग्रस्त वाहनों का टोचन कर रहा था। उसी समय प्रयागराज से वाराणसी की तरफ जा रही एक स्कॉर्पियो कार अनियंत्रित हो गई और क्रेन चालक को रौंदते हुए हाइवे पर जा पलटी। जिसमें क्रेन चालक प्रमोद यादव उम्र 42 वर्ष निवासी कोईलरा थाना गोपीगंज (भदोही) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं स्कॉर्पियो में सवार गिरजा पति पांडेय (उम्र 40 वर्ष), राकेश पांडेय (35 वर्ष), सिमा देवी (32 वर्ष), किरण देवी (33 वर्ष), ऋषभ पांडेय (18 वर्ष) व वेदांत पांडेय (12 वर्ष ) गम्भीर रूप से घायल हो गए। सभी घायल ग्राम करहगर जिला रोहतास (बिहार) के बताए गए। मौके पर पंहुची पुलिस ने सभी घायलों को एम्बुलेंस की सहायता से ट्रामा सेंटर भिजवाया। इधर पुलिस ने मृतक क्रेन चालक प्रमोद यादव के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की एक बेटी मुस्कान (13 वर्ष) और एक बेटा मयंक (7 वर्ष) बताया गया। सूचना पर पहुंचे परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

**दुखद**

**क्रेन से टकराई स्कॉर्पियो आधा दर्जन घायल**

# प्रभारी मंत्री दानिश आजाद अंसारी का ऊंज बार्डर पर भव्य स्वागत

जनसंदेश न्यूज

गोपीगंज। विकास कार्यों की समीक्षा के लिए लखनऊ से चलकर ज्ञानपुर जा रहे राज्यमंत्री दानिस आजाद अंसारी भदोही बार्डर पर सैकड़ों कार्यकताओं के साथ अपलसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष सिराज अख्तर ने बैंड बाजों के साथ फूल मालाओं से लादकर उनका भव्य स्वागत किया। इसके बाद वहां से उनका काफिला ज्ञानपुर की तरफ बढ़ गया। रास्ते में गगन कुमार गुप्ता ने भी उनका स्वागत किया।

25 मार्च को उत्तर प्रदेश सरकार के एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के विशेष अवसर पर जनपद के प्रभारी मंत्री दानिश आजाद अंसारी राज्य मंत्री, अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज उत्तर प्रदेश तमाम लोकार्पण समीक्षा के लिए जनपद में आये हुए थे। रास्ते मे भाजपा अल्प संख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष सिराज अख्तर के आवास पर लगभग एक घंटे रुक कर अल्पाहार के बाद जिले व नगर की समस्याओं से रूबरू होने बाद सभी समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया। जहां पर मुख्य रूप से दीपक मिश्र, पूर्व सभासद विन्देश गुप्ता, सभासद मजहरउल्ला गुड्डू, संजय यादव, राजू सिंह, संजय प्रताप सिंह (बऊ), अश्विनी अग्रवाल, गगन गुप्ता, कल्लू सिंह, गुलाब पाठक, समीम अहमद, हाफिज सलीम, अफसर अली, मेराज अहमद, इरशाद अली, मोहम्मद नसीम आदि लोग उपस्थित रहे।

# सरकार के 6 साल पूरे होने पर प्रभारी मंत्री ने गिनाई उपलब्धियां

**आयोजन**

**जनसंवाद हेल्प डेस्क का प्रभारी मंत्री ने किया शुभारम्भ**

**डीएम गौरांग राठी के अभिनव पहल में शामिल हैं जनसंवाद डेस्क**

**अब फरियादियों को शिकायत निस्तारण की आख्या ऑनलाइन भी मिल सकेगीः डीएम**

जनसंदेश न्यूज

इंटर कॉलेज के मैदान पर दिव्यांगों को मोटराइज्ड ट्राई साइकिल का वितरण करते प्रभारी मंत्री

ज्ञानपुर। उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार के दूसरे कार्यकाल 25 मार्च को एक वर्ष पूरा हो गया। योगी सरकार के एक साल पूरा होने के उपलक्ष्य में शनिवार को जनपद के प्रभारी मंत्री राज्यमंत्री अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज दानिश आजाद अंसारी ने जिले में पहुंचकर जिलाधिकारी गौरांग राठी के अभिनव पहल जनसंवाद हेल्प डेस्क का शुभारम्भ किया व कहा कि सुशासन की दिशा में जनसंवाद हेल्प डेस्क प्रभावी कदम हैं।

विभूति नारायण राजकीय इंटर कॉलेज के मैदान पर दिव्यांगों को मोटराइजड ट्राई साइकिल का वितरण किया। कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया। प्रभारी मंत्री ने विकास पुस्तिका का विमोचन और विकास कार्यों का लोकार्पण करने के बाद मीडियाकर्मियों से मुखातिब होकर प्रेस वार्ता कर प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को बताया।

प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल को आज छह वर्ष पूरे हो गए हैं। छह साल का कार्यकाल विकासवाद और राष्ट्रवाद का अद्भुत संगम रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में यूपी देश का नंबर वन राज्य बन चुका है। यूपी में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से 35 लाख करोड़ का निवेश हुआ है।

इस अवसर पर सांसद रमेश चंद्र बिंद, जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी, औराई विधायक दीनानाथ भास्कर, ज्ञानपुर विधायक विपुल दुबे, भदोही विधायक जाहिद बेग, जिलाधिकारी गौरांग राठी, पुलिस अधीक्षक डॉ अनिल कुमार सहित जनपद के जिला स्तरीय अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद रहें।

### डीएम के अभिनव पहल की प्रभारी मंत्री ने की सराहना

ज्ञानपुर। भदोही जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे अभिनव पहल जनसंवाद दिवस, स्मार्ट विलेज संकल्पना, ग्राम ज्ञानालय, ग्रामीण स्वच्छता अभियान, ग्रामीण बाजार साफ सफाई अभियान, खेल मैदान, खेत तालाब, पोषण पोटली की प्रभारी मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने सराहना की और कहा कि जिला प्रशासन के सभी अभिनव पहल जनहितकारी हैं।

# ...लेकिन दस्तावेज तो कुछ और कह रहे हैं

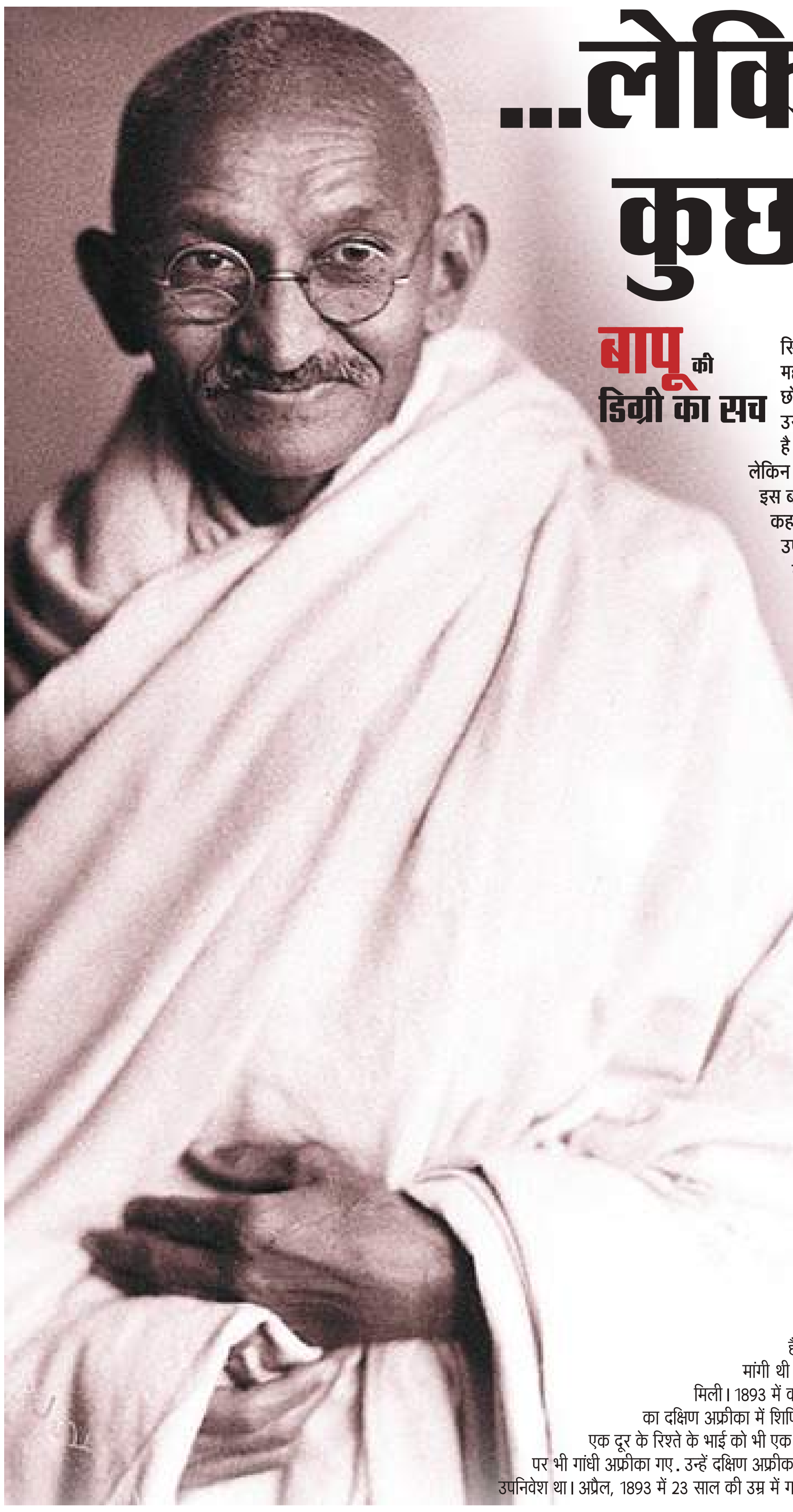

## बापू की डिग्री का सच

जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने गुरुवार को दावा किया था कि महात्मा गांधी के पास कानून की डिग्री तो छोड़िए कोई भी यूनिवर्सिटी डिग्री नहीं थी। उन्होंने कहा,पढ़े-लिखे लोगों तक को भ्रांति है कि गांधी जी के पास कानून की डिग्री थी, लेकिन गांधी जी के पास कोई डिग्री ही नहीं थी। इस बयान पर भी बवाल मचा हुआ है। लोग यह कह रहे हैं कि यह सच नहीं है और उपराज्यपाल ने अपने बयान के समर्थन में दस्तावेज नहीं दिए हैं। दरअसल, जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल ग्वालियर की आईटीएम यूनिवर्सिटी में डॉ. राम मनोहर लोहिया व्याख्यान समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए थे। यहां लोहिया पर एक किताब के विमोचन के बाद मनोज सिन्हा ने अपने भाषण की शुरूआत गांधी जी की प्रशंसा से की। उन्होंने कहा, गांधी ने बड़े-बड़े काम किए, ये अभी बताया गया है. मैं दोहराना नहीं चाहता हूं। देश को आजादी मिली। क्या-क्या किया। लेकिन सब कुछ जो हासिल हुआ उसके केंद्रबिंदु में एक ही बात थी- सत्य। जीवन भर वो सत्य से बंधे रहे, सत्य के अधीन उन्होंने काम किया,आचरण किया। उनके जीवन के हर पहलू को जांचिए आप। इसके अलावा और कुछ नहीं था उनके जीवन में. जितनी चुनौतियां आईं, जितनी परीक्षाएं आईं। सत्य कभी नहीं त्यागा और महात्मा गांधी अंतर्ध्वनि पहचान लिए. परिणाम हुआ कि राष्ट्रपिता हो गए।

**मनोज सिन्हा के दावे की सच्चाई ठहर नहीं रही**

**बापू ने विदेश में मुकदमे लड़े थे, कानून की डिग्री न होती तो केस लड़ने की इजाजत कैसे मिलती**

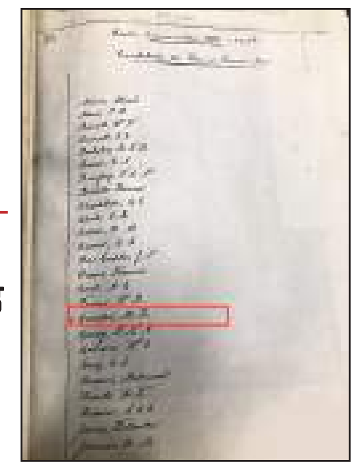

## दस्तावेज क्या कहते हैं ?

'बीबीसी' ने राष्ट्रीय गांधी संग्रहालय से जो दस्तावेज हासिल किए हैं, उनमें साल 2020 में दिल्ली हाई कोर्ट में 'गांधी एक वकील के रूप में' नामक एक प्रदर्शनी में शामिल किए गए गांधी जी के आवेदन को वो प्रति भी है। ये आवेदन उन्होंने बॉम्बे हाई कोर्ट में वकालत शुरू करने के लिए दिया था। आवेदन 1891 में दिया गया था। इस दस्तावेज पर भी गांधी जी के हस्ताक्षर हैं। लेकिन बॉम्बे हाई कोर्ट में गांधी जी की वकालत चल नहीं पाई और वो काठियावाड़ पॉलिटिकल एजेंसी में प्रैक्टिस करने के लिए राजकोट चले गए। राजकोट पॉलिटिकल एजेंसी के गजट में यहां की अदालतों में प्रैक्टिस के लिए दिए गए महात्मा गांधी के आवेदन की सूचना दी गई है। 1892 में जारी एजेंसी की अधिसूचना नंबर -16 में कहा गया है कि बैरिस्टर ऑफ लॉ मिस्टर एम. के. गांधी ने काठियावाड़ पॉलिटिकल एजेंसी की अदालतों में प्रैक्टिस की अनुमति मांगी थी और उन्हें इजाजत दी गई है। हालांकि काठियावाड़ में भी उन्हें कानून की प्रैक्टिस में कोई खास सफलता नहीं मिली। 1893 में काठियावाड़ के एक मुस्लिम व्यापारी दादा अब्दुल्ला ने मोहन दास करमचंद गांधी से संपर्क किया. दादा अब्दुल्ला का दक्षिण अफ्रीका में शिपिंग का सफल बिजनेस था. वो चाहते थे कि गांधी वहां जाकर उनके कारोबारी मुकदमे लड़ें। दादा अब्दुल्ला के एक दूर के रिश्ते के भाई को भी एक वकील की जरूरत थी और वो चाहते थे कोई काठियावाड़ी वकील हो तो अच्छा रहेगा। दादा अब्दुल्ला के बुलाने पर भी गांधी अफ्रीका गए. उन्हें दक्षिण अफ्रीका के नटाल मे एक साल रह कर दादा अब्दुल्ला के मुकदमे लड़ने थे. उस वक्त दक्षिण अफ्रीका भी अंग्रेजों का उपनिवेश था। अप्रैल, 1893 में 23 साल की उम्र में गांधी अब्दुल्ला के रिश्ते के भाई के वकील बनने के लिए दक्षिण अफ्रीका पहुंचे थे।

## गांधी की कानून की डिग्री को लेकर क्या कहा था एलजी ने

इस बारे में बात करते हुए मनोज सिन्हा ने महात्मा गांधी की शैक्षणिक योग्यता पर सवाल किया। उन्होंने कहा, एक और चीज मैं आपसे कहना चाहता हूं. देश में अनेक लोगों और पढ़े-लिखे लोगों को भ्रांति है कि गांधी जी के पास लॉ की डिग्री थी। गांधी जी के पास कोई डिग्री नहीं थी। अभी मैं बताऊंगा, कुछ लोग मंच पर भी आकर प्रतिकार करेंगे। लेकिन मैं तथ्यों के साथ आगे बात करूंगा। उन्होंने कहा, कौन कहेगा कि गांधी जी एजुकेटेड नहीं थे, शिक्षित नहीं थे। मुझे नहीं लगता कि किसी में साहस है कि ये बात कह सके। लेकिन क्या आप जानते हैं उनके पास एक भी यूनिवर्सिटी डिग्री या क्वालिफिकेशन नहीं थी। सिन्हा ने कहा, हममें से कई लोग ये सोचते हैं कि उनके पास कानून की डिग्री थी। लेकिन उनके पास ये नहीं थी. उनकी एकमात्र योग्यता हाई स्कूल डिप्लोमा थी। जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल ने कहा, वो कानून की प्रैक्टिस के लिए क्वालिफाई कर गए थे लेकिन उनके पास कानून की डिग्री नहीं थी, लेकिन देखें कि वो कितने शिक्षित थे कि राष्ट्रपिता बन गए। तो मैं ये आपको बताना चाहता हूं कि सिर्फ डिग्री की औपचारिकता तक ही न रहें या इसे ही शिक्षा न समझें। मनोज सिन्हा ने अपने भाषण में गांधी जी की डिग्रियों के बारे में कहा कि वो इस पर तथ्यों के साथ बात करेंगे। लेकिन उन्होंने ऐसा कोई तथ्य नहीं दिया, जिससे उनके दावों की पुष्टि हो। वैसे महात्मा गांधी की शिक्षा से जुड़े दस्तावेज सिन्हा के दावों के उलट तथ्य पेश करते हैं। 'बीबीसी हिंदी' ने राष्ट्रीय गांधी संग्रहालय से जो दस्तावेज हासिल किए हैं, उनके मुताबिक गांधी ने लंदन यूनिवर्सिटी से जुड़े लॉ कॉलेज इनर टेम्पल से कानून की पढ़ाई कर डिग्री हासिल की थी। गांधी को 1891 में बार-एट-लॉ का सर्टिफिकेट जारी हुआ था। इस सर्टिफिकेट के अलावा बार के सामने पेश महात्मा गांधी का दस्तखत किया हुआ दस्तावेज भी मौजूद है। इनर टेम्पल में उनके दाखिले का दस्तावेज भी है। इस दस्तावेज का नंबर 7910 है. इसमें उनके इनर टेम्पल में उनके दाखिले की घोषणा है। इस दस्तावेज में एडमिशन का खर्च, स्टैम्प ड्यूटी. लेक्चर में शामिल होने की फीस का भी ज़िक्र है। लंदन में कानून की पढ़ाई के बाद गांधी भारत लौटे और बॉम्बे हाई कोर्ट में वकालत की प्रैक्टिस शुरू की. लेकिन यहां उनकी वकालत नहीं चली।

## महात्मा गांधी के प्रपौत्र ने क्या कहा

मनोज सिन्हा की ओर से गांधी जी की डिग्रियों पर किए गए दावे के बाद महात्मा गांधी के प्रपौत्र तुषार गांधी ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने एक के बाद एक ट्वीट कर मनोज सिन्हा के दावे का खंडन किया। एक ट्वीट में उन्होंने लिखा, एम.के. गांधी ने दो बार मैट्रिक पास की. एक अल्फ्रेड हाई स्कूल राजकोट से, दूसरी इसके ही बराबर मानी जाने वाली लंदन की ब्रिटिश मैट्रिकुलेशन। उन्होंने लंदन यूनिवर्सिटी से जुड़े लॉ कॉलेज इनर टेम्पल से कानून की पढ़ाई की और वहां से इसकी डिग्री हासिल की। उन्होंने लिखा, गांधी जी ने एक के बाद एक दो डिप्लोमा हासिल किए. एक लैटिन में और दूसरा फ्रेंच में। एक अन्य ट्वीट में उन्होंने लिखा,मैंने बापू की आत्मकथा जम्मू राजभवन को भेज दी, इस उम्मीद से कि उप राज्यपाल इसे पढ़ कर ज्ञान हासिल कर सकेंगे।

**बीबीसी से साभार**

# कैंपा कोला की फिर मचेगी धूम?

**तैयारी**

### वक्त की पड़ी बर्फ सोई हुई बोतलों पर से हटेगी, 22 करोड़ रुपए में रिलायंस ने इसे खरीदा है

सत्तर और अस्सी के दशक में कैंपा कोला राजधानी दिल्ली में छाई हुई थी और इसके सामने नामी सॉफ्ट ड्रिंक टिक नहीं पाते थे। लेकिन कनॉट प्लेस के शंकर मार्केट से फायर ब्रिगेड लेन की तरफ जब जाएं तो बाई ओर खड़ी मलीन इमारत की खस्ताहाली से यकीन नहीं कर पाएंगे कि यही वो इमारत है जिसके शानदार दिन कैसे गुमनाम हो गए। हल्के पड़ गए रंगों के बीच दीवार पर लिखा कैंपा कोला अतीत की याद दिलाएगा।

लेकिन अब रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने देश के सॉफ्ट ड्रिंक बाजार में जोर-आजमाइश करने के लिए कमर कस ली है। यानी अब सॉफ्ट ड्रिंक मार्केट में फिर धूम मचाएगा कैंपा कोला। एक जमाना था जब यहाँ हर समय कैंपा कोला की बोतलों को सप्लाई करने वाली दर्जनों गाड़ियाँ खड़ी रहा करती थीं, इस बिल्डिंग के मेन गेट के बाहर लक्जरी कारों की लाइन लगी रहती थी।

कुछ समय पहले रिलायंस रिटेल के 1970 और 1980 के दशक के सबसे चर्चित सॉफ्ट ड्रिंक ब्रैंड कैंपा कोला के टेकओवर करने की खबर आने के बाद लग रहा था कनॉट प्लेस में कैंपा कोला फैक्ट्री में फिर से हलचल शुरू हो जाएगी। इस पुरानी फैक्ट्री में एक जमाने में पहले कोका कोला और फिर कैंपा कोला का उत्पादन होता था, उत्पादन की प्रकिया को फैक्ट्री के बाहर से भी देखा जा सकता था क्योंकि फैक्ट्री में लगे शीशों के पीछे बोतलों में सॉफ्ट ड्रिंक मशीन के जरिए एक कन्वेयर बेल्ट पर भरी जाती थीं। उस जमाने के लोग कहते हैं कि स्कूल से गुजरते समय कोका कोला की फैक्ट्री स्कूल की तरफ से कई बार घूमने आए थे, यहां पर मैनेजमेंट की तरफ से स्कूल के बच्चों को गिफ्ट वगैरह मिलते थे। बाद में यह बंद होने लगी और एक वक्त ऐसा आया कि यह शानदार फैक्टरी बंद हो गई। अब गर्मी शुरू हो चुकी है तो जल्दी ही पारा चढ़ने लगेगा, बस तब ही रिलायंस का कैंपा लैमन तथा कैंपा ऑरेंज बाजार में पेप्सीको और कोका-कोला को टक्कर देने के लिए आ जाएगा। रिलायंस ने पिछले साल प्योर ड्रिंक्स से कैंपा कोला ब्रांड को 22 करोड़ रुपये में खरीद लिया था। इस बीच, रिलायंस की तरफ से कहा गया है कि उसके शीतल पेय सबसे पहले आंध्र प्रदेश तथा तेलंगाना में लांच होंगे, उसके बाद वे सारे देश में लांच होते रहेंगे, बेशक, रिलायंस का यह कहना सही है कि बुजुर्ग हो रहे हिन्दुस्तानियों को कैंपा कोला के स्वाद की यादें हैं। उन्होंने इसे अपने बचपन में खूब पिया है पर रिलायंस का फोकस तो सभी उम्र के कस्टमर हैं। रिलायंस कंज्यूमयर प्रोडक्ट्स इन सॉफ्ट ड्रिंक्स को लांच कर रही है, अभी तक साफ़्ट ड्रिंक्स मार्केट में पेप्सी और कोक का तगड़ा कब्जा है। कोका कोला का 51 फीसद बाजार पर और पेप्सीको का 34 फीसद बाजार पर कब्जा है।अब आप अंदाजा लगा सकते हैं कि बाजार का रुख किस तरफ है, इनके अलावा बहुत से लोकल शीतल पेय उत्पाद भी बाजार में मौजूद हैं. सॉफ़्ट ड्रिंक के खेल में विज्ञापन बहुत अहमियत रखता है। पेप्सीको और कोका कोला का हर साल विज्ञापनों पर सैकड़ों करोड़ का बजट होता है। जाहिर है, रिलायंस को अगर सॉफ़्ट ड्रिंक्स बाजार में अपने लिए जगह बनानी है तो उसे काफी विज्ञापन करना होगा। हालांकि रिलायंस के लिए विज्ञापन करना और बाजार में अपनी पैठ बनाने के लिए कोई तूफान खड़ा करने की जरूरत नहीं। उसे पता है कि कैसे बाजार में प्रवेश किया जाता है। जिन दिनों कैंपा कोला के जलवे थे तब इसका ब्रांड एम्बेसेडर सलमान खान हुआ करते थे, अब ये देखने वाली बात है कि रिलायंस किस सेलिब्रेटी को कैंपा कोला का ब्रांड एंबेसेडर बनाता है। जानकारों का कहना है कि वैसे तो रिलायंस में यह क्षमता है कि वो पेप्सीको तथा कोका कोला को चुनौती दे सके, पर बिना जोरदार विज्ञापन किए बात नहीं बनेगी, विज्ञापन का तो हल्ला बोलना होगा नए ब्रांड को लांच करने के लिए। रिलायंस को उम्मीद है कि कैंपा कोला की बाजार में नए रूप में वापसी का उपभोक्ता स्वागत करेंगे, वे इसे हाथों-हाथ लेंगे, रिलायंस ने अपने नए लांच होने जा रहे उत्पादों का स्लोगन रखा है, द ग्रेट इंडियन टेस्ट। खबर तो यह भी है कि रिलायंस ने कैंपा कोला के दाम भी वाजिब ही रखे हैं। और यही उसकी पुरानी रणनीति का हिस्सा रही है। कैंपा कोला सरदार मोहन सिंह और उनके पुत्र चरणजीत सिंह से संबंधित है। सरदार मोहन सिंह की मृत्यु के बाद चरणजीत सिंह ने कैंपा कोला और अपने दूसरे कारोबार को बुलंदियों पर पहुँचाया था, चरणजीत सिंह के पिता सरदार मोहन सिंह भारत में कोका कोला के बिजनेस को शुरू करने वालों में से एक थे। वे नई दिल्ली नगर परिषद (एनडीएमसी) के नामित उपाध्यक्ष भी रहे, उन्होंने जनपथ में तिब्बत मार्केट तथा डिफेंस कॉलोनी स्थापित करने में भी अहम रोल निभाया था। चरणजीत सिंह को कांग्रेस ने 1980 के लोकसभा चुनाव में साउथ दिल्ली सीट से टिकट दिया, उनके सामने जनता पार्टी के नेता विजय कुमार मल्होत्रा थे।

चरणजीत सिंह ने मल्होत्रा को एक लाख से ज्यादा वोटों से हराया था। महत्वपूर्ण ये भी है कि उस लोकसभा चुनाव में सिर्फ.नई दिल्ली सीट से अटल बिहारी वाजपेयी विजयी हुए थे, बाकी छह सीटों पर कांग्रेस को ही विजय मिली थी, चरणजीत सिंह एक कीर्तिमान बना गए थे। उनसे पहले या बाद में कभी दिल्ली से कोई सिख लोकसभा नहीं पहुंचा। उन्हीं चरणजीत सिंह ने 1982 के एशियाई खेलों के समय होटल ली-मेरिडियन खोला, इसे राजधानी के सबसे लक्जरी होटलों में से एक माना जाता है।

## जॉर्ज फर्नान्डीज ने बंद कराया था कोका कोला

कैंपा कोला को प्योर ड्रिंक्स ग्रुप ने देश में 1975 में इमरजेंसी लगने के बाद लांच किया था। दरअसल, इमरजेंसी के बाद जब लोकसभा के चुनाव हुए तो जनता पार्टी जीती, उसमें उद्योग मंत्री जॉर्ज फर्नांडीज बने। उन्होंने कोका कोला का भारत में उत्पादन बंद करवा दिया था। सरदार मोहन सिंह की कंपनी प्योर ड्रिंक्स तो कोका कोला का उत्पादन करके मोटी कमाई कर रही थी, तब तक पेप्सी की भारत में एंट्री नहीं हुई थी। जनता पार्टी सरकार के फैसले के बाद प्योर ड्रिंक्स ने तुरंत कैंपा कोला लाँच कर दिया, कोका कोला को देश से बाहर का रास्ता दिखाने के बाद सरकार ने डबल सेवन शीतल पेय लांच किया, उसका नाम डबल सेवन इसलिए रखा गया था क्योंकि 1977 के चुनाव में ही जीतकर कांग्रेस विरोधी सरकार आई थी। इस बीच, आर्थिक उदारीकरण के बाद कोका कोला की भारत में 1991 के बाद फिर से वापसी हो गई. यह याद रखा जाए कि प्योर ड्रिंक्स ही कोका कोला को 1949 में भारत में लाई थी, उन्हें अमेरिकी कंपनी ने भारत में कोका कोला के उत्पादन तथा बेचने का लाइसेंस दिया था। जाहिर है, कोका कोला के उत्पादन बंद होने के बाद प्योर ड्रिंक्स ने कैंपा कोला को लांच किया और करीब एक-डेढ़ दशक तक बाजार में अपना कब्जा बनाए रखा, पर पेप्सी के भारत के बाजार में आने के बाद प्योर ड्रिंक्स ने घुटने टेक दिए, तब तक चरणजीत सिंह का भी निधन हो गया, कंपनी ने अपने आपको होटल ली मेरिडियन के बिजनेस तक सीमित कर लिया था।

मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम जी के
आत्म बाल सखा निषादराज श्री गुह्या
का
जन्मोत्सव कार्यक्रम
मुख्य अतिथि
जयवीर सिंह
मंत्री, पर्यटन एवं संस्कृति, उत्तर प्रदेश
गरिमामयी उपस्थिति
डॉ. संजय कुमार निषाद
मंत्री, मत्स्य विकास
उत्तर प्रदेश
प्रवीण कुमार निषाद
सांसद
संत कबीर नगर
दिनांक : 26 मार्च, 2023 | समय : पूर्वाह्न 10:00 बजे
स्थान : श्रृंगवेरपुर धाम, प्रयागराज
संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश